राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना...

इजरायल की जीत का रास्ता राफा से ... 12

वर्ष : 14 | अंक : 326 | नई दिल्ली, बुधवार, 10 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 30°C

न्यूनतम तापमान 21°C

बाजार

सोना 73,920

चांदी 82,600

सेंसेक्स 74,683

निफ्टी 22,642

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति आज करेंगी दो दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर बुधवार को नई दिल्ली के द्वारका में स्थित यशोभूमि कन्वेंशनल सेंटर में दो दिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। सम्मेलन का आयोजन आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त शीर्ष अनुसंधान संगठन, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन का विषय अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ानाः एक होम्योपैथिक संगोष्ठी होगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, आयुष मंत्रालय के सीसीआरएच के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष डॉ. अनिल खुराना और होम्योपैथी में पद्म पुरस्कार विजेता इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा घोषित संपत्तियों की होगी जांच

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को केंद्रीय मंत्री और तिरुवनंतपुरम से भाजपा उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में घोषित संपत्तियों की जांच का निर्देश दिया। यह कार्रवाई कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई। इसमें चंद्रशेखर द्वारा दायर हलफनामे में वास्तविक और घोषित संपत्ति में बेमेल होने का आरोप लगाया गया है। कानून के मुताबिक, नामांकन पत्र या हलफनामे में कोई भी जानकारी छुपाने पर छह महीने तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

तमिलनाडु के तिरुपुर में सड़क दुर्घटना में पांच की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुपुर में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। कुछ घायल भी हुए हैं। जिस कार में ये लोग सवार थे, उसकी बस से टक्कर हो गई। इसकी वजह से यह हादसा हुआ। हादसे में घायल हुए लोगों को गंभीर अवस्था में तिरुपुर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों और घायलों को कार से बाहर निकालने के लिए पुलिस को क्षतिग्रस्त कार को तोड़ना पड़ा।

राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक भाजपा में शामिल हुए

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक रहे बी एल सोनी मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पार्टी ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक अरुण चतुर्वेदी व प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने सोनी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 के विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। पार्टी के बयान के अनुसार सोनी ने इस अवसर पर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। सोनी ने आरोप लगाया कि गहलोत ने निजी एवं राजनीतिक स्वार्थ के चलते राज्य के लाखों युवाओं के साथ कुठाराघात किया। उन्होंने कहा, गहलोत सरकार में जिन जिम्मेदारों पर भर्ती परीक्षा करवाने की जिम्मेदारी थी, उनका आचरण तक संदिग्ध रहा। सोनी भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली करने पहुंचे

राम मंदिर का न्यौता ठुकराकर कांग्रेस ने प्रभु राम का अपमान किया : पीएम

प्रातः किरण/एजेंसी

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रैली करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा आज देश के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष मनाया जा रहा है। आज विक्रम संवत 2081 का पहला दिन है। मैं समस्त देशवासियों को उगादी, गुड़ी-पड़वा, चेती-चांद, नवरेह और साजिबु-चेरोबा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। रैली को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा, सारी दुनिया की मुश्किलों के बीच भारत ये दिखा रहा है कि उसके लिए कुछ भी करना असंभव नहीं है। भारत जब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत बना तब आपको गर्व हुआ होगा। हमारे चंद्रयान ने जब चांद पर तिरंगा फहराय तब आपको सीना गर्व से चौड़ा हो गया होगा। भारत में हुए जी-20 सम्मेलन की पूरे विश्व में प्रशंसा हुई। कभी कांग्रेस सरकारें दुनिया से मदद मांगती थी। लेकिन कोविड में भारत ने पूरी दुनिया में वैक्सीन और दवाइयां भेजी ये सुनकर आपको गर्व हुआ। विश्व में कहीं भी युद्ध का संकट आया हम वहां से एक-एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाए। इसलिए मैं कहता हूं कि जब देश मजबूत होता है, तब दुनिया उसकी सुनती है।

अयोध्या में प्रभु राम का मंदिर न बने इसके लिए कांग्रेस ने लाख कोशिश की, लेकिन जब देश की जनता ने पाई-पाई देकर इतना भव्य मंदिर बना दिया और जब मंदिर वालों ने आपके सारे गुनाह माफ कर प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित किया। लेकिन आपने (कांग्रेस) आमंत्रण को ठुकरा कर भगवान राम का अपमान किया और जो नेता प्राण प्रतिष्ठा में गए, उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया। पीएम मोदी ने कहा गांव की हमारी 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनेगी। ये मोदी की गारंटी है। पक्के घर, हर घर नल जैसी सुविधा हर परिवार तक पहुंचे ये मोदी की गारंटी है और आप जानते हैं मोदी की गारंटी यानी हर गारंटी पूरा होने की गारंटी।

पीएम मोदी ने कहा भाजपा सरकार ने दिखा दिया कि भारत किसी से कम नहीं है। जब नीयत सही होती है और हौसले बुलंद होते हैं तब नतीजे भी सही मिलते हैं। आज हम चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते देख रहे हैं। कहीं चार, छह और आठ लेन के हाइवे बन रहे हैं, कहीं वंदे भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेन चल रही हैं...पुरानी सरकारों दे दौरान

कांग्रेस की कुटिल चालों से हुआ देश का विभाजन : सीएम आदित्यनाथ

पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वर्णिम युग के रूप में भारत मोदी जी के नेतृत्व में ग्लोबल पावर बनने की ओर अग्रसर है। हम सभी ने बदलते हुए भारत को देखा है। बदलते भारत में सुरक्षा, सम्मान, विकास परियोजनाएं और गरीब कल्याण योजनाओं का कोई सानी ही नहीं है। गुरु नानक देव का जन्म जिस भूमि पर हुआ था, वह कभी अखंड भारत का हिस्सा था। कांग्रेस की कुटिल चालों से देश का विभाजन हुआ, लेकिन सिख भावना और भारत की आस्था का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण संभव हो पाया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने मंगलवार को ड्रमंड इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित जनसभा में पीलीभीत से भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद और बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार के लिए वोट की अपील की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने चैत्र नवरात्रि एवं भारतीय नव संवत्सर की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत के हिंदू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों ने खुद को बलिदान कर दिया था। बाल दिवस किसी और दिन पर मनाया जाता था, लेकिन भारत के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले साहिबजादों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधानमंत्री ने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का अवसर दिया। यह आयोजन आज हर जगह हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीलीभीत एक ओर कृषि के लिए जाना जाता है तो वहीं अपनी अद्भुत कला के लिए भी जाना जाता है। गन्ना किसान यहां की मिठास को देश-प्रदेश व दुनिया में पहुंचाने का कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया कि किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान अब समय पर हो रहा है, अन्यथा पहले कई वर्ष लगते थे और गन्ना किसान देखता रह जाता था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कोई सोचता था कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो पाएगा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में यह संभव हो पाया है। भाजपा प्रत्याशियों के लिए विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए मोदी जी आपके बीच में हैं। दस वर्ष में हमने बदलते भारत में देखा है। यह आपके एक वोट की कीमत ने किया है। आपका वोट गलत हाथों में जाता था तो भ्रष्टाचार में संलिप्त, सुरक्षा-नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली, आतंकियों को बिरयानी खिलाने वाली, देश में उपद्रव करवाने वाली और अन्नदाता किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली सरकारें आती थीं।

उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया: कांग्रेस

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा से पहले मंगलवार को आरोप लगाया कि देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि नई नौकरियों के सृजन और पेपर लीक की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के पास क्या दृष्टिकोण है? प्रधानमंत्री मोदी आज पीलीभीत में जनसभा को संबोधित करेंगे। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आज, प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में हैं। यह एक ऐसा राज्य है जहां युवाओं को भाजपा की डबल इंजन सरकार ने धोखा ही धोखा दिया है। शायद आज प्रधानमंत्री अपने दिखावटी भाषणों के बीच राज्य के युवाओं की इन समस्याओं पर बात करें। न्होंने कहा ह्यपिछले साल मुख्यमंत्री योगी ने वादा किया था कि वह अगले 3-4 वर्षों में राज्य में दो करोड़ नई नौकरियों के अवसर पैदा करेंगे। याद करें, यह वही वादा है जो प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आने से पहले किया था। हम जानते हैं कि इसके बाद क्या हुआ बेरोजगारी ने वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों ने दो करोड़ नौकरी देने के वादे के अनुसार पिछले दशक में क्या किया है? उन्होंने यह प्रश्न भी किया कि प्रधानमंत्री के सहयोगी अब वही वादे क्यों कर रहे हैं जिन्हें प्रधानमंत्री पूरा करने में विफल रहे हैं? उन्होंने जानना चाहा कि उत्तर प्रदेश और भारत के रिकॉर्ड बेरोजगारी संकट को हल करने के लिए भाजपा के पास क्या दृष्टिकोण है? रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार के शासनकाल में, पिछले कुछ वर्षों में सरकारी पदों पर भर्ती के लिए हुई परीक्षाओं के कम से कम 43 पेपर लीक हुए हैं, जिससे कम से कम दो करोड़ उम्मीदवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, हाल ही में, उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द होने से 60 लाख आवेदकों का भविष्य खतरे में पड़ गया। अपनी युवा न्याय गारंटी के तहत, कांग्रेस पेपर लीक को रोकने के लिए मजबूत कानून लाने को प्रतिबद्ध है। रमेश ने सवाल किया, हमारे युवाओं को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण क्या है? भाजपा की डबल इंजन सरकार अपनी गलतियों को सुधारने और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कर रही है कि हमारे युवाओं को फिर कभी इस तरह के अन्याय का सामना न करना पड़े?

राहुल गांधी ने चुनौती को अवसर में बदला, आदिवासी महिलाओं के साथ महुआ बीनकर जीत लिया दिल

शहडोल। मतदाताओं का मत जीतने की ताईघाई कांग्रेस नेता राहुल गांधी समझ गए हैं। उन्हे चुनौती को अवसर में बदलने का मौका मिलता है तो उसे छोड़ते नहीं हैं। इसकी बानगी बीते रोज उस समय देखने की मिली जब राहुल गांधी मध्य प्रदेश के दौरे पर आए थे। यहां राहुल गांधी को तीन चुनावी सभाएं करना थी। जिसमें से मंडला और शहडोल में तो उनकी सभाएं हो गई लेकिन जबलपुर जाते, इसके पहले ही उनके हेलीकॉप्टर का ईंधन खत्म हो गया। उन्हे रात शहडोल में ही बिताना पड़ी। हेलीकॉप्टर में फ्यूल खत्म होने की वजह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शहडोल में रात गुजारनी पड़ी। रात को उन्होंने होटल से निकलकर उमरिया जिले के पाली थाना क्षेत्र में मदारी ढाबा पर भोजन किया। यह इलाका बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगा हुआ है। यहां अक्सर बाघों की साइटिंग भी होती है। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद थे ।शहडोल से उमरिया तक वे सड़क मार्ग से गए। रास्ते में महुआ बीन रही महिलाओं के साथ उन्होंने बातचीत की। इस दौरान महुआ भी बीना। महिलाओं से कांग्रेस को वोट देने की अपील भी की। उन्होंने महुआ अपने हाथ से बीना और टोकरी में रखा। साथ ही साथ उनसे उनकी समस्या भी जानी। उन्होंने कांग्रेस को वोट डालने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है तो हम आपके हितों की रक्षा के लिए जरूर ठोस कदम उठाएंगे। आदिवासी महिला एवं पुरुषों के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे।

राहुल गांधी सोमवार को मध्य प्रदेश के सिवनी और शहडोल लोकसभा सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने मध्य प्रदेश आए थे। उन्होंने सिवनी में सभा को संबोधित किया और फिर शहडोल के बाणगंगा मेला मैदान में भी सभा ली। इसके बाद जब उन्हें लौटना था तब हेलीकॉप्टर का फ्यूल खत्म हो गया। मौसम भी खराब हो चुका था। इस वजह से राहुल को रात शहडोल में गुजारनी पड़ी। मंगलवार सुबह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उमरिया से उक विमान में सवार हुए और दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

चौधरी बीरेंद्र सिंह की कांग्रेस में घर वापसी

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह भारतीय जनता पार्टी) से करीब एक दशक पुराना रिश्ता खत्म कर मंगलवार को फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में शामिल होने पर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह पार्टी में उनकी सिर्फ घर वापसी नहीं है, बल्कि विचारधारा की वापसी है। उनकी पत्नी और पूर्व विधायक प्रेमलता भी कांग्रेस में शामिल हुईं। बीरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदयभान और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने के बाद सिंह ने कहा, ह्यह्यमेरा कांग्रेस में शामिल होना न सिर्फ घर वापसी है, बल्कि ये विचारधारा की वापसी भी है। मैं ये बात इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मैंने मान्यताओं को निभाया है। देश में नेताओं के लिए व्यावहारिक रूप से कुछ गरिमा व मान्यताएं हैं, जिन्हें निभाना चाहिए क्योंकि मान्यताओं को निभाने से ही हमारा देश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि वह गांधी परिवार का सम्मान करते हैं और भाजपा में जाने के बाद भी उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के बारे में कोई हल्की बात नहीं की। सिंह ने कहा, मैं जिस दिन कांग्रेस से भाजपा में गया था उस दिन सोनिया गांधी जी से मिलकर गया था। मैं उनसे क्षमा मांगकर गया था। मुझे राजीव गांधी जी और सोनिया गांधी जी ने जितना विश्वास दिया है उतना किसी और नहीं दिया। महान किसान नेता सर छोटू राम के नाती बीरेंद्र सिंह ने दावा किया कि देश करवट ले रहा है और बदलाव होने वाला है। वासनिक ने उनका स्वागत करते हुए कहा, आज देश में लोकतंत्र और संविधान के सामने चुनौतियां हैं। ऐसी परिस्थितियों को जानते हुए बीरेंद्र सिंह जी ने तय किया है कि कांग्रेस के साथ आना होगा। चौधरी जी के आने से कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर और हरियाणा में बल मिलेगा। मैं चौधरी जी का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करता हूं। हुड्डा ने भी बीरेंद्र सिंह का कांग्रेस में स्वागत किया। उन्होंने कहा, आज चौधरी बीरेंद्र सिंह जी अपने कई साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए हैं। आप सभी का कांग्रेस पार्टी में स्वागत है। देश के संविधान, लोकतंत्र को बचाने के लिए सबको एक साथ होने की जरुरत है। आप सभी का हमारे साथ आना खुशी की बात है। सुरजेवाला ने कहा कि बीरेंद्र सिंह के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, चौधरी बीरेंद्र सिंह जी का कांग्रेस में शामिल होना, हमारे लिए एक भावुक और गौरवान्वित क्षण है। चौधरी बीरेंद्र सिंह जी का इंदिरा गांधी जी, राजीव गांधी जी और सोनिया गांधी जी के साथ एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। उनके आने से कांग्रेस को और मजबूती मिलेगी।

महाराष्ट्र में एमवीए एकजुट, सीट बंटवारे पर बनी बात

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में आखिरकार महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच सीट शेयरिंग की गुत्थी सुलझ गई। महाविकास अघाड़ी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को सीटों के बंटवारे का ऐलान कर दिया। राज्य में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट 21, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) 10 और कांग्रेस 17 सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगी। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। उद्धव गुट वाली शिवसेना जलगांव, परभणी, नासिक, पालघर, कल्याण, ठाणे, रायगढ़, मवाल, धाराशिव, रत्नागिरी, बुलढाणा, हातकणंगले, संभाजीनगर, शिरडी, सांगली, हिंगोली, यवतमाल, मुंबई उत्तर-पश्चिम, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई दक्षिण और मुंबई उत्तर पूर्व सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस नंदरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, मुंबई, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर, रामटेक और उत्तर मुंबई से अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगी। इसके अलावा शरद पवार की पार्टी बारामती, शिरपुर, सतारा, भिवंडी, डिंडौरी, माधा, रावेर, वर्धा, अहमदनगर दक्षिण और बीड सीटों से चुनाव लड़ेगी। इसकी घोषणा उद्धव ठाकरे, शरद पवार और पृथ्वीराज चव्हाण ने मीडिया को संबोधित करते हुए की। इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रयास लगातार जारी है। लेकिन, हमें ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जनता ने तय कर लिया है कि मैंने जो इस बार 'तड़ीपार' का नारा दिया था, उसको पूरा करना है। उद्धव ठाकरे ने कहा, ₹कल प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र में आए थे, कल का योग जैसे मैंने कहा ऐसा योग बहुत सालों के बाद आया है। एक तो कल सूर्यग्रहण था, अमावस्या भी थी और पीएम मोदी की सभा भी थी। कल जो उन्होंने भाषण दिया था, वह प्रधानमंत्री का नहीं था। भाजपा के एक नेता नरेंद्र मोदी का था। प्रधानमंत्री अगर एक पार्टी का प्रचार करने लगें तो ये अच्छी बात नहीं होगी। अगर हम उनकी (पीएम मोदी) आलोचना कर रहे हैं, तो ध्यान रहे कि हम देश के प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम 'भ्रष्ट जनता पार्टी' यानी भाजपा के एक नेता नरेंद्र मोदी की आलोचना कर रहे हैं। अगर वह हमारी आलोचना करेंगे तो हम भी उनकी आलोचना करेंगे।" उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने (पीएम मोदी) एक बात कही नकली सेना की। धन उगाही पार्टी के एक नेता नरेंद्र मोदी हैं, सभी लोग जानते हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड का घोटाला, पूरी दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला है, उस घोटाले का जब पदार्फाश हुआ तो पता चला कि कैसे इन भ्रष्ट पार्टी के नेताओं ने डराकर-धमकाकर, केंद्रीय एजेंसी से रेड करवाकर चंदा लिया है। मतलब चंदा लो और धंधा लो।

मोदी सरकार की वापसी के लिए नवरात्र में शतचंडी महायज्ञ शुरू

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्रीदूधेश्वरनाथ मठ मंदिर के पीठाधीश्वर तथा पंचदश नाम जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के तत्वावधान में नवरात्र पर्व पर मां देवी के सात मंदिरों में शतचंडी यज्ञ आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष तथा हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के प्रमुख श्रीमहंत नारायण गिरि ने बताया कि आज से नवरात्र आरम्भ हो गए हैं और इस पावन पर्व पर धर्म के रक्षक तथा राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले श्री मोदी की सत्ता की वापसी के लिए के लिए सात देवी मंदिरों में यह यज्ञ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के साथ ही शतचंडी अनुष्ठान आज से शुरू हो गया है और इसके तहत नवरात्र पर्व में सवा 10 लाख नवार्ण मंत्रों का जाप किया जाएगा। मंदिर परिसर में श्रीदूधेश्वर वेद विद्यापीठ के मुख्य आचार्य लक्ष्मीकांत पाढी, आचार्य रोहित त्रिपाठी तथा आचार्य अतुल शर्मा के गणपति पूजन तथा कलश स्थापना के बाद वेद विद्यापीठ के 50 विद्यार्थियों ने नर्वाण मंत्र ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे का जाप शुरू कर दिया। श्री महन्त ने बताया कि महायज्ञ श्रीदूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर, प्राचीन त्रिपुर बाला सुंदरी मंदिर द्वारिकापुरी दिल्ली गेट तथा सिद्धेश्वर महादेव कुटी पाइप लाइन रोड मकरेड़ा में शतचंडी अनुष्ठान शुरू हो गया है।

आप ने 'जेल का जवाब वोट से' अभियान के तहत दिल्ली के शाहदरा में अभियान किया शुरू

प्रातः किरण/एजेंसी

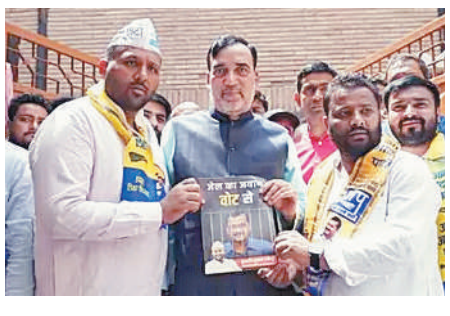

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने 'जेल का जवाब वोट से' अभियान के तहत मंगलवार को दिल्ली के शाहदरा में घर-घर जाकर तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए समर्थन मांगा। अभियान के तहत आप नेता उन चार लोकसभा क्षेत्रों में हर घर का दौरा करेंगे जहां पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने शाहदरा में अभियान की शुरूआत की। उनके साथ पार्टी के पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार कुलदीप कुमार भी थे। केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को दिल्ली की अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही आप ने चार सीटों झ नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली झ पर उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी की शेष तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 25 मई को मतदान होगा।

उड़ान इंस्टालेशन के बाद अंतर-राष्ट्रीय मानक का हो जाएगा कुशीनगर एयरपोर्ट

कुशीनगर एयरपोर्ट : रूस ने भेजी आईएलएस की आपूर्ति, निर्बाध उड़ान की बाधा समाप्त

प्रातः किरण/एजेंसी

कुशीनगर। प्रतिकूल मौसम में भी विमानों के निर्बाध एवं सुरक्षित उड़ान के लिए अंतर-राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लगने वाले आईएलएस(इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) की मशीनरी मंगलवार को सुबह रूस से कुशीनगर पहुंच गई। एयरपोर्ट अधिकारियों की देख रहे में पार्ट्स को सुरक्षित तरीके से अनलोडिंग कराई गई। आई एल एस को इंस्टाल करने के लिए विशेषज्ञ की टीम भी आ गई है। इंस्टाल करने में चार माह का समय लगने की बात कही जा रही है। इंस्टालेशन के बाद एयरपोर्ट अंतर-राष्ट्रीय मानक पूरा कर लेगा। जिसके बाद नियमित घरेलू उड़ान के साथ साथ अंतर-राष्ट्रीय उड़ान में कोई बाधा शेष नहीं रह जायेगी और ग्रेडिंग अपग्रेड होने से एयरपोर्ट अंतर-राष्ट्रीय मानचित्र पर आ जाएगा। एयरपोर्ट पर रात और कोहरे में भी विमान लैंड और टेक आफ कर सकेंगे। दरअसल एयरपोर्ट पर ग्राउंड नेवीगेशनल सिस्टम आईएलएस और डीबीओआर (डापलर वेरी ओमनी रेंज) लगा न होने से नियमित उड़ान से घरेलू विमानन कंपनियां रुचि नहीं ले रही थी। आईएलएस विमानों के आटो मोड में लैंडिंग और टेक आफ कराता है तो दूसरी तरफ डीबीओआर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) और पायलट को टेकआफ से लैंडिंग तक कम्युनिकेशन बनाए रखता है। डीबीओआर इंस्टाल होने के बाद मार्च माह में फ्लाइट इंस्पेक्शन यूनिट ने फ्लाइट कैलिब्रेशन का भी कार्य पूरा कर लिया। अप्रैल 23 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एयरपोर्ट पर आईएलएस व डीबीओआर की स्थापना के लिए 5.75 करोड़ की निविदा की थी। चयनित कम्पनी को कार्य पूर्ण करने के लिए चार माह का समय दिया गया है। किंतु निर्यात के लिए हो रही अंतर-राष्ट्रीय औपचारिकता में समय लगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 10 अप्रैल, 2024

उत्तराखंड में बड़ा हादसा : नैनीताल में दो सौ मीटर नीचे खाई में गिरा वाहन, आठ की दर्दनाक मौत; दो घायल

गरमपानी (नैनीताल), एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में बेतालघाट विकासखंड स्थित ऊंचाकोट क्षेत्र में सोमवार की देर रात पिकअप वाहन खाई में गिर गया। हादसे में सात नेपाली श्रमिकों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंच गई। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू में काफी दिक्कत आई, लेकिन सभी शवों को मशक्कत के बाद खाई से बाहर निकाल लिया गया। हादसे में दो लोग घायल हैं।

मल्लागांव के ऊंचाकोट क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत कार्य चल रहा है। पुलिस के अनुसार चालक के साथ नौ मजदूर पिकअप वाहन में सवार होकर रात करीब साढ़े दस बजे रामनगर के लिए रवाना हुए। नेपाली श्रमिकों को रामनगर से नेपाल जाना था। वाहन गांव से कुछ ही आगे बढ़ा था कि चालक ओड़ा बास्कोट गांव (नैनीताल) निवासी 38 वर्षीय राजेंद्र कुमार पुत्र हरीश राम संतुलन खो बैठा। रोड संकरी होने की वजह से गाड़ी करीब दो सौ मीटर नीचे खाई में गिर गई।

वाहन गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। पुलिस व प्रशासन को भी सूचना दी गई। बेतालघाट थानाध्यक्ष अनीश अहमद और राजस्व उपनिरीक्षक कपिल कुमार भी टीम लेकर रवाना हुए। ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। हादसे में चालक राजेंद्र कुमार व नेपाल मूल के सात श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

थानाध्यक्ष के अनुसार मृतकों में 50 वर्षीय विश राम चौधरी, 45 वर्षीय धीरज, 40 वर्षीय अनंत राम चौधरी, 38 साल का विनोद चौधरी, 55 वर्षीय उदय राम चौधरी, 45 वर्षीय तिलक चौधरी और 60 वर्षीय गोपाल हैं। जबकि शांति चौधरी और छोटू चौधरी उर्फ जनक घायल हैं। शवों को खाई से सड़क तक लाने में करीब दो घंटे लग गए।

पुलिस व ग्रामीणों के साथ बाद में एसडीआरएफ की टीम ने भी मोर्चा संभाला। गंभीर घायल दो श्रमिकों को सबसे पहले उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेतालघाट भिजवाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। थानाध्यक्ष के अनुसार दुर्घटना के कारणों की जांच की जाएगी। सभी श्रमिक ठेकेदार के अंडर कार्य कर रहे थे।

काम पूरा करने के बाद हल्द्वानी लौट रहे थेमल्ला ऊंचाकोट हादसे के शिकार नेपाल के आठ मजदूरों को शायद इसका अंदाजा नहीं होगा कि जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजना का जो काम उन्होंने पूरा किया है, वह उनका आखिरी काम होगा। मजदूर पेयजल योजना के निर्माण के लिए हल्द्वानी से मल्ला ऊंचाकोट पहुंचे थे। दो महीने तक गांव में ही रहने के बाद काम खत्म होने पर वह पिकअप वाहन बुक कर हल्द्वानी लौट रहे थे। मल्ला ऊंचाकोट में पिछले दो महीने से पेयजल लाइन बिछाने का कार्य चल रहा था। मंगलवार को ही योजना का काम पूरा हुआ था। बताया जा रहा है कि मजूदरों ने मंगलवार की सुबह का इंतजार किए बिना सोमवार की देरशाम ही हल्द्वानी जाने का निर्णय लिया। मजदूरों ने अपना सारा सामान पिकअप में लादा और रवाना हो गई। अभी कुछ ही दूरी का सफर तय हुआ था कि हादसा हो गया। पिकअप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। मल्ला ऊंचाकोट के ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह बोरा ने बताया कि मजदूर दो महीने से पेयजल योजना का काम कर रहे थे। सोमवार की शाम को ही काम खत्म हुआ था। मजदूर दो महीने से गांव में ही रह रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्र में माता के श्रृंगार की शोभा बढ़ाएगा जरी का मुकुट

हल्द्वानी, एजेंसी। चैत्र नवरात्र के लिए शहर स्थित माता के मंदिरों को सजाया गया है। साथ ही बाजार में माता की श्रृंगार सामग्री की दुकानें भी गुलजार रहीं। रामलीला मोहल्ला स्थित प्राचीन देवी मंदिर, रानीबाग के शीतला देवी, कालीचौड़ मंदिर, संतोषी माता समेत अन्य मंदिरों को सजाया गया है। मंगलवार को सदर बाजार और मीरा मार्ग पर जगह-जगह माता की श्रृंगार सामग्री की दुकानों में भीड़ रही। व्यापारी हीरा लाल साहू ने बताया कि इस बार माता के श्रृंगार के लिए वेलवेट और जरी की आकर्षक पोशाक की मांग अधिक है। किराना व्यवसायी अनिल जायसवाल ने बताया कि व्रत से जुड़ी खाद्य सामग्री की कीमतें सामान्य हैं। माता के लिए जरी और मेटल के सुंदर मुकुट भी बाजार में आए हैं। बाजार में 100 से दो रुपये तक के मेटल मुकुट उपलब्ध हैं। मथुरा में तैयार जरी वाले मुकुट की कीमत नौ हजार रुपये प्रतिकिलो है।

कार चालक पर्यटक ने बाइक सवार को टक्कर मारी

नैनीताल, एजेंसी। तल्लीताल क्षेत्र में एक कार चालक पर्यटक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। सोमवार को तल्लीताल डाठ क्षेत्र में मल्लीताल निवासी एक युवक अपनी बाइक से जा रहा था। इस बीच पीछे से आ रहे दिल्ली के पर्यटक ने कार से बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे सवार बाइक समेत सड़क पर गिर गया। इसके बाद वह कार लेकर फरार हो गया। तभी मौके पर मौजूद चीता कांस्टेबल अमित गहलोत ने मालरोड में कार चालक पर्यटक को रोक लिया।

माता-पिता के बाद हादसे में घायल युवती की भी मौत, पेड़ से टकरा गई थी कार

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के रामपुर रोड पर चार अप्रैल को हुई कार दुर्घटना में घायल युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बता दें कि दुर्घटना के दिन ही युवती के माता-पिता ने दम तोड़ दिया था। एक हफ्ते के भीतर परिवार में तीसरी मौत से परिजन सदमे में हैं। रामपुर रोड पर चार अप्रैल को हुई कार दुर्घटना में घायल युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई है। बता दें कि दुर्घटना के दिन ही युवती के माता-पिता ने दम तोड़ दिया था। एक हफ्ते के भीतर परिवार में तीसरी मौत से परिजन सदमे में हैं।
खेड़ा रुद्रपुर ऊधमसिंह नगर निवासी जहूर अहमद (50 वर्ष) पुत्र हबीब कबाड़ का कारोबार करते थे। चार अप्रैल को वह पत्नी राशिदा और 24 वर्षीय बेटी निदा के साथ घर से नैनीताल निवासी भाई के घर जा रहे थे। उनकी कार बेलबाबा से पहले अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में जहूर व राशिदा की मौत हो गई थी।

नारसन बॉर्डर पर वाहनों का रेला, जाम में फंसे श्रद्धालु

रूड़की, एजेंसी। सोमवती अमावस्या पर नारसन बॉर्डर पर वाहनों का रेला लगा रहा। बॉर्डर से लेकर पुरकाजी तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई। वहीं, सर्विस रोड पर वाहनों के आवागमन से जाम लग गया। इससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, सुबह से लेकर शाम तक पुलिस जाम खुलवाने में जुटी रही। सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार आने वाले दिल्ली, हरियाणा, नोएडा, गाजियाबाद, राजस्थान, मध्यप्रदेश और पंजाब के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। नारसन बॉर्डर पर सुबह पांच बजे से ही बड़ी संख्या में वाहन जुटना शुरू हो गए। सुबह दस बजे तक वाहनों का रेला उमड़ पड़ा। जिससे नारसन बॉर्डर पर रुक-रुककर जाम लगा। ढ्कई बार स्थिति ऐसी बनी कि बॉर्डर से लेकर पुरकाजी तक वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम लगता देख पुलिस और पीआरडी के जवानों ने मोर्चा संभाला। इस बीच जाम के हालात देखते हुए पुलिस ने उत्तर प्रदेश की ओर से आने वाले भारी वाहनों को बॉर्डर पर ही रोक दिया। वहीं, हाईवे पर जाम देख कई वाहन चालक सर्विस रोड पर उतर गए। इससे सर्विस रोड पर भी जाम लग गया। शाम तक जाम के हालात बनते रहे। कोतवाली प्रभारी अमरचंद शर्मा ने बताया कि जाम खुलवाने के लिए पुलिस और पीआरडी के जवान तैनात किए गए थे।

भारतीय ग्रामोत्थान संस्था में खुला कंप्यूटर सेंटर

ऋषिकेश, एजेंसी। भारतीय ग्रामोत्थान संस्था ढालवाला में कंप्यूटर सेंटर खुल गया है। इस सेंटर में संस्था में काम करने कर्मचारियों के बच्चों को निशुल्क कंप्यूटर में दक्ष बनाया जाएगा। कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन अध्यक्ष गीता चंदोला और निदेशक अनिल चंदोला ने किया। अनिल चंदोला ने कहा कि संस्था शिक्षा के क्षेत्र में भी पहल कर रही है। कर्मचारियों के 40 बच्चों ने प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण कराया है।

गबन मामले में महिला उपनल कर्मी मुख्य आरोपी

नैनीताल , एजेंसी। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में फरवरी में उजागर हुए लाखों के गबन की जांच पूरी हो गई है। पंजीकरण विभाग में कार्यरत महिला उपनल कर्मी को मुख्य आरोपी और पंजीकरण प्रभारी, सहायक महिला कर्मी को भी जांच अधिकारी ने दोषी माना है।

सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज में फरवरी में उजागर हुए लाखों के गबन की जांच पूरी हो गई है। पंजीकरण विभाग में कार्यरत महिला उपनल कर्मी को मुख्य आरोपी और पंजीकरण प्रभारी, सहायक महिला कर्मी को भी जांच अधिकारी ने दोषी माना है। उपनल कर्मी ने बिल की 946 रसीदें और 7, 57,867 लाख रुपये जमा नहीं किए थे। जांच आख्या के अनुसार सुशीला तिवारी अस्पताल में तैनात उपनल की महिला कर्मचारी की ओर से मरीजों के पंजीकरण का प्रतिदिन का पैसा जमा नहीं किया जा रहा था। शिकायत मिलने के बाद प्राचार्य की ओर से वित्त नियंत्रक को मामले की जांच सौंपी गई। इस बीच महिला कर्मी को हटा दिया था और पंजीकरण प्रभारी और सहायिका को प्राचार्य कार्यालय में अटैच कर दिया गया। इधर जांच अधिकारी की ओर से उपनल महिला कर्मी को सरकारी धन के गबन और लापरवाही का मुख्य दोषी पाया गया है।

बाइस दिन से पानी के लिए भटक रहे ग्रामीण

गरमपानी, एजेंसी। बेतालघाट ब्लॉक के सीम गांव में 22 दिनों से हैंडपंप खराब होने से लोगों के कंठ सूखे हैं। ऐसे में ग्रामीणों को जलस्रोतों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सीम गांव के हरीश चंद्र जोशी, हीरा सिंह, तेज सिंह, मोहन गिरी, राजेंद्र जलाल और दयाल जोशी ने बताया कि जल संस्थान की पाइप लाइन आपदा के बाद से क्षतिग्रस्त हो गई थी। उसके बाद आज तक विभाग ने पाइप लाइन को दुरुस्त नहीं करवाया। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से पानी की समस्या हल करने की मांग की है।

अगले हफ्ते से बढ़ेगी सवारियों की दिक्कत

हल्द्वानी, एजेंसी। अगर आप 15 अप्रैल के बाद सार्वजनिक परिवहन से पहाड़ में शादी समारोह में शामिल होने की योजना बना रहे हैं तो इससे पहले ही जाने का कार्यक्रम तय कर लीजिए। 15 अप्रैल के बाद वाहनों के चुनाव ड्यूटी के लिए आने से लोगों को यात्रा करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। करीब एक हफ्ते तक पहाड़ में यातायात व्यवस्था के साधन भी सीमित रह सकते हैं।

उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल को होने हैं। मगर चुनाव का दिन नजदीक आने के साथ शहर से लेकर पहाड़ तक इस दौरान सफर करने वाले लोगों के लिए समस्या शुरू हो जाएगी। दरअसल चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को लाने और पहुंचाने के लिए टैक्सी, मैक्स, केमू, रोडवेज और प्राइवेट बसों को शामिल किया है। मौजूदा समय में 12 से 15 बसें रोडवेज ड्यूटी पर लग चुकी हैं। वहीं 34 बसों को ड्यूटी पर बुलाया गया है। इससे 12 अप्रैल के बाद मैदानी क्षेत्रों दिल्ली, देहरादून, लुधियाना, चंडीगढ़, लखनऊ, गुरुग्राम आदि शहरों के लिए बसों की कमी होने से यात्रियों को परेशानी हो सकती है। वहीं 15 अप्रैल के बाद पर्वतीय रूटों के लिए बसों की कमी होनी शुरू हो जाएगी। दरअसल परिवहन विभाग को करीब 230 बसें अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत जिलों को भेजनी हैं। वहीं करीब पांच सौ बसें नैनीताल जिले में ड्यूटी पर लगनी हैं। इससे 15 अप्रैल के बाद पहाड़ के लिए केमू बसों का संचालन थमने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ सकती हैं। वहीं करीब सात सौ टैक्सी, मैक्स वाहन अकेले नैनीताल जिले में चुनाव ड्यूटी में लगने हैं। दरअसल 15 अप्रैल के बाद शादी का सीजन शुरू हो जाएगा। इसके लिए लोग मैदान से पहाड़ के लिए भी आएंगे।

गर्मी आते ही गहराने लगा पेयजल संकट, अब भवाली में सप्ताह में एक दिन नहीं मिलेगा पानी

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल के भवाली नगर में गर्मी के साथ पेयजल संकट गहराने लगा है। क्षेत्र की जनता को अब सप्ताह में एक दिन पानी नहीं मिलेगा। इसके लिए जल संस्थान ने चार्ट तैयार किया है।

नैनीताल के भवाली नगर में गर्मी के साथ पेयजल संकट गहराने लगा है। क्षेत्र की जनता को अब सप्ताह में एक दिन पानी नहीं मिलेगा। इसके लिए जल संस्थान ने चार्ट तैयार किया है। नगर में करीब आठ हजार लोगों को पानी मुहैया कराने के लिए विभाग के पास एक ही बोरिंग है।

एई रवि डोभाल ने बताया कि बारिश नहीं होने से पानी का जलस्तर कम हो गया है। जिससे नगरवासियों को अब एक दिन पानी नहीं देने का प्लान बनाया गया है। नगर की पेयजल समस्या के लिए डीपीआर बनाकर भेजी है। गांधी कॉलोनी टैंक, टमट्यूड़ा टैंक में सोमवार, रेहड़ टैंक, दूसरे रेहड़ टैंक में मंगलवार, नई लाइन रेहड़, समर रेजीडेंसी, सोसायटी, नैनी डेवलेपर्स क्षेत्र में बुधवार, पुराने

टैंक हरसोली क्षेत्र में बृहस्पतिवार, ग्रेविटी रोजरीविला, नैनीबैंड क्षेत्र में शुक्रवार, दुगई स्टेट क्षेत्र में शनिवार और पुराने टैंक रामगढ़ रोड क्षेत्र में रविवार को पानी नहीं दिया जाएगा।

आश्वासन के बाद चुनाव बहिष्कार से पीछे हटी समिति

लालकुआं, एजेंसी। लाइनपार संजयनगर की विकास एवं कल्याण समिति के पदाधिकारियों द्वारा संजयनगर हाथीखाना क्षेत्र को नगर पंचायत लालकुआं में शामिल करने और राजस्व ग्राम बनाए जाने की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी के बाद प्रशासन हरकत में आया। उन्होंने समिति के लोगों को बैठक में जांच करने का आश्वासन दिया तो समिति ने चुनाव बहिष्कार के निर्णय को वापस ले लिया है। मामला प्रकाश में आने के बाद सोमवार को सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी हल्द्वानी परितोष वर्मा के निर्देश पर नगर पंचायत सभागार में तहसीलदार मनीषा बिष्ट और अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार सिंह की मौजूदगी में विकास एवं कल्याण समिति के पदाधिकारी से वार्ता के दौरान आचार संहिता का हवाला देते हुए प्रशासन द्वारा चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद मामले की जांच कर हल निकाले जाने का आश्वासन दिया गया। वार्ता में समिति के अध्यक्ष मुख्तार अंसारी, अल्ताफ खान, ओमपाल कश्यप, इमरान खान, तहसीलदार लालकुआं मनीषा बिष्ट आदि मौजूद रहे।

गर्जिया मंदिर परिसर: धूपबत्ती से आग लगने की जताई जा रही आशंका, दुकानों में लगी थी आग

नैनीताल, एजेंसी। गर्जिया माता मंदिर के परिसर में मौजूद प्रसाद की दुकानों में आग लग गई। शुरुआती जांच में मंदिर के टीले से जलती हुई धूपबत्ती के गिरने से आग लगी है।

देश-विदेश में प्रसिद्ध गर्जिया माता मंदिर के परिसर में मौजूद प्रसाद की दुकानों में आग लग गई। शुरुआती जांच में मंदिर के टीले से जलती हुई धूपबत्ती के गिरने से आग लगी है। आग में 35 से अधिक झोपड़ीनुमा दुकानें जलकर राख हो गईं। इससे दुकानदारों को 20 से 22 लाख का नुकसान हुआ है। चैत्र नवरात्रि शुरू होने से पहले दुकानदारों ने लाखों रुपये का सामान रखा हुआ था।

सोमवार को दोपहर डेढ़ बजे के आसपास मंदिर के टीले से एक जलती हुई धूपबत्ती झोपड़ीनुमा दुकान की छप्पर पर बंधी चुनरी में गिर गई। तेज हवा के चलने से चुरनी में आग सुलग गई और उसने विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते करीब 100 दुकानों में से 35 से अधिक झोपड़ीनुमा

दुकानों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। आग से दुकानों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। जिससे दुकानदारों को करीब 20 से 22 लाख का नुकसान हुआ है। मंगलवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो रहे हैं। ऐसे में दुकानदारों ने अपनी दुकान में नारियल, चुनरी, प्रसाद, कोल्डड्रिंक और पानी की बोतल सहित पेयजल के उत्पाद रखे थे। वहीं दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले ही स्थानी दुकानदारों ने आग को बुझा लिया। बाद में मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने एक दो दुकानों में जल रही आग को बुझाया।

दुकानदारों ने बताया कि हवा के साथ आग तेजी से बढ़ रही थी, ऐसे में एक-दूसरे से मिली दुकानों को बीच से अलग किया और दुकानों के बीच खाली जगह बनाई, तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। दुकानदारों ने नदी से पानी को बाल्टियों में भरकर आग में डाला। यदि बीच से दुकानों को अलग नहीं किया जाता तो आग अन्य दुकानों में भी फैल जाती।

पीतांबर, कैलाश पंत, मथुरा राम, रमेश चंद्र शाह, मधुली देवी, अशोक फूल वाले, भोपाल राम, राजू, रधुली देवी, प्रदीप, महेश कुमार, श्याम चंद्र, रमेश चंद्र, पप्पू, गणेश राम, इशोरी राम, हरीश, गोपाल राम, भगीरथ, किशन, राजेराम, खीमराम, मुरारी लाल, गोविंद राम, प्रेमराम, प्रकाश चंद्र, फकीर राम, हरक बाबा, हरूली देवी, भागवंती देवी, सुमित बिष्ट और प्रकाश आदि की दुकानें आग में जल गई।

गर्जिया मंदिर परिसर में कैलाश पंत की प्रसाद की दुकान है। कैलाश ने बताया कि उसने पांच दिन पहले 62 हजार रुपये का आईफोन मोबाइल लिया था। आग इतनी तेजी लगी कि उसे दुकान के अंदर से मोबाइल निकालने का समय नहीं मिला। इसके अलावा सुमित पंत का भी 20 हजार से अधिक का मोबाइल जल गया।

दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है :अरुण सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी सांसद मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी (आप) की आलोचना करते हुए कहा है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, स्कूल भ्रष्टाचार के केंद्र बन गए हैं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर पक्ष जिनके बच्चे ज्यादातर इन सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, वे शिक्षा की बुनियादी सुविधाएं भी ना मिल पाने से परेशान हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि दिल्ली में सरकार भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है और दिल्ली की जनता 25 मई को केजरीवाल सरकार को वोट की ऐसी चोट देगी कि आम आदमी पार्टी दिल्ली की राजनीति से साफ हो जाएगी।

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि भाजपा लगातार कहती रही है कि अरविंद केजरीवाल सरकार के शिक्षा को लेकर दावे पूरी तरह तथ्यविहिन हैं और सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के बाद भाजपा के आरोप सही साबित हो रहे हैं। उच्च न्यायालय की सुनवाई एवं न्यायाधीशों की टिप्पणी ने केजरीवाल सरकार के शिक्षा मॉडल की पोल खोल दी है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय की टिप्पणी के अनुसार केजरीवाल सरकार केवल उच्च कोटि की शिक्षा व्यवस्था पर दावों में मस्त रहती है। जबकि, जमीनी हकीकत बिल्कुल भिन्न है और भाजपा जो आरोप लगा रही थी, वह अब सही साबित हो रहे हैं। केजरीवाल सरकार के दावों के ठीक विपरीत दिल्ली में टीन टप्पर में स्कूल चल रहे हैं, उनमें टूटे डेस्क लगे हैं और किताब, कॉपी, स्कूल ड्रेस का समय पर नहीं बंटना शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा मंत्री आतिशी दिल्ली की जनता खासकर गरीबों के प्रति जवाबदेह हैं। मनोज तिवारी ने केजरीवाल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र ने 2020 में अरविंद केजरीवाल को 7 विधायक दिए। फिर भी उत्तर पूर्वी दिल्ली में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं और यहां की जनता इसके लिए केजरीवाल को माफ नहीं करेगी। आज जब केंद्र सरकार का सर्व शिक्षा अभियान देश के गांव-गांव में स्कूल पहुंचा रहा है, तब यह खेदजनक है कि केजरीवाल के शिक्षा मॉडल के बड़े-बड़े दावों के बीच उत्तर पूर्वी दिल्ली के स्कूलों में एक कक्षा में 144 छात्र पढ़ने को बाध्य हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद है कि सीलमपुर एवं बाबरपुर जैसे क्षेत्र जहां से आम आदमी पार्टी के बड़े विधायक आते हैं, खासकर मंत्री गोपाल राय, वहां भी दिल्ली सरकार के स्कूलों की हालत सबसे खराब पाई गई है।

फिजिक्स वाला को आईबीपीएस रिजल्ट में बड़ी सफलता मिली

नई दिल्ली। देश अग्रणी शैक्षणिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) को आईबीपीएस परिणाम में बड़ी सफलता हासिल हुई है। इस परीक्षा में 1000 से भी अधिक विद्यार्थी पास हुए। ऑनलाइन फिजिक्स वाला के सीईओ अतुल कुमार ने विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, इस परीक्षा अमित कुमार मंडल ने सबसे ज्यादा अंक हासिल किए। बैंकिंग क्षेत्र में जाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह परीक्षा अहम होती है। मंडल को पंजाब नेशनल बैंक में सबसे ज्यादा वेतन पर लिया गया है। जयदीप नरेंद्र सिंह नेगी और आकाश कुमार शर्मा को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में नियुक्ति मिली है। रितिक दास और आफताब भी पंजाब नेशनल बैंक को ज्वॉइन करेंगे। विवेक कुमार द्विवेदी को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में नियुक्ति मिली है। अतुल कुमार का कहना है, यह उपलब्धि हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत, हमारी फैकल्टी के समर्पण और सीखने के लिए हमारी इनोवेटिव अप्रोच के कारण संभव हो सकी है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर नकली एजेंट और यात्री अरेस्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने एक एजेंट और नकली पासपोर्ट पर यात्रा करने की कोशिश करने वाले यात्री को अरेस्ट किया है। यह एजेंट चेन्नई का है, जबकि यात्री कनाडा जाने की फिराक में था। जिसकी एजेंट से 20 लाख रुपए में डील हुई थी। आईजीआई एयरपोर्ट की डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि एयरपोर्ट पुलिस ने एक एजेंट को गिरफ्तार किया है, जो नकली पासपोर्ट बनवाकर लोगों को विदेश भेजता था। इस एजेंट का नाम प्रदीप है, जो चेन्नई का रहने वाला है। डीसीपी से मिली जानकारी के अनुसार, एयर कनाडा एयरलाइंस ने जानकारी दी कि एक यात्री जिसका नाम सफर सलमान है वह कनाडा जाने के लिए चेकिंग क्लीयरेंस मांग रहा है। एयरलाइन के कर्मचारियों को उस यात्री के दस्तावेज और पासपोर्ट पर लगे फोटो जो उस यात्री से मेल नहीं खा रहे थे। देखने पर शक हुआ और यात्री को इंतजार करने के लिए कहा गया। थोड़ी देर में वह यात्री वहां से फरार हो गया।

जांच के दौरान पता चला कि यात्री एयरपोर्ट पर दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाली फ्लाइट की डोमेस्टिक टिकट के आधार पर एयरपोर्ट में प्रवेश किया था। इसमें उसका नाम थंगप्पा विजय कुमार था, जबकि पासपोर्ट दूसरे के नाम पर था। पुलिस की जांच जब आगे बढ़ी तो पता चला कि असली पासपोर्ट होल्डर पर उसकी लास्ट अराइवल अक्टूबर 2023 की थी और इस पर लगा स्टांप भी नकली लग रहा था। साथ ही जांच के दौरान यह बात भी साफ हो गई कि उस पासपोर्ट का असली हकदार जो सितंबर 2023 में कनाडा गया था वह अब तक लौटा नहीं है और उस का पासपोर्ट ही आरोपी ने किसी तरह से हासिल कर लिया।

इस संबंध में पुलिस में अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। आरोपी यात्री ने एयरलाइंस में अपना एक मोबाइल नंबर दिया था और उसके मोबाइल के जरिए टेक्निकल सर्विलांस के माध्यम से यह पता लगा कि वह करोल बाग के एक होटल में रुका था। पुलिस टीम को उस होटल से उस यात्री यानी आरोपी का चेन्नई का पता मिल गया और उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसका भतीजा कनाडा में रहता है और वह भी कनाडा में नौकरी करने के लिए जाने की कोशिश कर रहा था और इस जुगाड़ में एक एजेंट जिसका नाम प्रदीप बताया गया है कि संपर्क में आया और उसने कनाडा का पासपोर्ट बनाने के लिए 20 लाख रुपए की मांग की। आरोपी ने बताया कि उसने ढाई लाख एजेंट प्रदीप के अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया और बाकी पैसे कनाडा पहुंचने के बाद ट्रांसफर कर देगा।

इसके बाद इस एजेंट को सफर सलमान के नाम पर नकली पासपोर्ट बनाया, लेकिन पकड़ा गया। एजेंट ने बताया की बस चेन्नई में लोगों के पासपोर्ट बनवाकर विदेश भेजने का काम कर रहा है। पुलिस एजेंट प्रदीप से पूछताछ कर रही है कि अब तक उसने कितने लोगों को और किन-किन देशों में नकली पासपोर्ट के जरिए भेजा। साथ ही डीसीपी ने लोगों को आगाह किया कि वह विदेश जाने के लिए वैध एजेंट से ही संपर्क करें और ऐसे नकली एजेंट से बचें।

केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका, गिरफ्तारी को गैर कानूनी ठहराने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि याचिका जमानत के लिए नहीं है। याचिका में याचिकाकर्ता ने हिरासत को गलत बताया है। फैसला सुनाते हुए जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा ने याचिका को खारिज कर दिया। वहीं, आम आदमी पार्टी के सूत्रों से खबर मिल रही है कि ह्यआपह्न हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं है। केजरीवाल हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ कल ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने तीन अप्रैल को लंबी दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने कहा हमारा मानना है कि न्यायाधीश कानून से बंधे हैं, राजनीति से नहीं। फैसले कानूनी सिद्धांतों के आधार पर दिए जाते हैं, राजनीतिक विचारों के आधार पर नहीं। अदालत राजनीति के दायरे में नहीं जा सकती। अदालत ने ट्रायल कोर्ट के बाद के रिमांड आदेशों को भी बरकरार रखा, जिसमें वह आदेश भी शामिल था जिसके माध्यम से केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर कहा इस अदालत की राय है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी और रिमांड की जांच कानून के अनुसार की जानी चाहिए, न कि चुनाव के समय के अनुसार केजरीवाल को लोकसभा की तारीखों के बारे में पता होगा, उन्हें पता होगा पता है चुनाव कब होंगे। उन्होंने ईडी द्वारा पेश सामग्री को देखने के बाद कहा ईडी द्वारा एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि अरविंद केजरीवाल ने साजिश रची थी और अपराध की आय के उपयोग और छिपाने में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी के मामले से यह भी पता चलता है कि वह अपनी व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ आप के संयोजक के रूप में भी शामिल है।

इस तर्क को खारिज करते हुए कि मुख्यमंत्री से ईडी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पूछताछ की जा सकती थी न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा यह तय करना आरोपी का काम नहीं है कि जांच कैसे की जानी है। यह आरोपी की सुविधा के अनुसार नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री सहित किसी के लिए कोई विशिष्ट विशेषाधिकार नहीं हो सकता है। केजरीवाल को 21 मार्च को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021 से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया।

इसके बाद उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अपनी याचिका में, केजरीवाल ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एक गैर-स्तरीय खेल का मैदान बनाने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का दुरुपयोग कर रही है - जिसके तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया था। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी प्रक्रिया को केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) के पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है, जो वित्त मंत्रालय के माध्यम से ईडी को नियंत्रित करती है।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी वैध- एएसजी एसवी राजू दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय का प्रतिनिधित्व कर रहे एएसजी एसवी राजू ने कहा, ह्यआज जज ने सभी सबूत देखने के बाद फैसला सुनाया और कोर्ट ने भी कहा उस मनी ट्रेल का पता चल गया है। कोर्ट ने आज न्याय किया है और कोर्ट ने कहा है कि सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी वैध है। आप का अहंकार हुआ चकनाचूर- राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ह्यआम आदमी पार्टी का अहंकार चकनाचूर हो गया है। अरविंद केजरीवाल का स्वघोषित ईमानदार चरित्र तथ्यों और सबूतों से भी चकनाचूर हो गया है।

सीएम पद से हटाने वाली याचिका पर हाईकोर्ट लगा चुका है फटकार

हाईकोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पद से हटाने की मांग को लेकर याचिका दायर करने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के एक पूर्व विधायक संदीप कुमार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा इसी मुद्दे पर पहले ही दो याचिकाएं खारिज की गई हैं और यह मात्र प्रचार पाने के लिए है।

शैलपुत्री पूजन के साथ 120वा नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ

स्वामी राजेश्वरानंद जी द्वारा पूर्ण नवरात्र मौन धारण

नई दिल्ली। शाहदरा गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में 120वा नवरात्र महोत्सव का विधिवत रूप से शुभारंभ हो गया। संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में सर्व प्रथम प्रथम मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा अर्चना की गई ।जोकि हरियाली खुशहाली का प्रतीक है। मां की साधना से साधक की संकल्प शक्ति को मजबूत करती हैं। संस्थान के महापुरुषों द्वारा वैदिक मंत्रोचारण से चंडी यज्ञ में आहुतियां अर्पित की गई ।तत्पश्चात स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा जय देवा भजन मंडल के साथ मातृ गुणगान किया गया ।इसके बाद मंदिर गर्भगृह स्थित पवित्र गुफा में खुशहाली का प्रतीक खेत्री बिजन किया गया। अखंड ज्योत प्रचंड करने के साथ ही स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा जन कल्याण विश्व शांति की भावना हेतु पूर्ण नवरात्र मौन व्रत साधना का शुभारंभ हो गया ।संस्थान की ओर से अन्न के अलावा व्रत धारियों के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई है ।कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से दुर्गा चालीसा के पाठ से हुआ जिसका विशेष महत्व बताया गया। इस अवसर पर भक्तों को संदेश देते हुए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा नवरात्र शक्ति की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि नवरात्र में अन्न त्याग का व्रत करने के साथ अधिक से अधिक भजन करने का व्रत करना चाहिए ।अन्न त्याग से मन पर नियंत्रण होता है तो दूसरी ओर भजन करने से आत्मबल बढ़ता है। जिसका आत्मबल मजबूत होता है वह बड़ी से बड़ी दुःख तकलीफों को हवा के झोंके के समान व्यतीत कर सकते हैं।

विश्व होमियोपैथिक दिवस के मौके पर निगम मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय में आज विश्व होमियोपैथिक दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि होम्योपैथी के जनक डॉक्टर सैमुअल हेनेमैन का जन्म दिवस प्रति वर्ष 10 अप्रैल को विश्वभर में होमियोपैथिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। दिल्ली नगर निगम में, पहली बार आयुष विभाग द्वारा यह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर नेशनल कमीशन होम्योपैथी के अध्यक्ष, डॉ अनिल खुराना मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होनें होम्योपैथी में हो रही नए-नए अनुसंधान और शोध के विषय में बताया। उनके अलावा निदेशक आयुष डॉ. मुजेयन्ना खातून, अतिरिक्त निदेशक डॉ सुजाता, सी एम ओ, एन एफ एस जी, डॉ मंजीत कौर, अतिरिक्त निदेशक (आयुर्वेद) डॉ ललित तथा ओ आई पी एस, आयुर्वेद, डॉ सत्या डोनेला सहित आयुष विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर और अधिकारी मौजूद थे। आयुष विभाग के निदेशक, डॉ मुजेयन्ना खातून ने बताया कि जर्मन फिजिशियन स्कॉलर सैमुअल हैनीमैन को होम्योपैथी का संस्थापक माना जाता है और उन्ही के जन्मदिवस के मौके पर ये दिवस बनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य होम्योपैथिक दवाओं के उपचार के बारे में लोगों को बताना है। उन्होंने बताया कि होम्योपैथी एक ऐसी मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति है जिसका तेजी से विश्व में प्रचार-प्रसार हो रहा है तथा आज होम्योपैथी विश्व भर में दूसरी सबसे प्रचलित चिकित्सा पद्धति है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा सैमुअल हेनीमैन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर सैमुअल हेनीमैन के जीवन और उनके शोध पर एक प्रेजेंटेशन भी दिखाई गई।

कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला को भेजा समन

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को जारी नोटिस में उपस्थित न होने पर समन जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 20 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया है। अदालत ने धारा 50, पीएमएलए व अन्य धाराओं के तहत दायर ईडी की हालिया शिकायत पर संज्ञान लिया। आरोप है कि अमानतुल्ला खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करते हुए मानदंडों और सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से विभिन्न लोगों की भर्ती की। ईडी ने आरोप लगाया है कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती से नकद में बड़ी रकम अर्जित की और उसे अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने के लिए निवेश किया।

जगदीप सिंह काहलों के नेतृत्व में पश्चिमी दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के समर्थन में विशाल मीटिंग आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों के नेतृत्व में सिख संगत द्वारा पश्चिमी दिल्ली से भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के समर्थन में विशाल मीटिंग आयोजित करके लोगों को उनके पक्ष में वोट भुगताने की अपील की गई। इस मीटिंग में बड़ी संख्या में सिख संगत ने भाग लिया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए कमलजीत सहरावत ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि सिख समुदाय द्वारा उनका समर्थन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा देश के लिए अनेक कार्य किए गए है विशेष तौर पर सिखों के लिए बहुत कुछ किया है जिसके चलते सिख समाज प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि एक तरफ विपक्ष है जिसके पास कोई सिद्धांत नहीं है जिस आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप लगाए अब उसी कांग्रेस से हाथ मिला रही है, ऐसे दोगले लोग कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। लेकिन पीएम मोदी जो कहते हैं वो करते हैं। उन्होंने कहा कि सिख समाज की कई मांगें पूरी की गई हैं लेकिन कुछ अभी भी बाकी हैं जिन्हें लेकर वह सरकार से संपर्क कायम करेंगी तथा शेष रहते मसलों के उचित समाधान के लिए अग्रणी रूप से काम करूंगी। इस मौके पर बोलते हुए सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि पश्चिमी दिल्ली में सिखों की बड़ी आबादी है, जिन्हें यह समझने की जरूरत है कि एक तरफ वह पार्टी है जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिखों को सम्मान दिया, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण कर सिखों की वर्षों पुरानी मांग पूरी की, गुरु तेग बहादुर साहिब जी का प्रकाश पर्व राष्ट्रीय स्तर पर मनाई, साहिबजादों की शहादत के इतिहास को घर-घर पहुंचाया गया वहीं दूसरे ऐसे दल हैं जिनमें से एक ने सिखों का नरसंहार किया व दूसरे इनके साथ हाथ मिलाए हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि हम आने वाले समय में और भी बड़ी बैठकें करेंगे। इस मौके पर अन्य लोगों के अलावा दिल्ली कमेटी के उपाध्यक्ष आत्मा सिंह लुबाना, सदस्य गुरमीत सिंह भाटिया, हरजीत सिंह पप्पा, दलजीत सिंह सरना, रमनदीप सिंह थापर, पूर्व सदस्य इंदरजीत सिंह मोंटी, कंवलजीत सिंह जॉली समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लोधी कॉलोनी और तिगड़ी से शराब तस्कर पकड़े

कार और बाईक के साथ 1200 क्वार्टर शराब जब्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

साउथ डिस्ट्रिक्ट के नारकोटिक्स स्क्वाड और तिगड़ी थाना की पुलिस टीम ने शराब तस्करी की मामले का खुलासा करते हुए 1200 क्वार्टर शराब का बरामद किया है। इस मामले में कार और मोटरसाइकिल को भी जप्त किया गया है। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि इन शराब तस्कर के बारे में सूचना मिली थी। जिसके आधार पर अलग-अलग जगह से इनको पकड़ा गया।

पहले मामले में पुलिस टीम को सूचना मिली कि प्रभु मार्केट लोदी कॉलोनी के पास शराब की यह खेत आने वाली है वहां पर पुलिस ने ट्रैप लगाकर कर को पकड़ा चेकिंग की गई तो 16 कार्टून उसमें से ब्राह्मण किए गए जिसमें 8000 क्वार्टर निकले उसके खिलाफ लोधी कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया।

दूसरे मामले में तिगरी थाना की पुलिस ने नाहरी बाबा मंदिर के पास ट्रैप लगाया और वहां पर आरोपी को ट्रैक किया गया। उसके पास से आठ कार्टून शराब बरामद किया गया। जिसमें 400 क्वार्टर मिला। उसकी पहचान राहुल उर्फ विलास के रूप में हुई उसके खिलाफ तिगड़ी थाना में मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

बाहर से गांजा लाकर करता था रघुबीर नगर में सप्लाई

पश्चिमी जिला के एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड की पुलिस टीम ने तीन गांजा तस्करों को रघुबीर नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। इनके पास से साढ़े पांच किलो से ज्यादा फाइन क्वालिटी का गांजा भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गोविंदा स्वामी, मदन भारती और पवन के रूप में हुई है। यह लोग रघुवीर नगर और विष्णु गार्डन इलाके के रहने वाले हैं।

डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि इनके बारे में एक इनफार्मेशन मिली थी कि यह लोग बाहर से गांजा की खेप लाते हैं। रघुवीर नगर के टीसी कैंप इलाके में रखकर आगे उसे सप्लाई करते हैं। एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर अनुज यादव, एस आई मनीष कुमार और राजेंद्र प्रसाद की टीम ने वहां पहुंचकर रेड किया। तीन लोगों को वहां से पकड़ा गया। पुलिस को उस जगह पर पैकिंग मैटेरियल के समान और काफी संख्या में छोटे-छोटे पाउच और संदिग्ध पदार्थ मिले। टेस्टिंग किट से जब जांच की गई तो गांजा की पुष्टि हुई। पुलिस ने गांजा, प्लास्टिक पाउच और पैकिंग मैटेरियल को जप्त कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ राजौरी गार्डन थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया। आगे की पूछताछ में पता चला कि गोविंद स्वामी पहले से तीन आपराधिक मामलों में शामिल है। बाकी की कार्रवाई की जा रही है।

आप का जेल का जवाब वोट से कैंपेन शुरू, कार्यकर्ता घर-घर पहुंचा रहे केजरीवाल का संदेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पूर्वी दिल्ली लोकसभा से जेल का जवाब वोट से कैंपेन की शुरूआत कर दी। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने पूर्वी दिल्ली के शहादरा के विश्वास नगर से इसकी शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर बताया कि भाजपा ने कैसे साजिश के तहत सीएम अरविंद केजरीवाल को जेल भेज दिया है, ताकि वो चुनाव प्रचार न कर सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता केजरीवाल को जेल भेजने से दुखी है। जनता ने संकल्प लिया हैं कि केजरीवाल को जेल भेजने का जवाब वोट से देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने तानाशाही रवैया दिखाते हुए केजरीवाल को जेल में डालकर चुनाव प्रचार से रोक दिया है, लेकिन हम केजरीवाल बनकर उनका संदेश घर-घर पहुंचाएंगे। अपने चहेते मुख्यमंत्री को जेल भेजने से आक्रोशित दिल्ली की जनता का कहना है कि हमारा आशीर्वाद केजरीवाल के साथ हैं। हमने केजरीवाल को मुख्यमंत्री चुना है और वो ही हमारे मुख्यमंत्री रहेंगे। पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से कैंपेन की शुरूआत कर आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री को मोदी सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया। आज दिल्ली के मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार नहीं कर सकते। इसलिए अरविंद केजरीवाल की तरफ से संदेश लेकर मंगलवार से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता डोर टू डोर अभियान के तहत घर-घर जा रहे हैं। हर कार्यकर्ता लोगों को संदेश दे रहा है कि जबसे दिल्ली के लोगों ने अपनी वोट की ताकत से अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया है, तब से उन्होंने दिल्ली के लोगों को 24 घंटे मुफ्त बिजली दी, मुफ्त पानी दिया। स्कूल और अस्पतालों को बेहतर किया। महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था की। बुजुर्गों के लिए तीर्थयात्रा की व्यवस्था की। इस बार के बजट में दिल्ली की महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये देने की व्यवस्था की। दिल्ली के लोगों के लिए अरविंद केजरीवाल ने काम किया। इसलिए उनको वोट देकर जनता ने चुना। लेकिन मोदी सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। इसलिए उनके गैरकानूनी गिरफ्तारी के विरोध में इस अभियान की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली के लोग चाहते हैं कि काम करने वाला मुख्यमंत्री जेल से बाहर आएं तो लोगों के पास एक ही रास्ता है कि जेल का जवाब वोट से दें, झाड़ू की चोट से दें। इसलिए आज से दिल्ली में हर जगह यह नारा गूंजेगा कि झाड़ू की चोट से, जेल का जवाब वोट से। इस डोर टू डोर अभियान के तहत हम लोग अरविंद केजरीवाल बनकर घर-घर जाएंगे। जिन लोगों के लिए अरविंद केजरीवाल ने काम किया है। वही लोग इस चुनाव में अब उनके लिए काम करेंगे। यही इस डोर टू डोर अभियान का मकसद है।

गोपाल राय ने कहा कि मैंने अरविंद केजरीवाल के जेल जाने को लेकर जिन भी लोगों से बातचीत की, वो सभी लोग दुखी हैं। उनका कहना है कि हमने जिसको मुख्यमंत्री बनाया, उनको चुनाव के मौके पर जेल में क्यों डाल दिया? सभी ने यह वादा किया है कि चुनाव में इसका जवाब देंगे। वोट ही जनता की ताकत है और हमको लगता है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद लोगों का उनके प्रति भावनात्मक जुड़ाव और अधिक बढ़ा है। इस बार सभी लोग मिलकर इस तानाशाही को हराएंगे और अरविंद केजरीवाल को जेल से बाहर लाएंगे।

युगों-युगों से चली आ रही है भारतीय नव वर्ष मनाने की परंपरा : नंदकुमार

नई दिल्ली । प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक जे. नंदकुमार ने मंगलवार को भारतीय नववर्ष का स्वागत करते हुए कहा कि यह भारतीय नव वर्ष मनाने की परंपरा कोई नवीन परंपरा नहीं है। यह परंपरा युगों-युगों से चली आ रही है। संस्कार भारती, दिल्ली प्रांत द्वारा नव वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर सूर घाट, दिल्ली पर ह्यभारतीय नव वर्ष उत्सव, विक्रमी संवत 2081 बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विशिष्ट वक्तव्य देते हुए नंदकुमार ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति अत्यंत प्राचीन है। इसका अनुकरण हर सनातनी को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्कृति का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं पद्मश्री नलिनी कमलिनी ने संक्षिप्त उद्बोधन देते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

विशिष्ट अतिथि सांसद मनोज तिवारी ने एक भजन प्रस्तुत किया और इस कार्यक्रम के संयोजकों को बहुत-बहुत बधाई देते हुए कहा कि वास्तव में नव वर्ष हम सभी भारतीयों का उत्सव है, इसे हमें अवश्य मनाना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रसिद्ध संतूर वादक अभय सोपोरी और उनके साथियों द्वारा अत्यंत मधुर ध्वनि से संतूर वादन किया गया। अन्य कार्यक्रमों में भजन गायन हुआ तथा नृत्य प्रस्तुति और काव्य पाठ भी हुआ। सूर्योदय के समय उपस्थित सभी धर्म अनुरागी बंधुओं ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और दीपदान किया।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शुद्धि पत्र संख्या 1 खुली निविदा सूचना संख्या 32/2023–24

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा टेंडर नं. (i) 30-Elect/T-50/2023-24 (ii) 30-Elect/T-51/2023-24 (निविदा नोटिस संख्या 32/2023–24 दिनांक 28.03.2024) उपरोक्त खुली निविदाओं को खोलना प्रशासनिक तकनीकी कारणों से रद्द किया जाता है। खुली निविदा संख्या: 30-Elect/T-52/2023-24 का खुलना यथावत रहेगा।

सं.: No.: 30-Elect/T/Notice/32/2023-24(Corr) दिनांक: 08.04.2024 1033/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान: भाग–बी: दिल्ली डिवीजन के प्रदूषित क्षेत्रों में जीर्णशीर्ण कैंटिलीवर असेंबलियों के प्रावधान के संबंध में जीजेडबी और जेडीडब्ल्यू अनुभाग की जीर्ण–शीर्ण कैंटिलीवर असेंबलियों का प्रतिस्थापन।	
2	अनुमानित लागत	Rs. 96,40,167.05/-
3	बयाना राशि	Rs. 1,92,800/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	18.04.2024 (10.30 बजे) से 02.05.2024 (15.00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	02.05.2024 (15.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	Cap (20366203)
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या : 05-क.वि.-नई दिल्ली-2024-25 दिनांक : 08.04.2024 1042/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रूपये	अग्रिम धन रूपये	निविदा फॉर्म की लागत रू
1.	SNT-Slg-ROB-342-2023-24 यूटिलिटी शिफ्टिंग इन केनक्शन विथ ROB कंस्ट्रक्शन वर्क एट ROB 342 विटवीन स्टेशन मीरानपुर कटरा एंड बीलपुर इन सेक्शन मुरादाबाद–लखनऊ	2032527.73	40700.00	Nil
	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलन के लिए अंतिम तिथि और समय	30.04.2024 15:00 hrs.		

नोटः निविदा के पूरा विवरण www.ireps.giv.in पर देखा जा सकता है। सं.: SNT-Slg-ROB-342-2023-24 दिनांक: 08.04.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1036/24

असम में भी केजरीवाल- मार्घेरिटा, डिब्रूगढ़ में आप की जनसभा को मिला लोगों का जबरदस्त समर्थन, लोगों ने कहा इस बार असम में भी केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी द्वारा मार्घेरिटा, डिब्रूगढ़ में आयोजित जनसभा को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला। यहाँ वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने डिब्रूगढ़ से आप लोकसभा प्रत्याशी मनोज धनोवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर आतिशी ने कहा कि, डिब्रूगढ़ की सीट आम आदमी पार्टी जीत रही है क्योंकि पूरे असम में डिब्रूगढ़ ही ऐसी सीट है जहां अमित शाह, नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार करने आ रहे है क्योंकि उन्हें यहाँ आम आदमी पार्टी से डर लग रहा है।

उन्होंने कहा कि, भाजपा डबल इंजन की सरकार की बात करती है। पिछले कुछ सालों से केंद्र और असम दोनों में उनकी सरकारें है। इसके बावजूद भाजपा ने असम के लोगों से जो वादा किया था उन्हें पूरा नहीं किया बल्कि उसके उलट इनलोगों ने पिछले कुछ सालों में लगभग 8000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए।

आतिशी ने कहा कि, अगर सरकारी स्कूल बंद हो गये तो गरीबों के बच्चे, आम लोगों के बच्चे कहाँ पढ़ने जाएँगे? इन्होंने सरकारी स्कूलों का बँटवार कर दिया। वहाँ स्कूलों में टीचर नहीं है, टेबल कुर्सी नहीं है, पढ़ाई नहीं होती है। इसलिए गरीब इंसानों को अपना पेट काटकर अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में भेजना पड़ता है। जबकि अरविंद केजरीवाल जी ने वादा किया था कि, सरकारी स्कूलों को प्राइवेट से बेहतर बनायेंगे। अरविंद केजरीवाल जी के वादे गारंटी होते है। वो मोदीजी की तरह जुमले नहीं होते। अपने वादों को निभाते हुए पिछले 10 सालों में अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से बेहतर बना दिया है। जहां असम में आम लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों से निकाल-निकालकर प्राइवेट स्कूलों में भेज रहे है। वही दिल्ली के लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों से निकालकर सरकारी स्कूलों में भेज रहे है। पिछले 3 साल में 4 लाख से ज्यादा बच्चों ने प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर दिल्ली सरकार के स्कूलों में अपना नाम लिखवाया है। ये अरविंद केजरीवाल जी की सरकार है।

आतिशी ने कहा कि, आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों से निकलने वाले बच्चों का एडमिशन आईआईटी में, मेडिकल कॉलेजों में, देश के सबसे बड़े कॉलेजों में होता है। तो अगर असम में लोग चाहते है कि उनके बच्चों को बेहतर भविष्य मिले तो आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जी ही ऐसे व्यक्ति है जो ऐसा कर सकते है। उन्होंने कहा कि, भाजपा वादा करती है कि आयुष्मान भारत से अच्छा इलाज देंगे। जहां भी इलाज करवाओगे उसका पैसा देंगे। आतिशी ने सवाल करते हुए कहा कि, ऐसी योजना का क्या लाभ जब ये अस्पताल ही नहीं बनवाते है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आयुष्मान भारत के नाम पर गरीब लोगों को धोखा देने का काम किया है।

आतिशी ने कहा कि, अभी इसकी रिपोर्ट आई जिससे पता चला कि इस योजना में लाखों करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ। घोटाला ऐसा कि हजारों लोगों को इलाज का पैसा मिला लेकिन मरने के बाद, लोगों की सर्जरी हुई डिस्चार्ज के डेट के बाद। आयुष्मान भारत के नाम पर भाजपा ने चोरी की और आम लोगों को ऐसे खस्ताहाल अस्पताल-डिस्पेंसरी दिए जहां डॉक्टर नहीं है, नर्स नहीं है, दवाइयाँ नहीं है।

इसके उलट दिल्ली में केजरीवाल जी ने दिल्ली के लोगों को मोहल्ला क्लिनिक दिए। जहां लोगों के घरों के पास एसिब क्लिनिक होते है, एमबीबीएस डॉक्टर होते है, सारी दवाइयाँ फ्री होती है, लोगों का इलाज फ्री होता है, सारे टेस्ट फ्री होते है। आज दिल्ली सरकार के अस्पतालों में चाहे इलाज का लाखों का खर्च आये, सारा पैसा सरकार देती है, लोगों को एक रुपया तक नहीं देना होता।

आतिशी ने कहा कि, अगर असम के लोग शानदार अस्पताल चाहते है, फ्री में अच्छा इलाज चाहते है तो वे उन्हें सिर्फ आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल जी की पार्टी ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि, भाजपा ने वादा किया था कि, चाय के बागान में काम करने वाले लोगों का हजारा 250 रुपये से बढ़ाकर 351 रुपये करेंगे। लेकिन भाजपा के सारे वादों की तरह ये भी एक जुमला था। आतिशी ने कहा कि, मैं अरविंद केजरीवाल जी की तरफ से, आम आदमी पार्टी की तरफ से गारंटी देती हूँ कि इस बार डिब्रूगढ़ से आम आदमी पार्टी को जिताइए, हम के बागान में काम करने वाले लोगों का हजारी बढ़ाकर 450 रुपये करेंगे।

आतिशी ने कहा कि, पूरे देश में आज श्रमिकों को सबसे ज्यादा पारिश्रमिक कही मिलता है तो वो दिल्ली में मिलता है। जब केजरीवाल जी मुख्यमंत्री बने उन्होंने दिल्ली में न्यूनतम वेतन बढ़ाया, भाजपा ने इसे रोकने की भरसक कोशिश की लेकिन केजरीवाल जी कोर्ट में जाकर लोगों के हक में आदेश लेकर आए। उन्होंने कहा कि, मोदीजी एक और वादा करके गये थे कि चाय आदिवासियों को जनजाति का दर्जा देंगे। लेकिन ये भी जुमला साबित हुआ। केंद्र और राज्य दोनों में इनकी सरकारें है लेकिन अगर उन्हें चाय आदिवासियों को जनजाति का दर्जा देना होता तो अबतक दे चुके होते। ये लोग बार बार आते है, झूठे वादे करके चले जाते है। आतिशी ने कहा कि, भाजपा सिर्फ तोड़ने के लिए वादे करती है। 2014 में मोदी जी ने असम के लोगों से वादा किया था कि, अगर भाजपा की सरकार बनी तो असम में रहने वाले सभी विदेशी अपना बोरिया-बिस्तर बांधने के लिए तैयार रहे। और अब ये कह रहे है कि सीएए लेकर आयेंगे, उन्हें भारत का नागरिक बनायेंगे। ये लोग चाय के बागानों में रहने वाले लोगों को माटीपट्टा देने को तैयार नहीं है लेकिन विदेशियों को माटीपट्टा भी देंगे

गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और हिरासत में भेजने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने ईडी की इस दलील पर गौर किया कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत थे। कोर्ट ने कहा, हमारे सामने रखी गई फाइलें और सबूत से पता चलता है कि ईडी ने कानून का पालन किया है। ट्रायल कोर्ट का आदेश दो लाइन का आदेश नहीं है। ईडी के पास हवाला डीलरों के साथ-साथ गोवा चुनाव में आप उम्मीदवारों के बयान भी हैं। पिछले हफ्ते ईडी ने केजरीवाल की याचिका पर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया था।

दिल्ली में धरने पर बैठे टीएमसी नेताओं को मिला आप नेता सौरभ भारद्वाज का साथ

- मगर, जिस तरह से बंगाल और देश के अन्य भागों में रोज विपक्षी दलों के नेताओं पर ईडी, एनआईए और इनकम टैक्स के छापे मारे जा रहे हैं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

इन दिनों नई दिल्ली में राजनीतिक पारा अपने चरम पर पहुंचा हुआ है। दरअसल, दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस सांसदों का हाईवोल्टेज ड्रामा जारी है। मंदिर मार्ग थाने में टीएमसी के पांच सांसद बैठे हैं। सांसदों का दावा है कि उन्हें हिरासत में रखा गया है, लेकिन पुलिस इससे साफ इनकार कर रही है।

इस बीच, दिल्ली सरकार के मंत्री और आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज सांसदों से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सेंट्रल एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। सौरभ भारद्वाज ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि पहले तो हमें टीएमसी के सांसदों से मिलने नहीं दिया जा रहा था। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि जिस तरीके से बंगाल में और देश के अन्य भागों में रोज विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर कभी ईडी, एनआईए, आईटी के छापे डाले जा रहे हैं, इससे साफ है कि केंद्र सरकार चाहती है कि विपक्षी पार्टियों को इस चुनाव में बिल्कुल चुप करा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि देश में आम चुनाव घोषित हो रखे हैं। आचार संहिता लगी हुई है। सारी एजेंसियां और सारा सरकारी तंत्र चुनाव आयोग के अधीन आना चाहिए। मगर, जिस तरह से बंगाल और देश के अन्य भागों में रोज विपक्षी दलों के नेताओं पर ईडी, एनआईए और इनकम टैक्स के छापे मारे जा रहे हैं, बंगाल में पुराने मामले खोले जा रहे हैं। केंद्र सरकार चाहती है कि विपक्षी दलों को चुप कराकर घर बैठा दें। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि टीएमसी के सांसद दिल्ली के थाने में बंद हैं। ये पूरी तरह से तानाशाही है। इनकी मांग है कि चार एजेंसियों ने तांडव मचा रखा है, इनके प्रमुख बदले जाएं। कनॉट प्लेस में बीजेपी ने प्रदर्शन किया। उसके लिए किससे परमिशन ली।

दिल्ली के मुंडका इलाके में फैक्टरी में भीषण आग

- उधर, मध्य दिल्ली के जीबी रोड इलाके में सोमवार देर रात एक इमारत में भी आग लगने की घटना हुई थी।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुंडका इलाके में आज दोपहर एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई है। दिल्ली अग्नि शमन विभाग के अनुसार आग की सूचना मिलने के बाद दमकल की 26 गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गई हैं। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। उधर, मध्य दिल्ली के जीबी रोड इलाके में सोमवार देर रात एक इमारत में भी आग लगने की घटना हुई थी। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि वहां पर दमकल की 14 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारी ने कहा कि आग लगने का कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

आम आदमी पार्टी का जेल का जवाब वोट से कैंपेन शुरू, घर-घर पहुंच रहे हैं आप नेता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने जेल का जवाब वोट से कैंपेन की शुरूआत की है। आप नेता इस अभियान के जरिए घर-घर जाकर दिल्ली सरकार के काम गिनवा रहे हैं और अरविंद केजरीवाल का संदेश भी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कैंपेन की शुरूआत करते हुए कार्यकताओं को जनता के बीच पहुंचने की अपील की। उन्होंने जेल का जवाब वोट से स्लोगन के साथ अरविंद केजरीवाल के संदेश का पर्चा भी लोगों के बीच बांटा।

गोपाल राय ने कहा, आज से आम आदमी पार्टी घर-घर अभियान शुरू कर रही है, हम घर-घर जा रहे हैं और लोगों तक अरविंद केजरीवाल का एक ही संदेश पहुंचा रहे हैं कि आज आपके मुख्यमंत्री जेल में हैं और वो प्रचार नहीं कर सकते। इसलिए जिस दिल्ली के लोगों के लिए अरविंद केजरीवाल ने काम किया, उन्हीं लोगों को आज मोर्चा संभालना पड़ेगा। जेल का जवाब वोट से देंगे तभी अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे। यही संदेश लेकर हम आज घर-घर जा रहे हैं और पूरी दिल्ली के अंदर डोर-टू-डोर कैंपेन शुरू कर रहे हैं।

गोपाल राय ने आगे कहा कि वो लोगों के बीच अरविंद केजरीवाल का संदेश लेकर जाएंगे। आप के मुख्यमंत्री जेल में हैं। 25 मई को दिल्ली की जनता जेल का जवाब अपने वोट से देगी। बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर आएं और वोट करें तभी अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे।

33वीं पुण्यतिथि पर हिंदी पत्रकारिता जगत के दैदिप्यमान नक्षत्र स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ एवं राजधानी स्वतंत्र पत्र लेखक मंच दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री दयानंद वत्स ने आज संघ के मुख्यालय बरवाला में हिंदी पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर, दूरदर्शी और यशस्वी संपादक स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर की 33वीं पूण्यतिथि पर स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर को उनके करोड़ों चाहने वालों की और से अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर हिंदी पत्रकारिता जगत के दैदिप्यमान नक्षत्र थे। एक दूरदर्शी ईमानदार और यशस्वी संपादक के रुप में उनकी छवि हिंदी पत्रकारिता जगत में सदैव अमर रहेगी। नई दुनिया और नवभारत टाइम्स के संपादक रहते हिंदी पत्रकारिता को जिन बुलंदियों पर राजेंद्र माथुर ने पहुंचाया वह अनुकरणीय है। एक व्यस्त संपादक होने के बावजूद वह संपादक के नाम आए पाठकों के पत्र स्वयं पढते थे और उन्हें संपादित भी करते थे तथा उन पत्र लेखकों को उनके नामों से जानते भी थे। संपादक के नाम पत्र लिखने वाले पत्र लेखकों का राजेंद्र माथुर बहुत सम्मान करते थे। उन दिनों एक पत्र लेखक के रुप में ही मेरा परिचय राजेंद्र माथुर साहब से हुआ था जो आजीवन रहा। कोई भी पाठक उनसे सीधे मिल लेता था। उनका मृदु और सौम्य स्वभाव, मिलनसारिता सबका मन मोह लेते थे। पत्रकारिता के छात्र स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर के विराट व्यक्तित्व एवं कर्मयोगी कृतित्व से प्रेरणा

ले सकते हैं। हिंदी पत्रकारिता जगत में संपादक के पद का जो सम्मान स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर को मिला वह विरलों को ही नसीब होता है। उन्होंने पत्रकारों की नई पीढ़ी तैयार की। वत्स ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता जगत में स्वर्गीय श्री राजेंद्र माथुर का नाम सदैव अमर रहेगा।

पेट्रोलिंग पुलिस टीम ने रोका तो डंडा और चाकू से हमला

सरोजनी नगर पुलिस ने चाकू और डंडा छीना भेजा जेल

सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने दो ऐसे ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जो पेट्रोलिंग टीम के द्वारा रोकने पर अपने साथ रखे डंडे और चाकू से हमला कर दिया था। इनके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, डंडा और चाकू बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संदीप कुमार मंडल उर्फ कालू बादशाह और सुजीत कुमार मंडल के रूप में हुई है। डीसीपी साउथ वेस्ट रोहित मीणा ने बताया की पुलिस टीम ने संदीप और सुजीत को गिरफ्तार करके सरिता विहार, वसंत कुंज साउथ, आरके पुरम और सरोजिनी नगर के चार मामलों का खुलासा किया है। इन दोनों को सफदरजंग एनक्लेव एसीपी रणवीर सिंह की देखरेख में एसएचओ रुपेश कुमार की पुलिस टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान संदेह होने पर पालिका मार्केट के पास रोका था। उन्होंने भागने के लिए चाकू और डंडे से पुलिस टीम पर हमला किया। लेकिन अपने आपको बचाते हुए पुलिसकर्मियों ने इन्हें वहीं पर धर दबोचा। हालांकि इस दौरान आपाधापी में एक पुलिसकर्मी को चोट भी लगी। फिर इन दोनों की पहचान की गई, चाकू और डंडा को पुलिस ने जप्त कर लिया। जिस मोटरसाइकिल से भागने की कोशिश कर रहे थे, जांच में वह सरिता विहार से चोरी की निकली। फिर इनकी निशानदेही पर दो और चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई।

दिल्ली के जीबी रोड इलाके में इमारत में लगी आग

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के जीबी रोड इलाके में सोमवार देर रात एक इमारत में भीषण आग लग गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सोमवार देर रात जीबी रोड इलाके में एक इमारत में आग लगने के संबंध में एक कॉल प्राप्त हुई। डीएफएस अधिकारी ने कहा, सूचना मिलने पर दमकल की 14 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारी ने कहा कि आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

सिर्फ सरोजनी नगर में घरों को बनाता है निशाना

24 वारदात को दे चुका अंजाम, 25 में फिर हुआ गिरफ्तार

घरों में सेंधमारी करने वाले दो बरग्लरों को सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मनीष उर्फ राजा और निखिल कुमार के रूप में हुई है। मनीष दिल्ली पुलिस का घोषित बेड करेक्टर है। पहले से 24 मामले उसपर चल रहे हैं, जो सरोजनी नगर के ही हैं। उनके पास चुराए गए सामान, मोबाइल, कैश आदि बरामद किया गया है। वारदात के 4 घंटे के अंदर पुलिस ने मामले का खुलासा कर लिया है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि एसएचओ रूपेश कुमार की देखरेख में हेड कांस्टेबल मोहित, शिवदयाल और कांस्टेबल अभी त्यागी की टीम ने इन दोनों को चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पता लगा करके गिरफ्तार किया और सामान बरामद किया। पुलिस ने बताया कि सेक्टर 13 में रहने वाली महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से कैश, मोबाइल इत्यादि चोरी कर लिया गया है। छानबीन की गई घर के बाहर गली में लगे सीसीटीवी से पता लगाना शुरू किया गया। उससे पुलिस को कुछ क्लू मिला और लोकल इनफॉरमेशन की मदद से फिर इनके बारे में पता लगाकर इन्हें पकड़ा गया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जीबी रोड कोठे पर आग, 7 कमरे रात में जलकर खाक

70 फायर कर्मियों ने पाया देर रात आग पर काबू

गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही है। ऐसा एक मामला बीती रात जीबी रोड इलाके में सामने आया है। जिसमें दो मंजिला कोठे पर आग लग गई। जिसकी चपेट में आकर सात कमरा जल गया। फायर कंट्रोल रूम को रात 10:50 के आसपास आग लगने की कॉल मिली थी। मौके पर एक-एक करके 14 गाड़ियां आग बुझाने के लिए भेजी गई। असिस्टेंट डिवीजन ऑफिसर सुमित तहलान और एसटीओ नवनीत को भी मौके पर भेजा गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 70 फायर कर्मियों की टीम ने देर रात आग पर काबू पाने में कामयाबी पाई। राहत की बात रही की इस हादसे में कोई घायल या हताहत नहीं हुआ। आग कैसे लगी थी इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। मौके से मिली जानकारी के अनुसार आग दो मंजिला मकान के फर्स्ट और सेकंड फ्लोर पर लगी थी। जब तक आग बुझी नही, वहां पर अफरातफरी का माहौल था।

फर्जी पुलिसवालों ने ज्वेलरी कर्मचारियों से लूटा 30 लाख का सोना

नई दिल्ली। उत्तरी नगर इलाके में ज्वेलरी कर्मचारियो से 30 लाख रुपये लूट का मामला सामने आया है। इस घटना की सूचना मौरिस नगर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। उत्तरी जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया कि 6 अप्रैल को करोल बाग से ज्वेलरी शोरूम के दो कर्मचारी अंकित और उसके सहयोगी मौरिस नगर होते हुए कैंप स्थित सहगल ज्वेलर्स पर डायमंड ज्वेलरी के पैकेट लेकर जा रहे थे। इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय इलाके में हंसराज कॉलेज के पास बाइक सवार दो लोगों ने कर्मचारियों को ओवरटेक कर पुलिस चेकिंग के नाम पर रोक लिया। जिन्होंने खुद को पुलिस स्टाफ बताते हुए उनके बैग की चेकिंग करना शुरू कर दिया। इसके बाद बैग में मिले ज्वेलरी के पैकेट को लेकर बदमाश फरार होने लगे तभी कर्मचारियों ने विरोध किया तो एक शख्स ने अंकित के सिर में हेलमेट मार दिया और ज्वेलरी के पैकेट लेकर फरार हो गए। ज्वेलरी की कीमत करीब 30 लाख रुपए है। लूट की सूचना मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पीड़ितों के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। साथ ही पुलिस करोल बाग स्थित ज्वेलरी शोरूम के मालिक से भी उनके कर्मचारियों की पड़ताल कर रही है कि उनका पिछला रिकॉर्ड कैसा है। क्या उन्होंने ही अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की इस मनगढ़ंत वारदात को अंजाम तो नहीं दिया है? बता दें कि दिल्ली में पहले भी पुलिसकर्मी बनकर लोगों को जांच के नाम पर कई बार अपराधिक वारदातों को अंजाम दिया हैं। इस बार भी दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे संवेदनशील इलाकों में लूट की वारदात को अंजाम दिया गया, जो पुलिस की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े करती है।

पुलिस ने 48 घंटे तक 1400 किलोमीटर पीछा कर लिव-इन पार्टनर की हत्या कर भाग रहे युवक को दबोचा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर भाग रहे 27 वर्षीय युवक को पुलिस ने चार राज्यों- दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में 48 घंटे तक 1400 किमी पीछा कर दबोच लिया। आरोपी को राजस्थान के उदयपुर से पकड़ा गया। यह जानकारी मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी ने दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान गुजरात के सूरत निवासी विपुल टेलर के रूप में हुई। वह एक कुख्यात अपराधी है, जो पहले ही हत्या के प्रयास समेत दस मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, तीन अप्रैल को रात 10:40 बजे डाबरी पुलिस स्टेशन में पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) से एक कॉल आई। इसमें राजापुरी की गली नंबर 10 में एक महिला की हत्या की सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। वहां पहुंचने पर फोन करने वाले मुस्तकीन ने पुलिस को बताया कि विपुल टेलर नाम के व्यक्ति ने उसकी बेटी रुखसार की हत्या कर दी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी डेढ़ महीने से अपने बॉयफ्रेंड विपुल के साथ एक फ्लैट में रह रही थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि, मौके पर पहुंची पुलिस को फ्लैट के अंदर, रुखसार उर्फ रिया का शव स्लाइडिंग दरवाजे वाली एक बड़ी अलमारी के अंदर बैठी हुई स्थिति में पाया गया। उसके शरीर पर घाव और गला घोंटने के निशान थे। तीनों कमरों में घरेलू सामान बिखरा था। जांच के दौरान, सीसीटीवी फुटेज विश्लेषण से पता चला कि विपुल रात करीब 9 बजे अपनी कार से परिसर से बाहर चला गया था।

पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने सोहाना, मुंबई एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा को पार किया था। डीसीपी ने कहा, इसके बाद उसकी कार का पीछा करने के लिए एक पुलिस टीम भेजी गई। टीम ने दिल्ली से उदयपुर, राजस्थान तक विपुल की कार का पीछा किया। वह मार्ग बदलकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करता रहा, लेकिन पुलिस टीम 48 घंटे तक उसका पीछा करती रही। भागने के दौरान हुए हादसे में विपुल घायल हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि विपुल को एम्बुलेंस से भीलवाड़ा ले जाया गया है। डीसीपी ने कहा, अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि इलाज कराने के बजाय, वह सूरत, गुजरात जाने वाली एक अन्य निजी एम्बुलेंस में सवार हो गया।

डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने उसका पीछा करना जारी रखा, आखिरकार 1400 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद उसे घायल अवस्था में पकड़ लिया गया। पूछताछ में पता चला कि वह पहले भी 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

डीसीपी ने कहा,2020 में उसे दिल्ली में एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से अफीम बरामद हुई थी। यह भी पता चला कि मृतका रुखसार के खिलाफ गुजरात के सूरत शहर में आईटीपी अधिनियम के तहत तीन मामले दर्ज हैं ह्व विपुल एक स्पा सेंटर में रुखसार के संपर्क में आया था, जिसे वह सूरत में चला रही थी।

उसके बाद, वे दोस्त के रूप में एक साथ रहने लगे। इस दौरान रुखसार के कहने पर विपुल ने फ्लैट खरीदने के लिए उसे करीब सात लाख रुपये दिए। रुखसार ने फ्लैट की बाकी किश्तें चुकाने के लिए और पैसों की मांग की। इस मुद्दे पर दोनों के बीच कई बार झगड़ा हुआ। लगातार पैसे की मांग और शादी के दबाव से परेशान होकर विपुल ने उसे खत्म करने की योजना बनाई। डीसीपी ने बताया कि उस मनहूस दिन रुखसाना नशे की हालत में थी और उसी का फायदा उठाकर आरोपी ने उसकी हत्या कर दी और भाग गया।

4 राज्य, 48 घंटे, 1400 किलो मीटर चेज, गुजरात से दबोचा

- डाबड़ी में लिव इन पार्टनर के मर्डर, का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के डाबड़ी इलाके में एक महिला की हत्या के मामले में दिल्ली से फरार हुए उसके लिव इन पार्टनर को पुलिस ने आखिरकार 48 घंटे तक लगातार भाग दौड़ और चार राज्यों में 1400 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद आखिरकार सूरत से दबोच लिया है। गिरफ्तार आरोपी विपुल ट्रैलर का गुजरात में एक्सीडेंट भी हो गया था। जहां से उसने एंबुलेंस लेकर फिर पुलिस को चकमा देने की कोशिश किया, लेकिन पुलिस एंबुलेंस की जांच और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी तक पहुंचने में कामयाब हो गई।

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी विपुल टेलर हिस्ट्रीशीटर है, इस पर पहले से 10 मामले चल रहे हैं। जो दिल्ली और गुजरात के हैं। एक मामले में यह वांटेड भी है और तिहाड़ जेल में गोगी गैंग के मेंबर पर हमला करने का भी आरोप है। पुलिस के अनुसार विपुल से पूछताछ में पता चला कि इसकी मुलाकात रुखसार से सूरत के एक स्पा सेंटर में हुई थी। बाद में इनकी दोस्ती हो गई

और फिर यह लिव इन रिलेशन में दिल्ली जाकर फरवरी महीने से रहने लगे। जिस फ्लैट में रहते थे, उन्होंने परचेज किया था। इसने पुलिस को बताया कि उसकी लिव इन पार्टनर रुखसार शादीशुदा थी। उसकी एक पांच साल की बच्ची भी है। रूखसार पर प्रॉस्टिट्यूशन के भी तीन मामले गुजरात में दर्ज हैं। उसी के कहने पर दिल्ली आकर फ्लैट लिया था। उसमें भी विपुल से पैसा लिया था। बाद में यह फ्लैट का किस्त भरने के लिए विपुल पर दबाव डालने लगी थी। साथ ही शादी के लिए भी प्रेशर बना रही थी। जिसकी वजह से उनके बीच में तनाव शुरू हो गया।

बाद झगड़ा होने लगा, फिर विपुल ने रुखसार की हत्या कर दी और उसकी बॉडी को अलमारी में बंद करके सियाज गाड़ी से फरार हो गया। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच शुरू की। एसीपी ऑपरेशन राम अवतार, एसीपी डाबड़ी ईशान भारद्वाज की देखरेख में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, सुभाष चंद और एसएचओ धनंजय प्रताप सिंह की टीम ने आरोपी को पकड़ने के लिए पता लगाना शुरू किया था।

जानकारी मिली की आरोपी गाड़ी से सोहना - मुंबई एक्सप्रेस से होते हुए भागा है। पुलिस टीम लगातार उसका चेज करती रही, रास्ते में भी उसने कई जगह पुलिस को चकमा देने की कोशिश की। फिर उसकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। उसने एंबुलेंस बुलाई, लेकिन हॉस्पिटल जाने की वजह यह दूसरी जगह फरार होने लगा। लेकिन पुलिस टीम लगातार उसका पीछा करती रही और आरोपी को दबोचने में कामयाब हो गया।

अब केजरीवाल तुरंत इस्तीफा दें: बिधूड़ी

- हाई कोर्ट ने केजरीवाल की इस दलील को भी नामंजूर कर दिया है कि किसी राजनीति के तहत उनकी गिरफ्तारी की गई है।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दक्षिण दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को वैध बताए जाने के बाद अब उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है। कोर्ट ने साफतौर पर केजरीवाल को साजिश में शामिल बताया है और गोवा चुनावों में मनी ट्रेल को भी स्थापित किया है। हाई कोर्ट ने केजरीवाल की इस दलील को भी नामंजूर कर दिया है कि किसी राजनीति के तहत उनकी गिरफ्तारी की गई है। बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल को अब जेल से सरकार चलाने की असंवैधानिक जिद छोड़ देनी चाहिए और तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। बिधूड़ी ने कहा कि अगर केजरीवाल और उनकी पार्टी अब भी जिद पर अड़े रहते हैं तो फिर राष्ट्रपति के सामने सरकार को बर्खास्त करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचेगा।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक विद्यालय को उत्क्रमित करने की मांग

महनार। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक विद्यालय को उत्क्रमित कर मध्य विद्यालय बनाने की मांग मुख्य पार्षद रमेश राय ने सरकार से किया है। विदित हो कि प्रखंड मुख्यालय परिसर में ही कस्तूरवा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय है और इसमे रहने वाली छात्राओं को दिन के समय बगल के मध्य विद्यालय में जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है। प्रखंड मुख्यालय परिसर में मध्य विद्यालय नही है जिस कारण इन छात्राओं को अपने आवास से डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित मध्य विद्यालय में जाना पड़ता है। इस दौरान रास्ते मे छेड़खानी व दुर्घटना का खतरा बना रहता है। प्रखंड मुख्यालय परिसर में ही प्राथमिक विद्यालय है जिसको उत्क्रमित कर मध्य विद्यालय बनाने की मांग रमेश राय ने किया है। रमेश ने कहा है कि जब यह विद्यालय उत्क्रमित हो जाएगा तो छात्राएं इसी परिसर के अंदर रहेगी और इस कारण वह भयमुक्त बनी रहेगी।

भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट

दोनो पक्षों से एक दर्जन लोग घायल, दो की स्थिति नाजुक, रेफर

● मामले की तफ्तीश में जुटी पुलिस

प्रात: किरण, संवाददाता

मधेपुरा भूमि विवाद को लेकर चंदेश्वरी यादव और उपेंद्र यादव के बीच जमकर मारपीट हुई। दोनो पक्षों से एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती किया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं उपेंद्र यादव और उनके पुत्र की स्थिति काफी नाजुक है जिसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल से पटना रेफर कर दिया। मामला भरहीं थाना क्षेत्र के भदौल गांव स्थित वार्ड संख्या 3 का है। जहां विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। वहीं एक पक्ष के 7 लोग गंभीर रूप से जख्मी है तो दूसरे पक्ष से तीन लोग गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना 112 नंबर डायल पुलिस को दी गई जिसके बाद 112 नंबर पुलिस और भरहीं की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि चंदेश्वरी यादव और उपेंद्र यादव के बीच लंबे समय से 12 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चली आ रही है उक्त जमीन उपेंद्र यादव के कब्जे में है जिस पर मुकदमा लंबित है इसी जमीन को लेकर दोनो पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना घटित हुई है। फिलहाल इस घटना में उपेंद्र यादव के पक्ष से 7 लोग गंभीर रूप से घायल है और चंदेश्वरी यादव के पक्ष से 3 लोग घायल हुए है सभी घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है तो वहीं उपेंद्र और उनके पुत्र की स्थिति नाजुक देख मेडिकल कॉलेज अस्पताल पटना रेफर कर दिया है। हालांकि पुलिस के वरीय अधिकारी इस मामले को लेकर फिलहाल कैमरे पर कुछ भी कहने से परहेज कर रहें हैं तो वहीं घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस इंस्पेक्टर रामलाल पंडित ने बताया कि बहरहाल जांच की जा रही है जांचों उपरांत दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेरा वोट मेरा भविष्य, पहले मतदान फिर जलपान

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। जिलाधिकारी वैशाली एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के निर्देश पर मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। मेरा वोट मेरा भविष्य, पहले मतदान फिर जलपान आदि स्लोगन के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता अभियान कार्यक्रम का संचालन बाल विकास पर्यवेक्षिका सुजाता कुमारी के नेतृत्व में बाल विकास परियोजना परिसर में मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को बाल विकास कार्यलय लालगंज परिसर में लालगंज प्रखंड की सेविका एवं आईसीडीएस कार्यालय के पर्यवेक्षिका सुजाता कुमारी के नेतृत्व में स्लोगन,लिखकर एवं रैली निकालकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

अपनी कला क्षमता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार के रोचक स्लोगन का निर्माण कर अपने प्रतिभा और कला का प्रदर्शन किया। इस स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से प्रखंड क्षेत्र की सभी मतदाताओं खासकर युवा और वृद्ध मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने की अपील की गई। वही पर्यवेक्षिका सुजाता कुमारी के द्वारा बताया गया कि वोट देकर कर्तव्य निभाएं लोकतंत्र मजबूत बनाएं के नारे के साथ रैली निकाली गई। उन्होंने सेविकाओं को बताया को आमजनो एवं पोषक क्षेत्र के अभिभावकों को मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए उनसे मतदान में स्वयं शामिल होने का अपील किया गया। सभी लोग अपने समाज के लोगों को भी मतदान को लेकर जागरूक करें। इस मौके पर पर्यवेक्षिका सुमित्रा कुमारी, सेविका सुभद्रा कुमारी,नीतू सिंह,कविता कुमारी,पिंकी कुमारी संगीता कुमारी, समेत सैकड़ो सेविका उपस्थित थी।

कक्षा प्रथम से नवम वर्ग के बच्चों के वार्षिक परीक्षाफल प्रकाशित

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई / लक्ष्मीपुर :- बिहार सरकार शिक्षा विभाग द्वारा जारी शिड्यूल के आलोक में प्राथमिक, मध्य एवम उच्च विद्यालयों में वार्षिक परीक्षा मूल्यांकन 2024 के परीक्षाफल प्रकाशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।विदित हो की 18 मार्च से शुरू होकर 29 मार्च को वार्षिक मूल्यांकन कार्य समाप्त हुआ। तत्पश्चात कक्षा प्रथम एवं चतुर्थ के वार्षिक मूल्यांकन से संबंधित प्रश्न सह उत्तर पुस्तिका जांच की व्यवस्था के तहत बगल के विद्यालयों से टैग किया गया था। लक्ष्मीपुर प्रखंड के सभी प्राथमिक,मध्य,उच्च विद्यालयों में कक्षा प्रथम से चतुर्थ कक्षा तथा मध्य विद्यालय में कक्षा छठीं व सातवीं एवम उच्च विद्यालयों में आठवीं और नौवीं कक्षा के उत्तीर्ण छात्रों का रिजल्ट जारी किया गया।इस अवसर पर + 2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय हिरम्बा प्रखंड लक्ष्मीपुर जिला जमुई के प्रांगण में भव्य प्रवेशोत्सव सह दीक्षांत समारोह का आयोजन मंगलवार 09 अप्रैल को किया गया है।इस दीक्षांत समारोह में शिक्षक- अभिभावक बैठक,प्रगति पत्रक वितरण,नामांकन,मतदाता जागरूकता अभियान के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।यह कार्यक्रम प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में किया गया। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार वार्षिक मूल्यांकन के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाओं को अभिभावकों के बीच शेयर किया गया।ताकि अपने बच्चों की उपलब्धि को वह भी जान सके। इसी क्रम में +2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय हिरम्बा में प्रभारी प्रधानाध्यापक गंगा सागर मिश्रा की उपस्थिति में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन कर विद्यालय के सफल प्रथम, दुतीय और तृतीय विद्यार्थियों को प्रगति पत्रक के वितरण किया गया और पुरस्कृत भी किया गया। जिसमें प्रथम वर्ग से प्रथम श्रेणी में पास होने वाले छात्र का नाम आकर्ष कुमार पिता वीरेन्द्र यादव,दूसरा क्लास में अनिकेत कुमार पिता अखिलेश कुमार, तृतीय वर्ग में स्नेहा कुमारी पिता गिरीश यादव, चतुर्थ वर्ग में नीतू कुमारी पिता शरीफ यादव, पंचम वर्ग में अंश कुमार रमेश यादव और कुमार यशराज पिता रमेश झा,छठा क्लास में राजीव कुमार पिता संजय झा व अमन कुमार अनिल साह,क्लास सेवन में पिचु कुमारी पिता संजय साह,अष्टम वर्ग में अनुराधा कुमारी पिता वीरेन्द्र तांती और नवम वर्ग में शुभम कुमार पिता विश्वनाथ तांती ने उत्तीन हो कर परचम लहराया।इस मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गंगा सागर मिश्रा के साथ सहायक शिक्षक सोनी कुमारी,किशोर कुमार मंडल, धीरज कुमार मिश्र,अर्चना कुमारी, अंजनी कुमार,रोहित कुमार,नीतू कुमारी,पूजा कुमारी, अंजनी कुमारी और सोनी भारती मौजूद थे।उपस्थित सभी शिक्षकों ने अभिभावकों से अनुरोध करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को स्कूल भेजिए। हम सभी शिक्षक ईमानदारी पूर्वक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का कार्य करेंगे।कई अभिभावकों ने भी अपने - अपने विचारों को रखा। छात्र-छात्राओं को प्रगति पत्रक वितरण किया गया प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मीपुर तारकेश्वर प्रसाद मिश्र ने बताया कि लक्ष्मीपुर प्रखंड के सभी प्राथमिक, मध्य एवम उच्च विद्यालय में समारोह पूर्वक अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन कर छात्राओं को प्रगति पत्रक वितरण किया गया।उनके द्वारा जानकारी दी गई की प्राथमिक विद्यालय में 06 अप्रैल को मध्य विद्यालयों में 08 अप्रैल को और उच्च विद्यालयों में 09 अप्रैल को दीक्षांत समारोह आयोजित कर बच्चों को अभिभावकों के समक्ष प्रगति पत्रक के साथ पुरस्कृत किया गया।कक्षा जिसमें में अ,इ,उ ग्रेट प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रगति पत्रक हस्तगत कराया और उन्हें उच्च कक्षा में नामांकन हेतू विधालय स्थानांतरण पत्र भी दिया जाऐगा।

संकल्प लिया पहले मतदान फिर कर जलपान

प्रात: किरण, संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) चुनाव आयोग द्वारा प्रत्येक मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र जाकर मतदान जरूर करने के लिए जागरूक करने को कई तरह के कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को पुरैनी प्रखंड अंतर्गत नरदह पंचायत के मध्य विद्यालय योगीराज में स्वीप कार्यक्रम के तहत रौनक जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में रौनक जीविका संघ के सैकड़ों जीविका दीदी ने हिस्सा लिया। वोट देने जाना है, अपना फर्ज निभाना है के साथ मतदाता जागरूकता संबंधित कई स्लोगन और नारा लगाते हुए प्रभात फेरी में महिलाएं शामिल हुई। योगीराज मध्य विद्यालय से शुरू होकर योगीराज चौक होते हुए मुस्लिम मोहल्ला होते हुए मेहता मोहल्ला होकर पुनः मध्य विद्यालय योगीराज समाप्त हुआ। मौके पर बीपीएम संजीत कुमार ने कहा कि 07 मई को होने वाले मतदान में सभी लोग अपने मतों का उपयोग करें और अपने आसपास के लोगों को भी तदान के लिए जागरूक करे। मौके पर अकाउंटेंट रवि राज, सीसी पंकज कुमार, विकास मित्र दुलारचंद कुमार, पंचायत न्याय सचिव विकास कुमार, जीविका वीओ लेखपाल अनवर आलम, सीएम फूल कुमारी, खुशबू कुमारी, शिंपी कुमारी, वीणा कुमारी, शर्मिला कुमारी, सोनी कुमारी, सहित अन्य मौजूद रहे।

लोस चुनाव को लेकर मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं का लिया जायजा

19 अप्रैल को होने वाले मतदान को लेकर किया जा रहा निरिक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर लोकसभा चुनाव की तिथि नजदीक आते जा रही उस अनुसार शांतिपूर्ण,स्वच्छ एवं व्यवस्थाओं के बीच मतदान करने की तैयारियां जोरों पर है।मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार ने आधा दर्जन मतदान केन्द्रों पर घूमकर जायजा लिया।उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया प्राथमिक विद्यालय बानाडीह, उर्दू विद्यालय मौरा, संस्कृत महाविद्यालय गिद्धौर, मध्य विद्यालय पूर्वी गुगुहडीह सहित कई अन्य मतदान केन्द्रों पर पहुंचे। शौचालय, बिजली, पानी, रैंप, उपस्कर केंद्र पर पहुंचने की सुविधा शोड आदि बुनियादी सुविधाओं, शेड आदि बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली।जिले के वरिये पदाधिकारी के दिशा निर्देश को ले।प्रखंड भर के सभी मतदान केंद्र को बार-बार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है ताकि कहीं कोई कमी नहीं रह जाए।जमुई लोकसभा में 19 अप्रैल को मतदान कराया जाना है।

मतदाता जागरुकता के तहत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

हाजीपुर। स्वीप गतिविधि अंतर्गत वैशाली जिले के स्वीप आईकॉन श्री अभय कुमार ने महिला महाविद्यालय हाजीपुर, सुभद्रा देवी नर्सिंग कॉलेज हाजीपुर, एवं देवचंद महाविद्यालय हाजीपुर में आयोजित मतदाता जागरुकता अभियान अंतर्गत उपस्थित लोक सभा आम निर्वाचन में प्रथम बार मतदान करने वाले छात्र-छात्राओं से मतदान करने एवं अपने अभिभावको को मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की। जंदाहा प्रखंड अंतर्गत कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों के क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु आइसीडीएस के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, सेविकाओं एवं आमजनों ने भाग लिया। बैठक में घर-घर मतदाताओं को मतदान हेतु जागरुक करने की चर्चा की गई। इस अभियान में सेविकाओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं ने हर घर में जाकर मतदाताओं से मतदान के दिन मतदान केन्द्र जाकर मतदान करने की अपील की। इसी क्रम में बिदुपुर, देसरी, गोरौल, जंदाहा, लालगंज प्रखंड में भी सेविकाओं एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं ने घर-घर जाकर मतदाताओं से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र वैशाली के द्वारा मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के तहत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केन्द्र से जुड़े विद्यार्थियों एवं केन्द्र के कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं उनके अभिभावको ने मतदान करने एवं अपने आस-पास के लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने का संकल्प लिया। नेहरु युवा केन्द्र के स्वयंसेवको द्वारा पटेढ़ी बेलसर के मिश्रौलिया एवं राजापाकर के रामपुर रत्नाकर पंचायत में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी युवाओं एवं आमजनों ने मतदान करने एवं घर के सभी मतदाताओं को मतदान के दिन साथ मतदान केन्द्र ले जाने का संकल्प लिया। बुनियाद केन्द्र बिदुपुर,,महनार एवं पातेपुर, द्वारा मतदाताओं को जागरुक करने हेतु बुनियाद केन्द्र के कर्मियों ने घर-घर जागरुकता अभियान चलाया। गृह भ्रमण के दौरान घर पर उपस्थित सभी मतदाताओं से लोक सभा आम निर्वाचन 2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने एवं आस- पास के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की। बिदुपुर, लालगंज एवं जंदाहा प्रखंड अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जीविका दिदियो एवं आम जनों ने भाग लिया। उपस्थित सभी जीविका दिदियो से मतदान करने एवं अपने आसपास और परिवार के सभी मतदाताओं को मतदान है तो प्रेरित करने के अपील की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संकल्प लिया।

एनएसयूआई का मनाया गया 54 वां स्थापना दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा एनएसयूआई के 54 वें स्थापना दिवस पर एनएसयूआई कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष निशांत यादव के नेतृत्व में बीएनएमयू परिसर में पौधारोपण कर स्थापना दिवस को समारोह पूर्वक मनाया। एवं छात्र -छात्राओं के हक - अधिकार , सम्मान और उनके लोकतांत्रिक हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति प्रण लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीएनएमयू परीक्षा नियंत्रक प्रो. शशिभूषण, कुलानुशाशक डॉ बी एन विबेका, महाविद्यालय निरक्षक बी पी सिंह समेत बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनएसयूआई जिलाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा की एनएसयूआई जैसे लोकतांत्रिक छात्र संगठन की स्थापना 9 अप्रैल 1971 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था। एनएसयूआई आज देश के करोड़ों छात्र - छात्राओं की आवाज बनी हुई है। उनके हक, अधिकार और सम्मान के लिय संघर्षरत है। एनएसयूआई केवल छात्रों के अधिकारों के लिय हो संघर्ष नहीं कर रही है बल्कि देश के बेहतर भविष्य निर्माण के लिय नेतृत्वकर्ता भी तैयार कर रही है। उन्होंने कहा की आज जिस प्रकार से देश में मोदी सरकार छात्र और युवाओं के हक अधिकार पर हमले कर रही है ऐसे समय में केवल एनएसयूआई ही छात्र और युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ सरकार से लड़ रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएसयूआई छात्रनेता जयकिशन कुमार, डूलेन कुमार, सुभाष कुमार, प्रदीप कुमार, निरंजन कुमार, विभाष कुमार, मणिभूषण, लाल बहादुर, प्रभात रंजन समेत दर्जनों एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्कूल में बच्चों के बीच बांटा गया प्रगति पत्रक व पुरस्कार

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा उत्क्रमित उच्च विद्यालय झिटकिया एवं मध्य विद्यालय झिटकिया में वार्षिक परीक्षा फल प्रकाशन को लेकर सोमवार को विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के बीच प्रगति पत्रक का वितरण किया गया। वही बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम ओर बच्चों के नामांकन अभियान का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने स्वागत गान, संगीत, कविता वाचन समेत कई कार्यक्रम में भाग लेकर अपने प्रतिभा को निखारने का कार्य किया।इस अवसर पर झिटकिया माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चों के बीच कई प्रकार के उपहार दिया गया जिसमें औजार बॉक्स, पेंसिल बॉक्स, स्क्रैच पेन, कलम, कॉपी इत्यादि सामग्री शामिल है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर राज नंदन यादव युवा राजद प्रखंड अध्यक्ष घैलाढ़ एवं अभिभावक बेचन प्रसाद, सुशील कुमार, अनिल कुमार भारती एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ गणेश कुमार मंडल, शिक्षक अजीत कुमार, आनंदवत कुमार, साजन कुमार, हिमांशु कुमार, राजीव हसन वही शिक्षिका खुशबू कुमारी, प्रीति भगत, प्रियंका कुमारी गुप्ता, बेबी कुमारी समेत सभी शिक्षक एवं शिक्षिका मौजूद थे।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से कराया अवगत

हाजीपुर। आज मुख्यालय, हाजीपुर में 03 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री तरूण प्रकाश से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे । विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रख सकते हैं ।

जिले में ईद उल फितर के अवसर पर धारा 144 लागू

प्रात: किरण संवाददाता

जिले में ईद उल फितर (ईद) -2024 के अवसर पर अनुमंडल दंडाधिकारी अभय कुमार तिवारी के द्वारा 10 अप्रैल से 12 अप्रैल तक जमुई अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गयी है ' निषेधाज्ञा लागू रहने की स्थिति में एक स्थान पर खड़ा होना, मटरगश्ती करना, मजमा लगाना, किसी प्रकार का अस्त्र शस्त्र (पुलिस बल को छोड़कर) से लैस होकर चलना, बाधा उत्पन्न करने की मंशा से मटरगश्ती करना सर्वथा वर्जित होगा। उपयुक्त निषेधाज्ञा के फलस्वरूप निम्न कार्य निषिद्ध रहेंगे । किसी भी व्यक्ति के द्वारा अस्त्र-शस्त्र, अग्नेयास्त्र एवं अन्य विस्फोटक पदार्थ से लैस होकर घूमना (पुलिस बल को छोड़कर) सर्वथा वर्जित होगा ' किसी भी स्थिति में अश्लील गाना बजाना या कार्यक्रम करना सर्वथा वर्जित रहेगा ' बीमार व्यक्तियों को अस्पताल, नर्सिंग होम ले जाते समय व्यवधान उत्पन्न करना सर्वथा वर्जित होगा ' सभी निजी, सार्वजनिक एवं धार्मिक समारोहों/ कार्यक्रमों/ स्थलों पर समान रूप से निषेधाज्ञा लागू रहेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन के रचनात्मक अवदान पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय दर्शनशास्त्र विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राहुल सांकृत्यायन की जयंती के अवसर पर महापंडित राहुल सांकृत्यायन का रचनात्मक अवदान विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय हिन्दी परिषद् के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार यादव ने राहुल की साहित्यिक यात्राओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने राहुल की रचनाओं में व्यक्त ऐतिहासिकता और राष्ट्रभाषा पर उनके विचारों को सामने लाया और उनकी सुप्रसिद्ध रचना वोल्गा से गंगा में व्यक्त मातृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था की भी चर्चा की। उन्होंने राहुल की साहित्यिक क्रियाशीलता के बारे में बताते हुए मातृभाषाओं के प्रश्न पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राहुल जी सच्चे अर्थों में लोक भाषा-विज्ञानी थे। वे 36 भाषाओं के ज्ञाता थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने लेखन का माध्यम हिंदी को चुना। उनका विपुल साहित्य राष्ट्र-निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।विशिष्ट अतिथि हिन्दी विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय ने राहुल सांकृत्यायन के जीवन, उनकी साहित्यिक और सामाजिक प्रतिबद्धता को सबके समक्ष रखा उनके कार्यों से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने राहुल को कागद की लेखी नहीं, वरन आँखन देखी परंपरा का साहित्यकार बताया। उन्होंने राहुल के दार्शनिक विचारों और उनके जीवन संघर्षों और उनके यात्रा वृतांतों पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बताया कि राहुल की रचनाएं अनुभवजन्य ज्ञान का प्रामाणिक दस्तावेज और हिन्दी साहित्य की अमूल्य निधि है। इनकी रचनाओं पर व्यापक अनुसंधान की जरुरत है। उन्होंने कहा कि राहुल की रचनाओं में व्यक्त संदेशों को जीवन में उतारने की जरूरत है। कार्यक्रम के अध्यक्ष हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद मोहन जायसवाल ने राहुल जी की घुमक्कड़ी प्रवृति और मनुष्यता के प्रति उनके आग्रह पर विस्तार से बताया। उन्होंने उनके साहित्य को ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों से जुड़ा हुआ बताते हुए उसके महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के सह-अध्यक्ष सह दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि राहुल ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वागत वक्तव्य देते हुए कार्यक्रम की संयोजक सह पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. उषा सिन्हा ने राहुल जी की ज्ञान परंपरा और बौद्ध पुस्तकों को भारत लाने के उनके प्रयासों से सीख लेने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने राहुल की विभिन्न रचनाओं और लोकभाषा के प्रति प्रेम पर भी प्रकाश डाला। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सिद्धेश्वर कश्यप ने कहा कि राहुल सांकृत्यायन मानव धर्मी चिंतक एवं लेखक हैं। अपनी कृतियों में वह मार्क्सवादी, गांधीवादी, समाजवादी मूल्यों को स्वर देते हैं। लेकिन मानवधर्मी मूल्य को रचनात्मक आयाम प्रदान करते हैं। आईक्यूएसी निदेशक प्रो. नरेश कुमार ने कहा कि राहुल के विचारों में सकारात्मकता है। यह हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. विनय चौधरी ने राहुल के विलक्षण और प्रतिभाशाली व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राहुल एक पति एवं पिता की भूमिका का सम्यक निर्वहन नहीं कर सके। कार्यक्रम में मनोज विद्यासागर एवं जेआरएफ विभीषण आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके पूर्व संगोष्ठी के प्रारंभ में सभी अतिथियों ने राहुल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। तदुपरांत दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों को अंगवस्त्रम् एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूजा गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रफुल्ल ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम में मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार मल्लिक, वाणिज्य संकायाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. राणा सुनील कुमार सिंह, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. सी. पी. सिंह, गणित विभागाध्यक्ष नरेश कुमार, डॉ. पी. एन. सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. विवेक प्रताप, डॉ. विनय कुमार, डॉ. कुमार श्रषभ, डॉ. प्रफुल्ल कुमार, डॉ. रश्मि कुमारी, अजय कुमार, डॉ. सदय कुमार, डॉ. सुमेध आनंद, नरेश कुमार, तनु प्रिया, नन्ही कुमारी, कल्याणी कुमारी, नरेश कुमार, राहुल पासवान, राजहंस राज, सौरभ कुमार चौहान, सुमन कुमार, सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएम ने मनाया समावेशी स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा एक अलग हीं अनोखे तरीके से मधेपुरा में मनाया जा रहा है समावेशी स्वीप मतदाता जागरूकता अभियान। जिला मुख्यालय के बीएन मंडल स्टेडियम मैदान में जिला स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम प्रिंस कुमार के नेतृत्व व डीएम विजय प्रकाश मीणा के अध्यक्षता में स्वस्थ रहे मतदान करें, कार्यक्रम के तहत योग कार्यक्रम भी आयोजित की गई, जिसमे डीएम के अलावे दर्जनों अधिकारी समेत स्थानीय लोगों ने भाग लिया और कई घंटो तक योग और आलोम विलोम किया। इस मौके डीएम विजय प्रकाश मीणा ने मौजूद सभी अधिकारी समेत लोगों को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत समावेशी स्वीप कार्यक्रम के दौरान लोक तंत्र की मयार्दा को रखते हुए बिना किसी भेद भाव के निर्भिग होकर मतदान करने हेतु शपथ भी दिलाया। इस मौके पर डीएम विजय प्रकाश मीणा ने मौजूद अधिकारी और स्थानीय जिले वासी से अपील करते हुए कहा कि पहले मतदान फिर करें जलपान।

सम्पादकीय

शिक्षक की संवेदनहीनता

अहमदाबाद के एक नामचीन निजी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल ने नौवीं कक्षा के मिर्गी की बीमारी से पीड़ित एक्स छात्रा के समक्ष उसके पिता से कहा अगर मिर्गी की बीमारी की वजह से आपकी बेटी कक्षा में लगातार अनुपस्थित रह रही है तो आप किसी ओपेन स्कूल में उसका दाखिला करवा दीजिए, ताकि उसे रोज स्कूल जाने के बंधन से मुक्ति मिल जाए और सिर्फ परीक्षा देने के लिए ही स्कूल जाना पड़े। प्रत्युत्तर में एक्स छात्रा के अभिभावक ने कहा, मैडम, इस बीमारी में बच्चे का कम से कम 9 से 10 घंटे सोना जरूरी होता है, अन्यथा मिर्गी का ट्रिगर आ सकता है। इसलिए नींद नहीं पूरा होने पर एक्स स्कूल नहीं जा पाती है, इस वजह से पूर्व के स्कूलों में भी एक्स का 75 प्रतिशत उपस्थिति पूरा नहीं हुआ था, पर कभी भी किसी शिक्षक या प्रिंसिपल ने इस तरह की आपत्तिजनक सलाह नहीं दी, एक शिक्षक होकर आप ऐसी बेतुकी बातें कैसे कर सकती हैं, क्या आपको नहीं मालूम है कि ऐसा करने से बच्चे पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकता है, उसके व्यक्तित्व का विकास भी बाधित हो सकता है आदि। वाइस प्रिंसिपल से इस तरह के संवेदनहीन और अनैतिक सलाह की कतई अपेक्षा नहीं की जा सकती है, वह भी पीड़ित छात्रा के सामने, लेकिन शिक्षा के संक्रमण के दौर में शिक्षा और शिक्षकों का इस कदर बाजारीकरण हो चुका है कि शिक्षकों के संवेदनशील होने की कल्पना करना बेमानी है। अब टीचर और बुचर के बीच के फर्क की परत बहुत तेजी से छीज रही है। शायद इसी वजह से कोटा और देशभर में बड़ी संख्या में बच्चे हर साल आत्महत्या कर रहे हैं। निजी स्कूलों में सुविधाओं की बात करें तो मुश्किल से 5 प्रतिशत स्कूलों में ही खेल का मैदान है। ऐसे में, इंडोर गेम खेलकर बच्चे शारीरिक रूप से कितने फिट रहेंगे? अमूमन, निजी स्कूलों में न ही लाइब्रेरी होती है और न ही फर्स्ट एड की व्यवस्था। आजकल निजी स्कूलों में बच्चों को विभिन्न मुद्दों पर परामर्श देने के लिए काउंसलर भी रखा जा रहा है, लेकिन इनकी उपयोगिता भी सवालों के घेरे में हैं। कुछ स्कूलों में तो आज ड्रग्स और पॉर्न का बाजार भी फल-फूल रहा है। नर्सरी कक्षा से ही निजी स्कूलों में अभिभावकों से 1 से 1.5 लाख रुपए सालाना फीस वसूली जा रही है। बस का चार्ज अलग से लिया जा रहा है। आर्ट व क्राफ्ट एवं अन्य गतिविधियों के नाम पर अभिभावकों को पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। बावजूद इसके, स्कूलों में अभिभावकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता है। निजी स्कूलों में मोटी फीस जरूर वसूल की जा रही है, लेकिन ऐसे अधिकांश स्कूलों में शिक्षा का स्तर दोयम दर्जे का है। कई निजी स्कूलों की हालत सरकारी स्कूलों से भी बदतर है। निजी स्कूलों में शिक्षकों का वेतन कम होने के कारण ज्ञानहीन शिक्षक अध्यापन का काम कर रहे हैं, जो बच्चों को पढ़ाने की कला से अनभिज्ञ होते हैं, क्योंकि वे प्रशिक्षित नहीं होते हैं। दरअसल, बेरोजगारी की वजह से युवा कम वेतन में भी स्कूल में पढ़ाने के लिए तैयार हो जाते हैं, लेकिन आमतौर पर उनके घर की जरूरतें वेतन से पूरी नहीं हो पाती है, जिसके कारण उन्हें ट्यूशन पढ़ाना पड़ता है। ट्यूशन के लिए स्कूल के बच्चों के अभिभावकों को राजी करना सबसे आसान होता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बच्चों को स्कूल में इस तरह से पढ़ाया जाता है कि विषय की सामग्री उन्हें समझ में नहीं आए। साथ ही, वार्षिक परीक्षा में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं, परियोजनाओं, अतिरिक्त गतिविधियों में 20 में से 20 नंबर उन्हीं बच्चों को दिया जाता है, जो ट्यूशन पढ़ते हैं। यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती है और शिक्षकों द्वारा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया जाता है। अकूत पैसा कमाने की चाहत की वजह से एक कक्षा में 40 से 50 बच्चों को पढ़ाया जाता है। शिक्षक कक्षा में सिर्फ तेज बच्चों के तरफ ध्यान देते हैं, जिसके कारण अधिकांश बच्चों की संकल्पनाएं विषय के बारे में स्पष्ट नहीं हो पाती है। हालांकि, यह सच है कि अगर स्कूल में शिक्षक समुचित तरीके से पढ़ाएंगे तो बच्चों को ट्यूशन पढे की जरूरत कभी नहीं पड़ेगी। मौजूदा समय में पेन, पेंसिल, कॉपी, स्कूल बैग, जूते, मोजे, ड्रेस, किताब हर चीज की खरीदगी में स्कूल कमीशन ले रहा है। निजी स्कूलों में किताबों को एमआरपी पर बेचने का ढोंग किया जाता है, क्योंकि उनकी एमआरपी उनकी वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक होती है। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम फॉर एडुकेशन (यूडीआईएसई) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2022 में भारत में कुल स्कूलों की संख्या 14, 08, 115 थी, जबकि निजी स्कूलों की संख्या लगभग 3.40 लाख थी। भले ही सरकारी स्कूलों की संख्या ज्यादा है, लेकिन आर्थिक रूप से सबल अभिभावक; बच्चे को अंग्रेजी में बेहतर शिक्षा मिले, वे संचार कौशल में प्रवीणता हासिल करें आदि के लिए उन्हें निजी स्कूलों में दाखिला करवाते हैं।

किसके हाथ, किसका खून

चुनाव में हिमाचली चरित्र फिर फंसा- फिर धंसा नजर आ रहा है, तो इसकी वजह छोटे राज्य की तासीर में पार्टियों के नेतृत्व में आ रहा खोट है। इस बार चरित्र का नया जाल बुनकर राजनीति कुछ गुनाह कर चुकी है और कई चुनावों की ओट में चल रहे हैं। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच भी संगठन की चारित्रिक पृष्ठभूमि का अंतर स्पष्ट है। बेशक भाजपा के हाथ कांग्रेस के खून से रंगे देखे जा सकते हैं, लेकिन जब घाव ही खुद किए हों तो लहू का रिसना कत्ल नहीं। सत्ता का चरित्र हिमाचल के आचरण से कहीं भिन्न होता जा रहा है, यह हम पिछली कुछ सरकारों के दौर से निरंतर देख रहे हैं, लेकिन इस बार बेडिां पहनाकर कत्ल हुए जिसकी जागीर में, वही कह रहा कि कानून को लूट लिया लुटेरों ने। सरकार के कठघरे में पहली बार कांग्रेस के ही बीज नजर आए, जो अब उगे तो खड़पतवार बन गए। सवाल छह विधायकों की जमीर का हमेशा रहेगा, इसलिए खरीद-फरोख्त की तोहमतें उछल रही हैं। हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडकाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे। दूसरी ओर पंद्रह करोड़ की राशि से अगर कोई विधायक बिक सकता है, तो यह वक्तव्य आगे चलकर घमासान मचा सकता है। इसे साबित करने की नौबत दिखाई देती है। क्या इन्हीं मुद्दों पर हिमाचल अब आगे बढ़ेगा या यह मान लिया जाए कि सियासत में यही चलेगा। कम से कम प्रचार के पहले चरण में ही कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री के बावजूद कहीं जख्म रिस रहे हैं। दर्द छह विधायक खोने का न भी हो, उपचुनावों में ताली बजाने का भी हो सकता है। आश्चर्य यह कि पक्ष का पहला विरोधी पक्ष कभी पार्टी के जिगर में तो रहा ही है। कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते छह विधायकों को कोस कर पार्टी कम से कम भाजपा को तो नहीं कोस रही। प्रहार का सारा मैदान अगर छह बागियों के चक्कर में खत्म हो गया, तो भाजपा ह्यतेरी खैर नहींह्ल कब कहा जाएगा। जो भी हो जनता में राजनीतिक घटनाक्रम से खिन्नता जरूर बढ़ रही है। अगर सरकार साबित कर दे कि 15 करोड़ में कोई बंदा बिका है, तो जनता की सजा तय है, लेकिन दूसरी ओर अदालती पचड़ों में बात आगे बढ़ती है, तो भी राज्य को झेलना पड़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में राज्य का चरित्र चौराहे पर है और आम नागरिक अपने ही मत पर अविश्वास प्रकट कर सकता है। जनता ने इसलिए कांग्रेस को जनादेश नहीं दिया था कि चरित्रहनन की तोहमतें उसे परेशान करें, बल्कि बदलाव, नए प्रयोग, सुशासन, चारित्रिक आश्वासन और सुखद भविष्य के लिए सत्ता पार्टी को सौंपी थी। जनादेश की प्रतिबद्धता यह छूट नहीं देती कि सत्ता से कुछ लोगों को खारिज करके शाबाशी ली जाए या एक दूसरे के ऊपर अंगुली उठाकर मनोरंजन किया जाए। हिमाचल आहत है कि कांग्रेस का बेपर्दा आचरण भ्रम पैदा कर रहा है। राजनीति में देवता तो आएंगे नहीं, लेकिन दायित्व भी अगर सूली पर टंगा नजर आए, तो किसके भरोसे राज्य की तस्वीर बदलेगी। हमें नहीं मालूम कौन बिका, कितने का बिका और किसलिए बिका, लेकिन कांग्रेस के भीतर आरपार की लड़ाई का हर तर्क परेशान करता है। हिमाचली संघर्ष हमेशा केंद्र की परिपाटी में अपना पसीना देखता है, लेकिन यहां तो खुद ही खरी खोटी सुनाने पर आमदा सियासत यह बता रही है कि हम सियासत के कुएं को बेहद गंदा कर चुके हैं। निर्लज्जता से भरा घटनाक्रम और कितना नीचे गिरेगा, अब यही सवाल प्रत्येक हिमाचली के दर्पण पर खड़ा है। गिरने की कोई सीमा नहीं और यह धीरे-धीरे साबित होने लगा है।

क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से ह्यशराब खरीदने का सुखद अनुभवह्ल मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी।

डॉ. अश्विनी महाजन
कालेज प्रोफेसर

दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं।

यह शराब नीति क्या है : केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से ह्यशराब खरीदने का सुखद अनुभवह्ल मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं। थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन : केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई। इससे खुदरा विक्रेताओं का मुनाफा कम हो गया, उन्हें अपने लाइसेंस सरेंडर करने और व्यवसाय से बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा, और सरकार के खिलाफ कानूनी मामले भी शुरू हो गए। शायद, थोक विक्रेताओं की इस कमीशन नीति के कारण ही नए केजरीवाल शराब नीति विफल हुई और अंततः मनीष सिसोदिया और केजरीवाल को जेल जाना पड़ा। आलोचकों का आरोप है कि नीति का मसौदा शराब बाजार में एकाधिकार बनाने की सुविधा के एकमात्र इरादे से तैयार किया गया था। यह केवल कुछ चुनिंदा थोक विक्रेताओं के लिए तैयार किया गया था, क्योंकि थोक विक्रेता के लाइसेंस के लिए बोली लगाने की पात्रता शर्तों में से एक, पिछले 3 वर्षों के दौरान 150 करोड़ रुपए की न्यूनतम वार्षिक बिक्री थी। छोटे खिलाडिों को, जिनके पास पहले लाइसेंस था, को बोली प्रक्रिया से बाहर कर दिया। नई नीति ने ह्यपेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेडह्ल और ह्यडियाजियो इंडियाह्ल के ब्रांडों की पेशकश करने वाले मुी भर थोक विक्रेताओं को खुदरा विक्रेताओं को आपूर्ति और छूट की मात्रा पर महत्वपूर्ण नियंत्रण दिया था। उच्च निश्चित लाभ ने थोक विक्रेताओं के हितों की रक्षा की, लेकिन खुदरा विक्रेताओं को निचोड़ा। थोक विक्रेताओं का यह अतार्किक और आश्चर्यजनक मार्जिन केजरीवाल शराब नीति का प्रमुख बिंदु बन गया और इसने खुदरा विक्रेताओं को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे उन्हें अपने लाइसेंस भी सरेंडर करने पड़े। इससे केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भी बड़ा राजनीतिक झटका लगा। चूंकि थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन मिल रहा था, जो सामान्य 3 से 5 प्रतिशत से बहुत अधिक था, इससे खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन काफी कम हो गए और उनमें से कई ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए और दुकानों को बंद कर दिया। सरकार को इससे राजस्व की भारी हानि हुई और इससे अंततः केजरीवाल शराब नीति वापस लेने हेतु आवाजें उठने लगी। दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा इसकी जांच के आदेश दिए जाने के बाद, यह खुलासा हुआ कि सरकार से जुड़े लोगों ने थोक विक्रेताओं से उनके लाभ का एक बड़ा हिस्सा वापस लिया और उसके प्रमाण भी मिल गए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर धन के निशान पाए हैं, जो लगभग 100 करोड़ रुपए है। इतनी या इससे अधिक राशि को आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों को हस्तांतरित कर दिया गया।

नैतिक प्रश्न : भ्रष्टाचार के कानूनी प्रश्नों पर तो जांच एजेंसियां पहले से ही काम कर रही हैं, लेकिन नैतिकता के प्रश्न ऐसे हैं, जिनसे शायद केजरीवाल खुद को कभी मुक्त न कर पाएं। उनके गुरु गांधीवादी अन्ना हजारे पहले ही केजरीवाल शराब नीति के लिए उनकी आलोचना कर चुके हैं और उनकी गिरफ्तारी को उचित ठहरा चुके हैं। अरविंद केजरीवाल के लिए उनकी शिकायत यह है कि उनके शिष्य के रूप में उन्होंने शराब के खिलाफ आवाज उठाई और अब वही केजरीवाल शराब नीति के लिए गिरफ्तार हुए हैं और यह सही भी है। हमारे संविधान में शराबबंदी राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक है।

हरीश रावत का बेटा नही कांग्रेस कार्यकर्ता है मैदान में!

30 प्रतिशत संख्या बल के साथ, मुस्लिम हरिद्वार क्षेत्र के मतदाताओं के बीच सबसे बड़ा समूह हैं, लेकिन जमील अहमद के बाहरी होने के कारण वे बसपा कार्यकर्ताओ पर अपनी पकड़ नही बना पा रहे है, वही कही भाजपा पुनः सत्ता में आने पर डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान न बदल दे इस डर से क्षेत्र का 20 प्रतिशत दलित का झुकाव कांग्रेस की तरफ हो रहा है। जिससे स्पष्ट है, उत्तराखंड की हरिद्वार लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है। उत्तराखंड के पूर्व सीएम और भाजपा उम्मीदवार त्रिवेन्द्र सिंह रावत का मुकाबला कांग्रेस के वीरेंद्र रावत से ही है। त्रिवेन्द्र रावत 1979 से 2002 तक आरएसएस के सदस्य थे। वह 2000 में राज्य के गठन के बाद 2002 में पहली विधान सभा में डोईवाला से विधायक चुने गए।

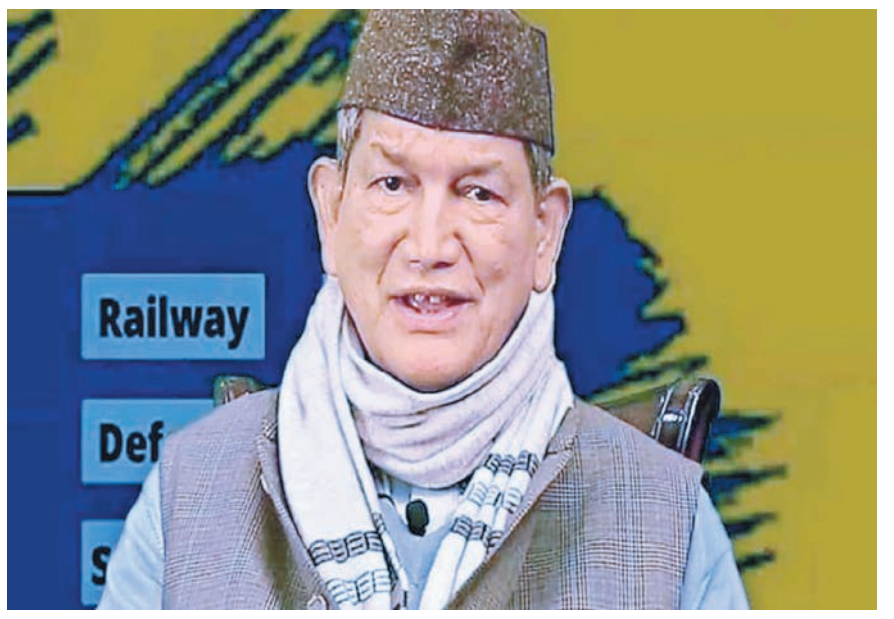

डॉ श्रीगोपाल नारसन
लेखक

क्या चिकित्सक के बेटे को चिकित्सक, इंजीनियर के बेटे को इंजीनियर, वकील के बेटे को वकील, व्यापारी के बेटे को व्यापारी और किसान के बेटे को किसान बनने का हक नही है, यदि है तो फिर राजनेता का बेटा राजनेता क्यो नही बन सकता?परिवारवाद के इस मिथक को तोड़कर स्वयं भाजपा ने कम से कम 24 टिकट भाजपा नेताओं के परिजनों को दिए है, साथ ही 15 टिकट भाजपा नेताओं के निकट रिश्तेदारों को मिले है, ऐसे में सिर्फ कांग्रेस पर ही परिवार वाद का आरोप लगाना गलत होगा। वही हरिद्वार में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के जिस बेटे वीरेंद्र रावत को कांग्रेस से लोकसभा क्षेत्र हरिद्वार का टिकट मिला है, वह पिछले 25 वर्षों से कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में है और पिछले विधानसभा चुनाव में उसको खानपुर से टिकट नही मिल पाया था। वीरेंद्र रावत छात्र संघ अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों पर रहते हुए प्रदेश कांग्रेस के मौजूदा उपाध्यक्ष भी है। इसलिए उन्हें टिकट मिलना एक कार्यकर्ता को टिकट मिलना है, न कि पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र को टिकट मिलना माना जाएगा, जैसे भाजपा में उत्तर प्रदेश के समय मंत्री रहे डॉ पृथ्वी सिंह विकसित की बेटी डॉ कल्पना सैनी ने राजनीति में पदार्पण कर भाजपा जिलाध्यक्ष से लेकर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के दायित्व को निभाते हुए राज्य सभा का टिकट प्राप्त कर सांसद बनने तक का सफर तय किया, माना वे डॉ विकसित की बेटी है, लेकिन राजनीतिक मुकाम उन्होंने खुद के दम पर हासिल किया इसलिए यह भी परिवारवाद नही है। वीरेंद्र रावत भी परिवार वाद की परिभाषा में इसी कारण नही आते है क्योंकि वह पहले से ही सक्रीय राजनीति में है। इस सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार वीरेंद्र रावत का मुकाबला भाजपा के पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत के साथ हो रहा हैं। वीरेंद्र रावत को जिताने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हुए, हरीश रावत दोपहिया वाहनों के काफिले में बाइक पर बैठकर रोड शो, डोर-टू-डोर अभियान और नुक्कड़ सभाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। वीरेंद्र रावत अपने पिता पूर्व सीएम हरीश रावत के साथ लगातार सार्वजनिक बैठक, जनसम्पर्क कर रहे हैं। हरीश रावत ने 2022 के विधानसभा चुनावों में राज्य भर में प्रचार किया था, लेकिन कांग्रेस चुनाव जीतने में कामयाब नहीं हो सकी। पूर्व सीएम के रूप में हरीश रावत राज्य का बड़ा चेहरा हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने कहते है, हरीश जी हरिद्वार में डेरा डाले हुए हैं क्योंकि यह चुनाव कठिन है, क्योंकि यह लड़ाई नरेंद्र मोदी के खिलाफ है हालांकि उनसे अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में भी प्रचार करने की मांग है। वह वहां भी जाएंगे, साथ ही उत्तर प्रदेश भी चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। ह्वहरीश रावत, जो 76 वर्ष के हैं, ने पहले स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए खुद चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। इस हरिद्वार सीट से उनका पुराना नाता है, वे 2009 में इस सीट से सांसद फिर मंत्री बने थे। उनकी पत्न ी रेणुका रावत सन 2014 में हरिद्वार से अपना लोकसभा चुनाव हार गईं थी। सन 2022 के विधानसभा चुनावों में, हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत ने हरिद्वार ग्रामीण से सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा, और तत्कालीन भाजपा विधायक स्वामी यतीश्वरानंद को हराकर विधायक बनी, हालांकि हरीश रावत खुद लालकुआं से भाजपा के मोहन सिंह बिष्ट से हार गए थे। हरीश रावत अब हरिद्वार के मतदाताओं से अपने बेटे वीरेंद्र रावत पर अपनी तरह ही भरोसा करने के लिए अपील कर रहे हैं, साथ ही यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि वीरेंद्र को केवल इसलिए टिकट मिला क्योंकि वह दशकों से पार्टी कार्यकर्ता रहे हैं। रावत ने कहा कि वीरेंद्र 25 वर्षों से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं, उन्होंने पहले एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, सेवा दल और फिर राज्य कांग्रेस में बतौर उपाध्यक्ष काम किया है। उन्होंने माना, ह्लपार्टी मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कह रही थी। मैंने उनसे कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है और मैं इतना पैदल नहीं चल सकता। वीरेंद्र रावत का मुकाबला भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से है, बसपा उम्मीदवार से कांग्रेस के मुस्लिम और दलित वोटों में और कटौती की उम्मीद इसलिए की जा रही है, क्योंकि हाल ही में बसपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व राज्य सभा सांसद इसम सिंह, शिव सेना के उदयराज कांग्रेस में शामिल हो चुके है। हरीश रावत ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, वीरेंद्र रावत अगर मुझसे इक्कीस नहीं होंगे, तो मुझसे उन्नीस भी नहीं होंगे। आप उनको एक बार अवसर दीजिए। सेवा, समर्पण, विकास में वो आपके बीच में रहेंगे, आपके बीच में काम करेंगे। बसपा ने इस सीट से जमील अहमद को उम्मीदवार बनाया है।

पारदर्शिता चुनाव के लिए ईवीएम है सही

संजय गोस्वामी

ईवीएम से चुनाव होता है पारदर्शिता चुनाव लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है और इसके बिना तो लोकतंत्र की परिकल्पना करना भी मुश्किल है। चुनाव के द्वारा जनता (लोग) अपने प्रतिनिधियों को चुनती है। भारत में निर्वाचन आयोग लोक सभा, राज्य सभा, राज्य विधान सभाओं, देश के राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों का संचालन करता है। ऐसे संस्थान या परिषद जो रजिस्टर होता है को चलाने हेतु भी चुनाव का सहारा लेना पड़ता है जो सदस्यों द्वारा आम सभा बुलाकर किया जाता है चुनाव को लोग हमेशा जितने की दृष्टिकोण से ही देखते है जिससे ईमानदार व कभी सच्चे लोग नहीं मिलते हैं तब संस्था लूट का शिकार हो जाती है इसका मुख्य कारण है !

लोभ लोभ एक ऐसी मनोविकार है जो उसे गड्ढे में धकेल देता है एक साधारण से चुनाव का उदाहरण लेते है मान लें कोई चैटी कमीशनर से मान्य संस्था है जो किसी संस्था द्वारा फंड मिला है या जो सदस्य होते हैं वो एक अच्छी खासी रकम सदस्यों से मिलता है जब 400सौ होता है तो मनमानी ढंग से ए जी एम बुलाकर 1000रुपए कर देते हैं और जब चुनाव आता है तो सब कुछ नियम की धज्जिया उड़ाते हुए अपना साइड का इलेक्शन ऑफसर बनाते हैं और जब कोई उम्मीदवार अस्पताल में भर्ती भी हो जाए तो भी नियम का हवाला देकर बैलेट को बाहर लेकर खुद ही ट्रिक कर बहुत ही चालाकी से ऑनलाइन रिजल्ट शो कर जबरदस्ती जीत दर्ज करते हैं ऐसे में कोई विरोध करे तो उसपर मनगढंत आरोप लगाना चालू करते है !

ऐसे चुनाव अलोकतान्त्रिक और कानून की धज्जियाँ उड़ा देते है और कहते हैं हम तो आप ही के लिए खड़ा थे और फिर अगले चुनाव में भी नजर आते हैं और मनमानी करते हैं कोई कुछ बोलता नहीं और खूंटा गाड़ देते हैं !

इससे परिषद का नाम खराब होता है और अच्छे लोग उससे बाहर निकलते हैं और एक छत्र राज करते हैं ऐ मत भूलो कल क्या होगा ऐ हमेशा याद रखो की आपने चुनाव कराने के लिए ना तो आम सभा बुलाया और कौन से अधिकार से चुनाव अधिकारी रिजल्ट मनमानी ढंग से कर सकता है यही है बैलेट पेपर का चुनाव, धांधली और बूथ कैप्चर जो लोकतान्त्रिक नहीं है इवीएम मशीन कभी गलत नहीं होता ना ही कोई इसे लूट सकता है और ना ही बैलेट पेपर या मत पत्र बदल सकता है क्योंकि उसमें जीपीएस से लैस होता है और मॉक पोल में इलेक्शन एजेंट की उपस्थिति में 50मौक पोल किए जाते हैं जो वीवीपैट से जो पर्ची आती है !

उसका मिलान किया जाता है तभी ईवीएम मशीन को सील किया जाता है और उस समय जो फॉर्म सी एजेंट व पोलिंग अफसर को दिया जाता है वही काउंटिंग के समय दिखा दिया जाता है और मतों की गणना की जाती है जो बिलकुल पारदर्शी होता है क्योकि जो आप वोट देते है उस उम्मीदवार की पर्ची वी वीपैड से गिरते हुए दिखता है अतः ईवीएम से चुनाव बिलकुल पारदर्शिता होता है !

उसपर यदि कोई सबाल करे तो जहाँ जीत मिलती वहाँ चुप हो जाते हैं और जहाँ से जनता हार का जनादेश देती है उसी में क्यों खोट निकाल देते हैं आखिर वैलेट पेपर पर धांधली हो और ऐसा ही चुनाव चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में देखा गया और सुप्रीम कोर्ट ने नतीजा पलट दिया ऐ मेयर का चुनाव है !

इसलिए मायने रखता है लेकिन किसी सोसाइटी या परिषद के चुनाव में धांधली होती है तो लोग इस मुद्दे को डर से ठन्डे बसते में डाल देते हैं और जनादेश का अपमान होता है !

संक्षिप्त खबरें

ईद की खुशियों मे शामिल करे गरीबों को

अमरोहा। गुरुवार को ईद का त्योहार मनाया जाएगा। घरों में त्योहारी तैयारियां शुरू हो गई हैं। फिजा में चारों तरफ खुशियों का माहौल छाया है। ईद की खरीदारी के चलते बाजारों में भीड़ उमड़ रही है। वहीं, बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जिनके लिए त्योहार सिर्फ बोझ बनकर आते हैं। इसका कारण उनका आर्थिक रूप से कमजोर होना है। इस मजबूरी में लोगों की हसरत हर बार दिल में दबी रह जाती है। ईद पर इन लोगों की मदद की जिम्मेदारी अल्लाह ने जकात और फितरे की शक्ल में समाज में आर्थिक रूप से मजबूत लोगों पर तय की है। लेकिन इसके बावजूद ईद पर अपने आसपास रहने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों का ख्याल हमें जरूर रखना है। अगर आपके आसपास कोई इंसान भूखा है, मायूस है या आर्थिक तंगी के चलते परेशान है और आप हैसियतदार होते हुए भी उसका ख्याल नहीं रख रहे हैं तो फिर पाक महीने रमजान में की गई आपकी इबादत के कोई मायने नहीं रह जाते हैं। स्थानीय समाजसेवियों ने भी इस ओर समृद्ध लोगों से मदद की अपील की है।

गेस्ट हाउस पर पुलिस का छापा, दो युवतियां और छह युवक पकड़े

मंडी धनौरा।क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में अनैतिक कार्य की सूचना पर सोमवार की सुबह थाना बछरायूं पुलिस ने छापा मारा। पुलिस ने मौके से दो युवतियां व छह युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे थाने लाकर पूछताछ की गई। पुलिस ने युवक व युवतियों को उनके परिजनों को बुलाकर सौंप दिया है। सुबह मिली सूचना पर बछरायूं पुलिस ने अधिकारियों के संज्ञान में लाकर गेस्ट हाउस पर छापा मारा। मौके से दो युवतियां व छह युवकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस सभी को लेकर थाने आ गई। यहां युवतियों व युवकों से पूछताछ की गई।पुलिस ने गेस्ट हाउस संचालक को भी मौके पर बुला लिया। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि पूछताछ के दौरान मौके पर कोई भी अनैतिक कार्य होते नहीं पाया गया है और सभी युवक व युवतियां बालिग हैं। उनके परिजनों को थाने बुलाकर उनको चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। सीओ का कहना था कि पुलिस अब सादे कपडों में नगर के सभी गेस्ट हाउस पर लगातार निगरानी रखेगी। करीब एक महीने पहले भी थाना धनौरा पुलिस ने अनैतिक कार्य की सूचना पर गेस्ट हाउस पर छापा मारा था। लेकिन, पुलिस को वहां कुछ नहीं मिला था।

अजय राय ने भाजपा में शामिल होने की चर्चा पर दी सफाई

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के भाजपा में शामिल होने की चचाओं के बीच उन्होंने सफाई दी है। अजय राय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं फिर कहूंगा भाजपा के लोग भ्रम में नहीं रहें, काशी में लड़ाई चौकस होगी और चौचक होगी। वीडियो बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा अफवाह फैला रही है, उसका खंडन करता हूं। भाजपा के लोग लगातार भ्रम पैदा कर रहे हैं। मैं संगठन के कार्य से मथुरा जा रहा हूं। भाजपा पूरी तरीके से अफवाह फैला रही है। बता दें कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहले भाजपा में थे। वह तीन बार इसी पार्टी से विधायक भी रह चुके हैं।

पवन कुमार श्रीवास्तव ने मंडल सुरक्षा आयुक्त का पदभार किया ग्रहण

पवन कुमार श्रीवास्तव ने पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल पर मंडल सुरक्षा आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया है। आपने वर्ष 2009 में आई.आई.टी. खड़गपुर से माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स में परास्नातक की उपाधि प्राप्त करने के उपरांत वर्ष 2016 में भारतीय रेल सुरक्षा बल सेवा के माध्यम से रेल सेवा में पदार्पण किया। आप मध्य रेलवे के कल्याण में सहायक सुरक्षा आयुक्त और पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल में सुरक्षा आयुक्त तथा पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में मंडल सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार बखूबी निभा चुके हैं। आपको रेल सेवा में आने से पूर्व 3.5 वर्ष का इण्टरकारपोरेशन (यूएसए) में कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त है।

इंडिया गठबंधन को राम मंदिर से पहले भी नफरत थी, आज भी है : पीएम मोदी

पीलीभीत, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन ने प्रभु राम का अपमान किया है। उन्हें राम मंदिर से नफरत है। इसी कारण उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकरा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पीलीभीत में भाजपा के प्रत्याशी जितिन प्रसाद के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विपक्षी गठबंधन पर पीएम मोदी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर न बने, इसके लिए कांग्रेस ने लाख कोशिश की, लेकिन जब देश की जनता ने पाई-पाई देकर इतना भव्य मंदिर बना दिया और जब मंदिर वालों ने आपके सारे गुनाह माफ कर प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित किया, लेकिन आपने (कांग्रेस) आमंत्रण को ठुकरा कर भगवान राम का अपमान किया और जो नेता प्राण प्रतिष्ठा में गए, उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे कल्याण सिंह जी ने राम मंदिर के लिए अपना जीवन और सरकार समर्पित कर दी। देश के हर परिवार ने अपनी-अपनी श्रद्धा के अनुसार योगदान दिया। लेकिन इंडी गठबंधन वालों को राम मंदिर के निर्माण से पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। पीएम मोदी ने कहा कि पीलीभीत की धरती पर माता यशवंतरी देवी का आशीर्वाद है। यहां आदि गंगा मां गोमती का उद्गम स्थल है। आज नवरात्रि के पहले दिन मैं देश को ये भी याद दिला रहा हूं कि कैसे इंडी गठबंधन ने शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है। आज देश में जिस शक्ति की पूजा हो रही है, उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र लग रहा है। सपा और कांग्रेस सीएए का विरोध कर रही है। विपक्षी गठबंधन भारत को बांटने की साजिश में जुटा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस शक्ति के आगे हम शीश झुकाते हैं, उस शक्ति को उखाड़ फेंकने की बात ये कांग्रेस के नेता कर रहे हैं। पीम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन को देश की महान विभूतियों का अपमान करने में भी संकोच नहीं होता। कांग्रेस के या समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आज तक कभी स्टैच्यू आफ यूनिटी नहीं गए। ये लोग विदेश घूम आते हैं, लेकिन अपने ही देश में सरदार पटेल की प्रतिमा का दर्शन नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह पूरा क्षेत्र खेती किसानी के लिए भी जाना जाता है। 10 वर्ष पहले किसानों की क्या हालत थी, यूरिया की कालाबाजारी होती थी, किसानों पर लाठीचार्ज होता था। आज यूरिया पर्याप्त मात्रा में मिल रही है। यूरिया की बोरी पहले तीन हजार रुपये में मिलती थी, लेकिन हमारी सरकार तीन सौ रुपये से कम में दे रही है। किसानों को सम्मान निधि मिल रही है। किसानों के बैंक खातों में 70 करोड़ हजार रुपये मोदी सरकार ने पहुंचाया है। 850 करोड़ रुपये पीलीभीत के किसानों के बैंक खातों में पहुंचे हैं। पीएम ने कहा कि कांग्रेस और सपा के राज में गन्ना किसानों को कैसे अपने ही पैसे के लिए तरसाया जाता था। यह आपसे अच्छा कौन जानता है। भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों की परेशानी को कम करने के लिए पूरी ताकत से काम किया है। कई चीनी मिलें खुली हैं, कई का विस्तार हुआ है और ये काम लगातार जारी है।

चैत्र नवरात्र शुरू मंदिरों में लगने लगीं भक्तों की लाइन

प्रात : किरण, संवाददाता

अमरोहा। चैत्र नवरात्र मंगलवार से शुरू हो गए हैं। सभी देवी मंदिरों में सुबह से पूजा-अर्चना करने के लिए लाइन लगी हुई हैं। इससे पहले सोमवार शाम तक सभी मंदिरों में पूजन और हवन के लिए तैयारियां की गईं। मंगलवार से नौ दिन तक सुबह हवन-पूजन और शाम को भजन-कीर्तन का दौर चलेगा। ज्योतिषाचार्य पंडित ऋषिकेश शुक्ल ने बताया कि इस बार घोड़े पर सवार होकर मां दुर्गा आ रही हैं। माता रानी की विदाई हाथी पर होगी जो कि शुभ माना गया है। मंगलवार को रेवती नक्षत्र वैधृति योग मीन राशि में बुध शुक्र चंद्र स्थिति रहेंगे जो कि शुभकारी है। कलश स्थापना सुबह छह बजे से 10 बजकर 14 मिनट तक की जा सकती है। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 56 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक रहेगा इस बार चैत्र शुक्ल की अष्टमी तिथि 15 अप्रैल को दोपहर तीन बजकर 16 मिनट से शुरू होगी और 16 अप्रैल को दोपहर चार बजकर 17 मिनट पर समाप्त होगी। महाष्टमी 16 अप्रैल को मनाई जाएगी। नवमी तिथि 16 अप्रैल को शाम चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर 17 अप्रैल को शाम पांच बजकर 22 मिनट तक रहेगी।महानवमी 17 अप्रैल को मनाई जाएगी। इसी दिन दोपहर 12 बजे के नवरात्र व्रत का पारण भी किया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि नवरात्र में पांच दिव्य राजयोग का महासंयोग बन रहा है। गजकेसरी योग, लक्ष्मी नारायण योग, शशराज योग, बुधादित्य योग और मालव्य राजयोग बन रहा है। इन राजयोग के अलावा सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का भी संयोग बना है।

नगरपालिका ने अभियान चलाकर पकड़े आवारा कुत्ते

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। शहर में बढ़ते आवारा आतंक के बीच नगर पालिका ने मंगलवार को अभियान चलाया। आवारा कुत्तों को पकड़वाकर बिजनौर के एबीसी सेंटर भेजा गया। शहर के मोहल्ला कुरैशी, कटकुई और चौक में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक से लोग परेशान हैं। स्थानीय बाशिंदों के साथ ही समाजसेवी संगठनों ने कुत्तों को पकड़वाए जाने की मांग उठाई थी। मंगलवार को पालिका प्रशासन ने इस ओर अभियान चलाया। आवारा कुत्तों के पकड़े जाने के बाद आबादी ने राहत की सांस ली। ईओ डॉ. बृजेश कुमार ने आबादी को आवारा कुत्तों से निजात दिलाने को प्राथमिकता बताया। बताया कि मंगलवार को 20 आवारा कुत्तों को पकड़ते हुए बिजनौर की संस्था को सौंपा गया है।

इंडिया गठबंधन से भाजपा परेशान : डिंपल

मैनपुरी, एजेंसी

मैनपुरी लोकसभा सीट से समाजवादी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने कहा है कि जब से इंडिया गठबंधन बना है, तब से भारतीय जनता पार्टी परेशान है। वह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया भी बोलने में हिचकिचा रही है। क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए डिंपल ने कहा कि इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहा है और लोगों का भरपूर समर्थन भी मिल रहा है। भाजपा के वादों पर तंज करते हुए डिंपल यादव ने कहा कि केंद्र में जब भाजपा की सरकार आई, तो उन्होंने कहा था सभी के खाते में 15 लाख रुपये आएंगे, हर साल दो करोड लोगों को नौकरी मिलेगी, गैस सिलेंडर सस्ते होंगे, पेट्रोल और डीजल के दाम काम कर दिए जाएंगे, बिजली की व्यवस्था में सुधार होगा, लेकिन दस साल बाद ऐसा कुछ नहीं हुआ। सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही। मुझे भरोसा है कि लोगों का प्यार व समर्थन समाजवादी पार्टी को मिलेगा। भाजपा पर हमला करते हुए डिंपल ने कहा कि सरकार में खलबली मची हुई है, जनाधार घटता हुआ दिखाई दे रहा है। लोग खुश नहीं है, वे समझ चुके हैं कि इनकी करनी और कथनी में बहुत फर्क है। डिंपल यादव ने कहा सरकार संस्थाओं का कन्नौज में भी दुरुपयोग किया गया था और पिछले चुनाव में मैनपुरी में भी। लेकिन हमारे लोगों ने बहुत दृढ़ता के साथ उनका मुकाबला किया। आप देखेंगे कि इस बार का रिजल्ट पिछली बार से भी अच्छा रहेगा। मैनपुरी में यूपी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के सवाल पर डिंपल यादव ने कहा कि इससे अच्छा और कुछ नहीं होगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रचार को लेकर डिंपल यादव ने कहा, मैनपुरी समाजवादी विचारधारा की भूमि है, ऐसे लोगों के यहां आने का कोई मतलब नहीं है। इनकी विचारधारा को यहां तवज्जो नहीं दिया जाता। ऐसे में मोहन यादव निरर्थक प्रयास कर रहे हैं। चुनाव प्रचार में डिंपल यादव के साथ उनकी पुत्री अदिति और पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव भी थे।

बदायूं सीट पर विवाद के बीच शिवपाल यादव ने कहा, मैं यहां से लड़ रहा हूं

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव का कहना है कि हमारे प्रतिद्वंद्वियों द्वारा अनावश्यक रूप से विवाद पैदा किया जा रहा है। यह पार्टी और जनता को तय करना है कि बदायूं सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा। मुझे उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है और जब तक पार्टी अपना मन नहीं बदलती, मैं इस सीट से चुनाव लड़ रहा हूं। बदायूं सीट को लेकर अपने और अपने बेटे आदित्य यादव के बीच ह्यखींचतानह्ल की खबरों से परेशान शिवपाल ने मंगलवार को कहा, हमारे लिए हर सीट पारिवारिक सीट है, चाहे वह बदायूं हो, आजमगढ़ हो, मैनपुरी हो या कन्नौज हो। किसी तरह का कोई झगड़ा नहीं है। कुछ लोग चाहते थे कि आदित्य बदायूं से चुनाव लड़े और उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को एक पत्र भेजा था जिसके बाद अटकलें शुरू हो गईं। पूर्व सांसद सलीम शेरवानी और पूर्व विधायक आबिद रजा जैसे वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने के बाद शिवपाल यादव ने उन चचाओं का जोरदार खंडन किया कि बदायूं अब परिवार के लिए सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे उन दोनों के साथ बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध हैं और मुझे उनके समर्थन का भरोसा है। इनमें से कोई भी चुनाव नहीं लड़ रहा है और वे हमारे साथ रहेंगे। ऐसे खबरें सामने आईं कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बदायूं में शिवपाल के लिए प्रचार करने के इच्छुक नहीं थे। इस पर उन्होंने कहा, ह्लहमने उनके लिए कम से कम दो सार्वजनिक सभाओं की योजना बनाई है। एक बदायूं और दूसरा गुन्नौर में होगा। दोनों बैठकों का कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अपनी अन्य व्यस्तताओं के अनुरूप तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद से प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया (पीएसपी-एल) के अध्यक्ष के रूप में मैंने 2019 का लोकसभा चुनाव बेहद विषम परिस्थितियों में लड़ा था। पारिवारिक कलह अपने चरम पर थी। यह पिच मेरे लिए नई नहीं है। शिवपाल यादव ने अपने बड़े भाई मुलायम सिंह को याद करते हुए कहा, यह पहला लोकसभा चुनाव होगा जब नेताजी नहीं होंगे। उनकी मौजूदगी को पूरा परिवार, पार्टी कार्यकर्ता और लोग मिस कर रहे हैं। हालांकि, इससे विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ने, उनके मूल्यों और विचारधारा को बनाए रखने का हमारा संकल्प भी मजबूत हुआ है। पिछले महीने मुख्तार अंसारी की मौत हो गई थी। उनके परिवार से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की यात्रा पर विवाद पर टिप्पणी करने के लिए पूछे जाने पर, शिवपाल ने कहा, ह्लमुख्तार की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। वह एक प्रतिष्ठित परिवार से थे और हम उन्हें वर्षों से जानते हैं। परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने में क्या गलत है? यह शर्मनाक है कि कैसे कुछ लोग मृतकों का सम्मान करना भी नहीं जानते।

बिजनौर में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़, नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

बिजनौर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की किरतपुर थाना पुलिस और बदमाशों के बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में घायल दो बदमाशों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि फरार हुए उनके तीन साथियों को कांबिंग के दौरान पकड़ा गया। शहर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेयी ने मंगलवार को बताया कि लोकल इंटेलिजेंस से सूचना मिली थी कि किरतपुर थाना अंतर्गत निमार्णाधीन अमन कॉलोनी में अर्द्धनिर्मित मकान के पास दो मोटरसाइकिल पर पांच बदमाश किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों की घेराबंदी करते हुए उनकी गिरफ्तारी का प्रयास किया। लेकिन बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कारवाई की। इसमें दो बदमाश सोमपाल और बंटी पैर में गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें पकड़ लिया गया। जबकि नाबालिग समेत तीन अन्य बदमाशों को कांबिंग के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों से दो तमंचा 315 बोर, एक तंमचा 12 बोर, 8 जिंदा कारतूस, 7 खोखा कारतूस, 2 चाकू, दो मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट की और करीब 28 हजार रुपए कैश बरामद किए।

एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान सोमपाल, बंटी, श्याम, सूरज व एक नाबालिग के रूप में हुई। एएसपी ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान गोलीबारी में एक पुलिस हेड कांस्टेबल परवेन्द्र कुमार भी घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल बिजनौर में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने कहा कि आरोपी सोमपाल ने पुलिस पुछताछ में बताया कि वे लोग अमरोहा जनपद और बिजनौर में भोली-भाली महिलाओं से पता पूछने के बहाने उनकी सोने की चेन झपट लेते थे। सोमपाल के खिलाफ लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट में 10 मुकदमे दर्ज हैं।

सबकी इच्छा कि राहुल-प्रियंका अमेठी-रायबरेली से चुनाव लड़े : अखिलेश

देवरिया, एजेंसी

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और इंडिया समूह से देवरिया लोकसभा से प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को कहा कि सबकी इच्छा है कि कांग्रेस के राहुल गाँधी और प्रियंका गाँधी वाड्रा अमेठी और रायबरेली से इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़े। श्री सिंह ने पत्रकारों से कहा कि अमेठी हो या रायबरेली, दोनों ही लोकसभा क्षेत्र नेहरू परिवार का क्षेत्र है। अमेठी, रायबरेली के साथ-साथ प्रदेश की जनता और कांग्रेस की इच्छा है कि राहुल और प्रियंका गाँधी बाड्रा अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़े। उन्होंने कहा कि लड़ना और लड़ाना पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और कमेटी का काम है। यह प्रियंका और राहुल गाँधी पर निर्भर है कि वे वहाँ से लड़ना चाहते हैं,कि नहीं, लेकिन सबकी इच्छा है कि वे लोग वहाँ से चुनाव लड़े। भाजपा सांसद स्मृति ईरानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे अमेठी में अपनी एक उपलब्धि बता नहीं पा रही हैं। सिर्फ बड़बोलेपन और अमर्यादित टिप्पणी से सुर्खियों में रह सकती हैं। अमेठी का जो गौरव था तथा राहुल और सोनिया गाँधी के समय जो वहाँ विकास होता था। उसको आगे बढ़ाने एक रत्ती भी कार्य स्मृति ईरानी ने नहीं किया है। वहाँ के लोग दुखी हैं। अमेठी में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। वहाँ न तो कोई बड़ी फैक्ट्रियां आई न कोई ढंग का स्टेशन है। न कोई नया कारोबार वहाँ आया। इस बड़बोलेपन का वहाँ की जनता जवाब देगी।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से महिला की मौत

प्रात : किरण, संवाददाता

गजरौला। नगर निवासी महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे झोलाछाप के पास उपचार के लिए ले जाया गया। इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। महिला को दूसरी जगह ले जाया गया तब तक उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पेट दर्द की शिकायत पर झोलाछाप के यहां लाई गई महिला की इंजेक्शन लगाए जाने के बाद हालत बिगड़ गई।जिसके बाद उसे पाकबड़ा के अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर महिला को मृत घोषित कर दिया गया। परिजन रात में ही शव को गांव ले आए। सुबह झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन लगाकर मारने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। सीओ गांव में पहुंचे। मृतका के परिजनों और ग्रामीणों से जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर गौसाईं निवासी जगदीश प्रजापति उर्फ अनित राज मिस्त्री हैं।उनकी 31 वर्षीय पत्नी सुंदरी को सोमवार की रात एक बजे अचानक पेट में दर्द की शिकायत हुई। परिजन सुंदरी को इलाज के लिए गांव के ही झोलाछाप के यहां ले गए। उसने इलाज शुरू कर दिया। उसे इंजेक्शन लगाया। आधे घंटे की कोशिश के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ।बल्कि हालत बिगड़ गई। जिस पर झोलाछाप ने हाथ खड़े कर दिए और बाहर ले जाने की सलाह दी। परिजन सुंदरी को पाकबड़ा के एक अस्पताल में ले गए। जहां पर मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को घर ले आए।मंगलवार को दिन निकलते ही परिजनों ने झोलाछाप को सुंदरी की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। आरोप लगाया कि गलत इंजेक्शन लगाने से उसकी मौत हुई है। यूपी-112 को फोन कर सूचना दी। सूचना पाकर पुलिसकर्मी गांव में पहुंचे। सीओ श्वेताभ भास्कर भी गांव में गए।मृतका के परिजनों और ग्रामीणों से जानकारी ली। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि गांव में महिला की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन का आरोप लगाया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि अभी तहरीर नहीं मिली है।पंचायत ने तीन लाख में रफा दफा कर दिया मामला गांव के ही झोलाछाप पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप सामने आने पर गांव के कुछ लोग मामला पंचायत के माध्यम से रफा दफा करने के प्रयास में जुट गए। बताया जाता है कि सभी समाज के चुनिंदा लोगों की पंचायत बैठी।ग्राम प्रधान ओमकार सैनी का कहना है कि उनकी मौजूदगी में हुई पंचायत में यह तय हुआ कि मृतका के परिजन कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। मृतका के तीन बच्चे हैं। उनके पालन पोषण में दिक्कत न आए, इसलिए पंचायत में यह फैसला हुआ कि झोलाछाप राजमिस्त्री जगदीश को तीन लाख रुपये देगा।झोलाछाप की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं हैं। उसकी पत्नी हादसे में घायल होने के कारण निजी अस्पताल में जिंदगी मौत के बीच झूल रही है। इसलिए झोलाछाप के भाई ने तीन लाख रुपये देने की जिम्मेदारी ली है।

उप्र : मुठभेड़ में दो बदमाश और एक पुलिसकर्मी जख्मी, पांच बदमाश गिरफ्तार

बिजनौर, एजेंसी

बिजनौर जिले के किरतपुर में हुई मुठभेड़ में दो बदमाश और एक पुलिसकर्मी जख्मी हो गया। मुठभेड़ के बाद सभी पांचों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेई ने मंगलवार को बताया कि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किरतपुर थाना क्षेत्र में स्थित एक निमार्णाधीन कॉलोनी में छापा मारा। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चलाईं जिससे मुख्य आरक्षी परविंदर कुमार घायल हो गया। एक गोली थाना प्रभारी उदय प्रताप की बुलेट प्रूफ जैकेट में भी लगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में सोमपाल और बंटी नामक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। वाजपेई ने बताया कि पुलिस ने इन दोनों बदमाशों के साथ-साथ उनके दो साथियों श्याम तथा सूरज और एक नाबालिग बदमाश को पकड़ लिया। वाजपेई ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के पास से तीन तमंचे, दो चाकू, दो मोटरसाइकिल और 28 हजार रूपए नकद बरामद किए गए हैं।

पीलीभीत पहुंचे पीएम मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया में बज रहा भारत का डंका

पीलीभीत, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। यह आपके वोट की ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पीलीभीत में भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपके वोट से मजबूत सरकार बनी है। भाजपा सरकार ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत किसी से कम नहीं है। जब नीयत सही होती है, हौसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी सही मिलते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम लोग विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहे हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई आर्थिक ताकत बना है। हमारे चंद्रयान ने चांद पर तिरंगा फहराया। भारत में आयोजित जी-20 की पूरी दुनिया में प्रशंसा हुई है। सारी दुनिया की मुश्किलों के बीच भारत आज दिखा रहा है कि उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि कभी कांग्रेस सरकार दुनिया से मदद मांगती थीं, लेकिन कोरोना के महासंकट में भारत ने पूरी दुनिया में दवाइयां और वैक्सीन भेजी। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में कहीं भी युद्ध का संकट आया, हम एक-एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाए। अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के ग्रंथों को पूरी श्रद्धा से भारत लाए और ये सब आपके एक वोट की ताकत से हुआ है। उन्होंने कहा कि जब नीयत सही होती है, हौसले बुलंद होते हैं, तो नतीजे भी सही मिलते हैं। आज हम चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते हुए देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में नववर्ष मनाया जा रहा है। आज विक्रम संवत 2081 का पहला दिन है। मैं समस्त देशवासियों को उगाडी, गुड़ी-पड़वा, चेती-चांद, नवरेह और साजिबु-चेरोबा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आज से चैत्र नवरात्रि भी शुरू हो गई है। देशभर में शक्ति उपासना की धूम मची है। हर कोई भक्ति में डूबा हुआ है, शक्ति उपासना में जुटा हुआ है। कुछ ही दिन में बैसाखी भी आने वाली है, मैं आपको बैसाखी की भी शुभकामनाएं देता हूं।

डीएम ने देवीपाटन मंदिर का भ्रमण कर सुरक्षा एवं साफ सफाई का लिया जायजा

बलरामपुर, एजेंसी

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मां पाटेश्वरी के दर्शन करने के लिए आने वाले देश विदेश से लाखों श्रद्धालु को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराए जाने एवं देवीपाटन मेल को भव्य एवं सकुशल रूप से संपन्न कराए जाने हेतु डीएम श्री अरविंद सिंह द्वारा देवीपाटन मंदिर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पेयजल, भीड़ प्रबंधन आदि का जायजा लिया गया। उन्होंने निर्देश दिए के सभी पुलिस बल द्वारा ड्यूटी स्थल पर चौकन्ना रहते हुए मेला संपन्न कराए। दर्शन एवं मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ अत्यंत शिष्ट व्यवहार रखा जाए। नेपाल राष्ट्र से आने वाले श्रद्धालुओं को बॉर्डर पर परेशानी ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने मंदिर परिसर एवं मेले में साफ सफाई की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया, कहा कि रोस्टर के अनुसार सभी सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित किया जाए। डीएम की विशेष पहल पर मंडल से देवीपाटन मेले के लिए अतिरिक्त 90 सफाई कर्मचारी मिले हैं। वन विभाग के अधिकारियों को वन क्षेत्र में विशेष निगरानी करते हुए तेंदुए एवं अन्य जंगली जानवर के हमले को रोके जाने का निर्देश दिया। यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन आदि के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महिला शक्ति की आराधना के विशेष पर्व चैत्र नवरात्रि पर डीएम श्री सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सिंह द्वारा थारू महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अभिनव पहल की गई हैं। डीएम एवं उनकी धर्मपत्नी के पहल पर थारू जनजाति की विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा मंदिर परिसर में पूजा सामग्री एवं अन्य उत्पादों का स्टॉल लगाया जा रहा है, जिससे आमदनी के साथ-साथ उत्पादों का प्रचार-प्रसार भी हो रहा है। डीएम ने सपरिवार थारू जनजाति महिला स्वयं सहायता समूह के स्टॉल का अवलोकन एवं निरीक्षण किया, डीएम के नन्हे मुन्ने बच्चों ने थारू महिलाओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ट्रक से टकराकर पलटी श्रद्धालुओं से भरी बस : तीन श्रद्धालुओं की मौत

बिजनौर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी एक बस के सामने से आ रहे ट्रक से टकराकर पलट जाने से एक किशोरी सहित तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने मंगलवार को बताया कि उन्नाव जिले से आ रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस विंध्यवासिनी देवी के दर्शन के लिए विंध्याचल जा रही थी। उनहोंने बताया कि आठ/नौ अप्रैल की दरमियानी रात हथिगवां क्षेत्र में फूलमति बिसहिया नहर के पास लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर उनकी बस एक ट्रक से टकरा कर पलट गयी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस में ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकलवाया सभी घायलों को स्थानीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों नें संध्या (12), कृष्ण कुमार (50) और बासु (35) को मृत घोषित कर दिया, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गये हैं। राय ने बताया कि हादसे में घायल 10 अन्य लोगों का उपचार किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने शराब के साथ युवक को किया गिरफ्तार

चांद । पुलिस ने शराब की तस्करी में लिप्त युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इस संबंध में थाना प्रभारी मो इरफान रजा ने कहा पुलिस सूचना के आधार पर बड़ी कारवाई की। उन्होंने ने कहा पुलिस को सूचना मिली थाना के कुछ दूरी पर चांद गांव निवासी नन्दलाल चौरसिया शराब का धंधा रहा है।पुलिस ने मंगलवार को सुबह छापेमारी कर शराब धंधेबाज नन्दलाल चौरसिया को गिरफ्तार किया।पुलिस ने धंधेबाज के यहां से 41 पीस अंग्रेजी शराब यानी 7 लीटर बरामद किया।पुलिस ने युवक की मेडिकल चेकअप के बाद जेल भेज दिया।

बाल विवाह व मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया

बिक्रमगंज/रोहतास।मंगलवार को स्थानीय प्रखंड अंतर्गत अल्प वोटर बूथ संख्या 45 और 46 उच्च विद्यालय शिवपुर उत्तरी दक्षिणी में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी बिक्रमगंज शशि कुमारी एवं महिला पर्यवेक्षिका कुसुम कुमारी के नेतृत्व में सेविका ज्योति सिंह, कुंती देवी एवं उर्मिला देवी के द्वारा संयुक्त रूप से वैसे वोटर जो कामकाज हेतु एवं नौकरी पेशा करने वाले व्यक्ति के अभिभावकों एवं वोटरों को आगामी 1 जून 2024 को होने वाले लोक सभा चुनाव में निष्पक्ष व निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।वैसे सभी मतदाताओं से मतदान के दिन अपने गांव आने और अपने वोट का अपने स्वेच्छा से प्रयोग कर देश का जिमवर नागरिक बनने और लोकतंत्र का महापर्व मनाने साथ ही साथ बाल विवाह संबंधी जागरूकता अभियान भी चलाया गया । जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह एक कानून अपराध है, बाल विवाह एक अभिशाप है के सम्बंध में जानकारी दिया गया।इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह एक्ट के तहत बाल विवाह करने एवं बाल विवाह में सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई एवं जेल भी हो सकती है।

अनियंत्रित बोलेरो ने सड़क किनारे जा रहे बालक को रौंदा,मौत

आरा।भोजपुर जिले के गजराजगंज थाना क्षेत्र के करीसाथ गांव में मंगलवार की दोपहर अनियंत्रित बोलेरो ने सड़क किनारे जा रहे हैं एक बालक को रौंद दिया।हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही।जानकारी के अनुसार मृत बालक रोहतास जिला के दावथ थाना क्षेत्र के बभनी गांव निवासी विकास मुसहर का 8 वर्षीय पुत्र विवेक मुसहर है एवं वह चौथी कक्षा का छात्र था। इधर मृत बालक की नानी दशहरी देवी ने बताया कि वह एक सप्ताह पूर्व अपनी बेटी सरिता के ससुराल रोहतास के बभनी गांव गई थी।वहां से वह अपने नाती विवेक कुमार एवं नतनी बिंदा को अपने साथ अपने घर ले आई थी।मंगलवार की दोपहर वह अपने नाती विवेक कुमार एवं नतनी बिंदा के साथ करीसाथ गांव अपने भतीजे उपेंद्र के घर न्योता देने जा रही थी। इस दौरान करीसाथ गांव स्थित दुर्गा मंदिर के समीप पीछे से आ रही अनियंत्रित बोलेरो ने उनके नाती विवेक कुमार को रौंद दिया।जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया जा रहा था। तभी उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।बावजूद इसके परिजन उसे इलाज के आरा सदर अस्पताल ले आए।जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया।

भोजपुर सड़क हादसे में जख्मी अधेड़ व्यक्ति की मौत

आरा। भोजपुर जिले में हुए सड़क हादसे में जख्मी एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। इलाज के दौरान पटना के निजी अस्पताल में मंगलवार की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी स्व.बृंदा सिंह के 57 वर्षीय पुत्र दयानंद सिंह है एवं वह पेशे से किसान थे। बता दे की बीते गुरुवार की रात चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी राम लाल सिंह की पत्नी गुंजा देवी की हृदय गति रुकने के कारण मौत हो गई थी। जिसको लेकर सभी लोग सवारी गाड़ी रिजर्व कर उनके पार्थिव शरीर का दाह-संस्कार करने के लिए बक्सर जा रहे थे। जाने के क्रम में बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर धनगाई थाना क्षेत्र के औरैया टोला गांव के समीप उनकी सवारी गाड़ियां अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। जिसमें चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव निवासी स्व. मुसाफिर सिंह के 65 वर्षीय पुत्र व मृतका गुंजा देवी के पति राम लाल सिंह, बिंदेश्वरी सिंह के 40 वर्षीय पुत्र कमलेश सिंह एवं स्व. बबन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र कृष्ण सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। जबकि दयानंद सिंह व पुत्र पवन कुमार समेत छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे।

बिजली ट्रांसफार्मर के चपेट में आने से सात लोगों की मौत

एक ही परिवार के सभी लोग जिंदा जले, घटना के बाद लोगों में मची आगरा-तफरी

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) रोहतास जिला अंतर्गत काराकाट प्रखंड क्षेत्र के इब्राहिमपुर में मंगलवार को दिन के एक से दो बजे के बीच एक दुखद घटना घटी, जहां एक घर में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई । मरने वालों में पांच बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं । जिसमें एक महिला सात माह का प्रेग्नेंट बताई जाती है । परिजनों की माने तो आग की शुरूआत पास के ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी से हुई, जिसने झोपड़ी नुमा घर को जल्दी ही अपनी चपेट में ले लिया । घटना के बारे में यह भी बताया जाता है कि लकड़ी और पतेल पुआल के सहारे चारो ओर से करकट से झोपड़ी को बनाया गया था । जिसकी आगे से दरवाजे बनाया गया था । वही ट्रांसफॉर्मर के कारण आग लगी तो करकट से घिरा झोपड़ी में भी करेंट आ गई । परिवार के सभी लोग करेंट के चपेट में आ गए जिस कारण परिवार के लोग भागने में असमर्थ रहे । आग में झुलसने से छह की मौके मौत हुई वही एक की मौत सदर अस्पताल सासाराम में जाकर हो गयी । परिवार के छह जिनकी मौत हो गई इस प्रकार पुष्पा देवी उर्फ पूषा देवी उम्र 30 वर्ष पति देवराज चौधरी, बजरंगी कुमार उम्र 6 वर्ष, काजल कुमारी उम्र 4 वर्ष गुडिया कुमारी उम्र 1 वर्ष, तीनो बच्चों के पिता देवराज चौधरी ये सभी ग्राम बड़हर टोला थाना जगदीशपुर जिला भोजपुर आरा कांति कुमारी उम्र 6 वर्ष पिता शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर , माया देवी उम्र 25 वर्ष जो सात माह से गर्ववती थी पति दीपक चौधरी ग्राम लेमद्रा थाना विशावदर जिला जुनागढ़ (गुजरात), शिवानी कुमारी उम्र 3 वर्ष पिता देवराज चौधरी ग्राम बडहरोला थाना जगदीशपुर जिला भोजपुर आरा, राजू देवी उम्र 45 वर्ष पति शामा चौधरी ग्राम रामनगर थाना तरारी जिला भोजपुर पैतृक निवास था जो करीब एक वर्ष से झोपड़ी बनाकर हर रहे थे । वही घटनास्थल पर पहुंचे काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह , एसडीएम अनिल बसाक , कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार , काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह, सीओ डॉ रितेश कुमार सिंह , अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि गण मौजूद थे । घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए एसडीएम श्री बसाक ने कहा कि घटना में जितनी भी मौत हुई है , उन सभी को उचित मुआवजा दी जाएगी । उन सबको जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराई जाएगी । साथ ही साथ उन्होंने घटना की जांच कराने का आश्वासन मृतक के परिजनों को दी । तो वही काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह ने मामले की गहनता से जांचकर मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने के लिए सरकार और जिला के वरीय पदाधिकारी से मांग की । वही थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने घटना के बारे में बताया कि यह घटना खाना बनाने के बाद का है जिस वक्त आग का अवशेष भाग बचा था जो आगे चलकर विकराल रूप ले लिया । जिससे यह घटना घटित हुई ।

दारोगा बनकर कर रहा था ट्रक चालक से उगाही, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर पेट्रोल पंप के समीप सोमवार को देर रात बड़हरा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की वर्दी पहने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी। मिली जानकारी के अनुसार बड़हरा थाना की पुलिस रात्रि गस्ती कर रही थी इसी दौरान पुलिस की नजर एक वर्दी पहने व्यक्ति पर पड़ी जो ट्रक चालकों से पैसे की वसूली कर रहा था।जिसके बाद दरोगा की वर्दी पहने व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ के क्रम में पता चला कि ये फर्जी दरोगा है।

गिरफ्तार व्यक्ति सारण जिले के एकमा थाना निवासी अनिल कुमार का 46 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार बताया जाता है। पुलिस की माने तो ये फर्जी दरोगा विगत कई महीनों से बालू लदे ट्रक से अवैध वसूली करता था। पुलिस ने बीती रात इसे ट्रक से अवैध वसूली करते हुए पकड़ा है।

पुलिस ने गिरफ्तार फर्जी दरोगा के पास से 1700 रुपये, आधार कार्ड,पुलिस का लोगो लगा हुआ टाटा नेक्सन कार,दो एंड्राइड मोबाइल, दरोगा की वर्दी,पुलिस बेल्ट, बिहार पुलिस का बैच लगा हुआ ब्लू रंग का टोपी,वर्दी में नेम प्लेट, दो सोल्डर बैच जिसपर दो दो स्टार,पुलिस बेल्ट,पुलिस का जूता बरमाद किया हैं। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में इनके गिरोह में संलिप्त व्यक्तियों का पता किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस द्वारा इनके विरुद्ध कांड दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

हथियारबंद अपराधियों ने ट्रक चालक को मारी गोली

जख्मी चालक इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी से पटना रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के हरीपुरा पैसठवा बालू घाट स्थित पेट्रोल पंप के समीप हथियारबंद अपराधियों ने झारखंड निवासी एक ट्रक चालक को गोली मार दी। जख्मी चालक को गोली दाहिने पैर में जांघ पर लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसके साथ रहे खलासी द्वारा इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जख्मी चालक से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली। इसके पश्चात पुलिसमामले की छानबीन में जुट गई हैं। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक झारखंड के देवघर निवासी जयराम यादव का 28 वर्षीय पुत्र विक्रम कुमार है एवं वह पेशे से ट्रक चालक है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार की देर शाम वह हरीपुर गांव स्थित पैसठवा बालू घाट पर ट्रक पर बालू लोड कर छपरा जा रहा था। जाने के क्रम में वह हरिपुर पैसठवा बालू घाट स्थित पेट्रोल पंप के पास ट्रक रोक कर खेत में लघुशंका करने के लिए गया। जहां पर पहले से दो हथियारबंद अपराधी बैठे हुए थे। तभी उक्त अपराधियों से उसके बीच विवाद हो गया। जिसको लेकर उक्त अपराधियों ने उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। वहीं इस मामले में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि जख्मी चालक ट्रक पर बालू लोड कर छपरा जा रहा था। जाने क्रम में वह हरीपुरा पैसठवा बालू घाट स्थित पेट्रोल पंप के समीप ट्रक रोक कर खेत में लघुशंका करने गया था। जहां बैठे बदमाशों से उसका विवाद हो गया। उसी दौरान हथियारबंद बदमाशों द्वारा उसे गोली मार दी गई। हालांकि पुलिस अपराधियों की पहचान करने एवं मामले की छानबीन में जुट गई है।

कोपवा मां काली मंदिर पूजन में उमड़ा जन सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

नावानगर (बक्सर) मां काली मंदिर कोपवा में अमावस्या तिथि को लेकर महा सप्तशती पाठ का हुए आयोजन में सोमवार की रात भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा जहां रोहतास भोजपुर बक्सर के हजारों श्रद्धालुओं का जन सैलाब मंदिर में पूरी रात उमड़ा रहा इस दौरान पाठ से पहले मंदिर के माता को व मंदिर को शक्तिपीठ बनाने के लिए हवन पूजन भव्य आरती का आयोजन किया गया ज्ञात हो कि मां काली मंदिर को शक्तिपीठ बनाने के लिए 108 अमावस्या को माता के मंदिर को शक्तिपीठ बनाने के लिए महा सप्तशती का पाठ हवन पूजन आरती करने का निर्णय कमिटी द्वारा लिया गया है।

जिसमे बनारस से आए आचार्य सुशील शास्त्री के टीम के द्वारा 25वीं अमावस्या की पूजा अर्चना धूमधाम से किया गया और पाठ की समाप्ति के बाद अहले सुबह हवन किया गया हवन की समाप्ति के बाद हजारों लोगो को खीर का प्रसाद वितरण किया गया ।वही माता की इस दिव्य साधना पूरी रात चली जहां अंत में हजारों लोगों को प्रसाद के रूप में पूड़ी,खीर सब्जी ग्रहण कराया गया इस मौके पर अमिताभ कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ,अवधेश कुमार सिंह, गीता सिंह,नीतू सिंह, डॉ नेहा सिंह,अरुण सिंह पहलवान,विनोद कुमार सिंह ,दिव्यांश कुमार, रामेश्वर सिंह,शुभम सिंह, करिया सिंह, मुटुर सिंह,मिथिलेश सिंह,शांति देवी, प्रिंस सिंह,रामजी सिंह, पप्पू सिंह, प्रदीप सिंह,अरुण जी,राहुल सिंह,पिंटू सिंह,राजेंद्र सिंह,राजू सिंह, प्रमोद सिंह,अमरेंद्र सिंह, लुलु सिंह, ललू सिंह,धीरेंद्र सिंह,समेत कई लोग सहित भोजपुर, रोहतास,कैमूर,सहित आस पास के दर्जनों गांवों के लोग कार्यक्रम में शिरकत किए।

दीक्षांत समारोह सह चित्रकला प्रतियोगिता किया गया आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी भोजपुर में, दीक्षांत समारोह सह चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को मेडल और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। चित्र सृजन में छात्राओं ने जल जीवन हरियाली विषय पर चित्र सृजन कर स्तब्ध कर दिया। ललित कला विषय की शिक्षा इस स्कूल में दिया जा रहा है। इसलिए कलाकृतियां अपने मुल भावना के साथ सृजित की गई थीं। चित्रकला प्रतियोगिता का मूल्यांकन, शिक्षिका पिंकी कुमारी, रिंकल कुमारी, अर्पिता यादव ने किया।

जजमेंट क्रम में शिक्षिकाएं बोली बहुत मुश्किल होता है मूल्यांकन करना। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा इस तरह का सृजनात्मक गतिविधि होते रहना चाहिए। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है, अंजली कुमारी द्वितीय स्थान, ज्योती कुमारी, तृतीय स्थान अंशु कुमारी। इस अवसर पर सांइस में प्रथम स्थान अंशु कुमारी, द्वितीय,खुशी कुमारी, तृतीय स्थान चुनीं कुमारी। आर्ट्स में प्रथम स्थान हासिल किया है, कोमल कुमारी, द्वितीय स्थान, अंजली कुमारी, तृतीय स्थान नेहा कुमारी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सृजित चित्र को प्रदर्शित किया गया जितने गार्जियन आए थे काफी प्रभावित हुए। इस अवसर पर सांस्कृतिक आयोजन भी किया गया ग्रुप गायन में, और देशभक्ति गीत पर तनू कुमारी का काफी सराहनीय कलात्मक डांस किया। इस आयोजन का संचालन करते हुए चित्रकार रौशन राय ने कहा विद्यालय में कलात्मक और सृजनात्मक आयोजन होते रहना चाहिए। इस अवसर पर ढेरों शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने संबोधन में उपस्थित ग्रामीण जनता अभिभावक को संतुष्ट किया। वरिय शिक्षिका अर्चना कुमारी, प्रतिमा कुमारी, संगीता कुमारी इन्दु यादव रिंकी कुमारी ,सुनित त्रिपाठी, मोहम्मद परवेज आलम,मनोज कुमार, प्रिती कुमारी,चर्चिल टैगोर ,सुधांशु शर्मा जयगोपाल सिंह के साथ ढेरों वक्ताओं ने विचार रखे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक अजय राय ने किया।

वर्ष प्रतिपदा पर स्वयंसेवकों का हुआ पथ संचलन

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास): प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर इकाई के तत्वाधान में मंगलवार को वर्ष प्रतिपदा पर स्वयंसेवकों का पथ संचलन हुआ। निर्धारित समय अपराहन 4:15 से प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल आरा रोड से प्रारंभ हुआ और तेंदूनी चौक होते हुए डेहरी रोड अस्कामिनी मंदिर से वापस सासाराम रोड अंजबित सिंह कॉलेज गेट से वापस डुमरांव रोड हिंदुस्तान पैट्रोलियम से वापस आरा रोड सिलौटा मोड़ से वापस प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल में संध्या 5:30 में पथ संचलन का कार्य गुरु भागवत ध्वज को प्रणाम निवेदन के बाद संपन्न हुआ। इसके पूर्व सामूहिक गीत जिला प्रचारक विभाष, अमृत वचन सत्यम भारद्वाज एवं एकल गीत जिला व्यवस्था प्रमुख धीरेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया।

बौद्धिककर्ता के रूप में पहुंचे दक्षिण बिहार प्रांत के सह प्रांत सेवा प्रमुख देवेंद्र द्वारा वर्ष प्रतिपदा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही संघ के संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि को उन्होंने रखा। हिंदू नव वर्ष अर्थात वर्ष प्रतिपदा के संदर्भ में विभिन्न कड़ी का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन से प्रकृति द्वारा कई तरह के परिवर्तन देखने को मिलते हैं। जिससे नव वर्ष का आगमन परिलक्षित होता है। भगवान झूलेलाल सहित कई देवता था ऋषि मुनियों का अवतरण दिवस बताते हुए वर्ष प्रतिपदा के महत्व को बताया। मौके पर नगर संचालक अखिलेश पांडे, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, नगर कार्यवाह ओम नारायण, खंड कार्यवाह विजय पांडे,खंड शारीरिक प्रमुख राजू पांडे एवं अशोक सिंह सहित कई स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पत्रकार के निधन पर किया गया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

डेहरी(रोहतास) वृद्ध पत्रकार गया प्रसाद के निधन पर मंगलवार को डालमियानगर के ड्रीम हाउस में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता करते हुए पत्रकार कमलेश कुमार ने उनके पत्रकारिता कार्यो की चर्चा की। उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि स्वर्गीय गया प्रसाद 60 वर्षों तक अनवरत तूफान नामक मासिक समाचार पत्र का प्रकाशन व संपादन स्वयं करते रहें। बुढ़ापे में भी उनके पत्रकारिता के जुनून का सभी कायल थे। विशेष कर उनके होली विशेषांक का इंतजार जिले हीं नहीं राज्य स्तर पर उनके प्रशंसक करते थे। स्थानीय स्तर पर पत्रकार जगत में उन्हें लोग गार्जियन कह कर बुलाते थे। वे लगातर पत्रकारों को एक सूत्र में बांधकर कार्य करने तथा सामाजिक सरोकार जैसे मुद्दों को लेकर समाचार संकलन करने की बात करते थे। पत्रकारों ने कहा कि उनकी कमी पत्रकारिता जगत में हमेशा खलती रहेगी। उपस्थित पत्रकारों व सामाजिक कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। तथा दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा को अन्य लोगों के अलावा सुरेंद्र तिवारी, रवि कुमार, रोहित सिंह, अरुण सिंह, बलबीर सिंह, सच्चिदानंद दीपू, गौतम कुमार, अशोक सिंह, गोलू सिंह, रुपेश कुमार, राकेश कुमार राही, सत्यानंद, सोनू कुमार, अभिनव कला संगम निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिन्हा, उप सचिव सीमल सिंह, मीडिया प्रभारी इंद्र कुमार बाघा, समेत अन्य ने संबोधित किया।

एनडीए कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

डिहरी (रोहतास) राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रधान कार्यालय डालमिया नगर, डिहरी ऑन सोन में एनडीए कार्यकताओं की एक बैठक की गई। बैठक में औरंगाबाद जिला रोहतास जिला के सभी सेक्टर प्रभारी के अलावा अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह काराकाट लोकसभा के एनडीए के भावी प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा भी शामिल थे । बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र पटेल ने किया। बैठक में चुनाव की तैयारी पर चर्चा की गई। उपेन्द्र कुशवाहा ने बैठक को संबोधित करते हुए चुनाव की तैयारी के संबंध में बताया तथा सभी कार्यकताओं ने चुनाव में लग जाने की अपील की। बैठक में चुनाव अभियान समिति अध्यक्ष सुभाष कुशवाहा, राष्ट्रीय महासचिव राष्ट्रीय लोक मोर्चा अखिलेश्वर प्रसाद सिंह, जिला अध्यक्ष बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ राष्ट्रीय लोक मोर्चा अमित शेखर तिवारी, जिला महासचिव राकेश मिश्रा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष दिनेश चंद्रवंशी सहित कई उपस्थित थे।

ईद और रामनवमी का पर्व शांति व भाईचारगी के साथ मनाएं: बीडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। संझौली थाना परिसर में मंगलवार की रामनवमी, ईद-उल फितर और चैती छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता बीडीओ मोहम्मद सैयद सरफराजुद्दीन अहमद और संचालन सीओ किशोर पासवान ने किया। जनप्रतिनिधियों समेत अन्य अपने क्षेत्र में पर्व को लेकर विचारों को रखा। लोगों से ईद और रामनवमी पर्व की भांति शांति और भाईचारगी के साथ मनाने की अपील की गई। बीडीओ ने बैठक में मौजूद लोगों से रामनवमी के उपलक्ष में जुलूस निकालने को लेकर जानकारी ली। जहां उपस्थित लोगों ने आगामी दोनों पर्व को आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न करने का आश्वासन दिया। सीओ ने कहा कि रामनवमी पूजा व ईद शांति से पर्व को मनाए। साथी ही आदर्श आचार संहिता का भी ध्यान रखें। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने लोगों से रामनवमी और ईद त्योहार शांति व सौहार्द ढंग से मनाने की अपील की। उन्होंने ने कहा कि रामनवमी एवं ईद पर्व में डीजे पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। अगर कोई भी सामाजिक तत्व अशांति फैलाने की कोशिश करता है तो, उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जेई प्रमदूत पटेल, संझौली पैक्स अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मझौली पूर्व पैक्स अध्यक्ष अनिल सिंह, मुखिया मिथलेश सिंह, सरपंच सुनील कुमार व श्रीभगवान सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि व समाजसेवी उपस्थित थे।

ईद और रामनवमी व शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। ईद और रामनवमी का त्योहार व लोकसभा चुनाव भय मुक्त, निष्पक्ष व शांति पूर्ण तरीके से मतदान को सम्पन्न कराने के लिए विधि व्यवस्था को लेकर मंगलवार को सीओ किशोर पासवान व थानाध्यक्ष मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। अधिकारियों के साथ केंद्रीय सीआरपीएफ बल व थाना की पुलिस ने थाना परिसर से संझौली मुख्य बाजार रोड़ होते हुए चांदी इंग्लिश, औराई, तेनुआ, सियरूआ व कैथी समेत दर्जनों गांव का भ्रमण किया। वही पुलिस प्रशासन ने चांदी इंग्लिश अंर्तगत घिंहुब्रम में लगने वाले नौ दिवसीय मेला का भी जायजा लिया।

थानाध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष,भयमुक्त व शांति पूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन हर स्तर पर मुशतैद है। ईद व रामनवमी के दौरान असामाजिक तत्व व्यवधान उत्पन्न नहीं कर सके इसका खास ख्याल रखा जा रहा है। सीओ ने कहा कि फ्लैग मार्च निकालने का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को भय मुक्त रखना है। उनके मन में किसी प्रकार का भय न रहे।

त्योहारों में भी शांति बनी रहे। इस दौरान प्रशासनिक पदाधिकारियों ने रामनवमी व ईद का पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की लोगों से अपील की। फ्लैग मार्च में एसआई शिवम कुमार,भूपेंद्र प्रताप सिंह, मुकेश कुमार, गणेश तिवारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं का की गई स्वाथ्य की जांच

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर। कैमूर:प्रखड मुख्यालय ईस्थित पीएचसी में मंगलवार के दिन क्षेत्र के सभी गांवों से आयी सैकड़ो गर्भवती महिलाओं को पीएचसी प्रभारी डॉ रमेश कुमार और डॉ चंदन कुमार सिंह,सीएचओ सीएच अर्चना कुमारी द्वारा जांच किया गया.मिली जानकारी अनुसार पीएचसी में प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत हर माह के नव तारीख को ये जांच शिविर का आयोजन किया जाता है .पीएचसी स्थित पर्चा काउंटर पर कतार में खड़ी सैकड़ों महिलाओं ने पर्ची कटा जच्चा और बच्चा की जांच कराई. वही चिकित्सकों द्वारा लगभग 150 से अधिक गर्भवती महिलाओं को जांच के लिये लिखा गया .जहाँ बीपी, वजन की जांच एएनएएम अनिता कुमारी ,रंजन कुमार द्वारा किया गया. साथ ही फैमली प्लालिंग काउंसलर सविता कुमारी द्वारा गर्भवती महिलाओं को फैमली प्लालिंग के लिए सुझाव व विचार के साथ हम दो हमारे दो के तर्ज पर समझाया बुझाया जा रहा था.लैब टेक्नीशियन डॉ द्वारा पर्चा पर लिखे महिलाओं का खून,पेशाब, सुगर, एचआईवी, हिमोग्लोविन की जांच किया गया. गर्भवती महिलाओं को जाँचो प्रान्त पुनः डॉ द्वारा रिपोर्ट देख जो कमी पाई जाती थी उसका दवा के साथ आयरन व कैल्शियम की गोली दिया गया वही परामर्श दिया गया कि पौस्टिक, आहार हरा साग सब्जी सिजनली फल के साथ एक ग्लास दूध लेने को कहा गया हमेशा खुस रहे तनाव से दूर रहे साथ ही साथ इच्छा नुसार अधिक से अधिक पानी पीने का सलाह दिया गया ताकि जच्चा व बच्चा को किसी प्रकार की परेशानी न हो गर्भवती महिलाओ को यह भी बताया गया कि आवश्कयता से अधिक वजन न उठाये परेशनी हो सकती है,किसी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल पीएचसी के चिकित्सक से परामर्श ले गर्भवती महिलायों को सुबिधा के लिए प्रभारी डॉ रमेश कुमार के द्वारा नाश्ता के नाश्ता के व्यवस्था की है।

अचानक लगी आग एक एकड़ गेहूं का बोझा जलकर खाक

दुर्गावती। स्थानीय प्रखंड के खखोलीं गांव में मंगलवार को अचानक आग लग गई। जिससे एक एकड़ गेहूं का बोझा जल कर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन दल के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मिली जानकारी के अनुसार दुर्गावती थाना क्षेत्र के खखोलीं ग्राम निवासी राधेश्याम बिंद पिता स्व विक्रमा बिंद अपने 1 एकड़ खेत का गेहूं काटकर थ्रेसरिंग करने के लिए रखे हुए थे लेकिन मंगलवार को अचानक गेहूं में आग लग गई जिसमें समुचा गेहूं का बोझा जल कर खाक हो गया । घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन दल के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लिया गया। वहीं इस संबंध में पीड़ित के द्वारा प्रशासन से मुआवजे की मांग की गई है।

भोजपुर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आराः सरस्वती शिशु मंदिर उदवंत नगर भोजपुर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया' विद्यालय से भैया बहने गांव की गलियों से होते हुए भारत माता की नारो एवं नव वर्ष मंगलमय हो' के साथ पूरे गांव होते हुए बीच में विद्यालय के सचिव श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव जी के द्वारा बच्चों को अल्पाहार दिया गया दिया गया एवं नव वर्ष की शुभकामनाएं दिए सभी भैया बहने विद्यालय परिसर में आए और यहां भारत माता का पूजन एवं दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम श्री अनूप गिरी एवं रीता देवी बच्चन जी दुबे, मुरारी कुमार, विशाल कुमार के द्वारा संपन्न हुआ' श्री अनूप गिरी जी ने नव वर्ष चैत्र प्रतिपदा के बारे में विस्तार से भैया बहनों को बताया की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और राम का राज्याभिषेक इसी दिन हुआ था। स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की थी 'अंत में प्रधानाचार्य जी भैया बहनों को नव वर्ष की मंगल कामना दिए' शांति मंत्र एवं प्रसाद वितरण होने के बाद सभी भैया बहने अपने-अपने घर लौट गए।

मैं कभी किसी कैम्प का हिस्सा नहीं रहा

अभिनेता रोहित रॉय इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म आयरा को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। रोहित की यह फिल्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के साइड इफेक्ट को दिखाएगी। दर्शकों में अभी से ही इस फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों आयरा के प्रमोशन के दौरान रोहित रॉय खुलकर अपने करियर के बारे में बातें करते दिखाई दिए।

अभिनय की हुई तारीफ लेकिन नहीं मिला काम

रोहित रॉय ने अपने करियर की शुरुआत सीरियल स्वाभिमान से किया था। इस शो की बदौलत वे रातों-रात स्टार बन गए थे। रोहित बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं, सच कहूं तो मेरे मन में किसी के लिए कड़वाहट नहीं है। मैं बस अपना काम करने में विश्वास करता हूं। इंडस्ट्री में अक्सर मेरे काम की तारीफ हुई है, लेकिन ऐसा कम ही हुआ है कि उस काम की वजह से लोगों ने मुझे कास्ट किया हो।

नेटवर्किंग है जरुरी

रोहित रॉय अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मुझे अक्सर लोग कहते हैं कि तुम किसी पार्टी में दिखते ही नहीं हो। यहां इंडस्ट्री में दिखोगे नहीं तो काम नहीं मिलेगा, लेकिन मुझसे यह सब नहीं हो सकता है। न तो मैं पार्टी करता हूं और न ही मैंने अपने लिए कभी कोई नेटवर्किंग किया है। मैं किसी भी कैंप का हिस्सा नहीं रहा हूं। मैं सिर्फ अपने काम में विश्वास करता हूं।

झूठ नहीं बोल सकता

रोहित रॉय अपनी आने वाली फिल्म आयरा को लेकर काफी उत्साहित हैं। रोहित अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए कहते हैं, इस फिल्म की कहानी और फिल्म में मेरा किरदार दोनों ही मुझे काफी दिलचस्प लगे इसलिए मैं इस फिल्म में काम कर रहा हूं। जब मैं स्वाभिमान कर रहा था तब न तो मुझे काम की समझ थी और न ही इंडस्ट्री की। जो भी काम मिलता गया मैं करता चला गया, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अगर मुझे मेरा किरदार दिलस्चप नहीं लगे तो मैं उस फिल्म के लिए मना कर देता हूं। मैं झूठ नहीं बोल सकता हूं चाहे सामने मेरा दोस्त ही क्यों न हो।

शोभिता धुलिपाला ने मंकी मैन से हॉलीवुड में मारी एंट्री

अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला पोन्नियन सेल्वन और पोन्नियन सेल्वन 2 समेत मेड इन हेवन सीजन 1 और 2 के लिए मशहूर हैं। अभिनेत्री ने देव पटेल की मंकी मैन से हॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। अब एक हालिया इंटरव्यू में, शोभिता ने मंकी मैन में शक्तिशाली लेकिन निंदनीय व्यक्तियों की देखभाल करने वाली एक कॉल गर्ल सीता के अपने चरित्र के बारे में बात की। साथ ही करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए। शोभिता ने ऐसी भूमिकाओं की जटिलता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, वे वास्तव में जटिल स्तर वाले व्यक्ति हैं। इतनी गहराई के पात्रों को संभालने में सक्षम व्यक्ति के रूप में देखा जाना एक वास्तविक सम्मान है, अगर ऐसा कुछ है जो मेरे साथ प्रतिध्वनित होता है तो मैं उसके साथ जुड़ने की इच्छा रखती हूं। जब शोभिता से उनके पहले हॉलीवुड प्रयास के रूप में उनके पहले निर्देशन प्रोजेक्ट पर काम करने के जोखिम के बारे में पूछा गया, तो शोभिता ने इस बात पर जोर दिया कि, यह विश्वास, भय, और एक एकीकृत पैक के रूप में एक साथ चलने की भावना की उपस्थिति पर आधारित एक अनूठा रिश्ता है। उन्होंने पहली बार फिल्म निर्माता के साथ सहयोग करने में शामिल पवित्रता और जुनून के बारे में बात की और बताया कि यही कारण है कि उन्होंने इस परियोजना में उत्साहपूर्वक शामिल होने का फैसला किया। मंकी मैन पौराणिक चरित्र हनुमान से प्रेरणा लेते हुए, अपनी मां की हत्या का बदला लेने वाले एक व्यक्ति की कहानी को उजागर करता है। इसमें शार्ल्टो कोपली, सिकंदर खेर, विपिन शर्मा, अश्विनी कालसेकर, अदिति कालकुंटे और मकरंद देशपांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अमेजन प्राइम सीरीज मेड इन हेवन में धूलिपाला का किरदार एक कम आय वाली महिला का है, जो उच्च वर्ग के दायरे में अपनी जगह बनाने की योजना बनाती है। मंकी मैन में वह सीता नाम की एक कॉल गर्ल की भूमिका में हैं, जिसका व्यवसाय शक्तिशाली लेकिन घृणित पुरुषों की खुशी है।

स्टार किड्स को बेहतर भूमिकाएं मिलने से निराश महसूस करने लगी थीं कृति

कृति सेनन की फिल्म क्रू इन दिनों टिकट खिड़की पर छाई हुई है। फिल्म में उनके अभिनय की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक धुआंधार कमाई की है। फिल्म की सफलता के बीच, हाल ही में कृति अपने करियर पर खुलकर बात करती नजर आईं।

बेहतर काम न मिलने से परेशान थीं कृति

एक बातचीत में कृति ने बताया कि एक समय ऐसा था जब कई स्टारकिड्स जो खुद को साबित नहीं कर सके थे, उन्हें फिर भी मौके मिलते देख उन्हें निराशा होती थी। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पता था कि जो अवसर उन्हें मिल रहे हैं, वे उससे भी बेहतर काम कर सकती हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने यह भी बताया कि कैसे फिल्म मिमी के बाद उनके लिए चीजें गईं। कृति ने कहा, एक ऐसा भी समय था जब मैं काफी बेचैन रहती थी, क्योंकि मुझे पता था कि मुझे जो मौके मिल रहे हैं, उनसे मैं अपनी अभिनय की क्षमता उतनी ज्यादा नहीं दिखा पा रही थी। मैं कुछ ऐसा करना चाहती थी, जिससे एक अभिनेत्री के रूप में मैं अपनी क्षमता को साबित कर सकूं। मैं हमेशा यही कहती हूं कि एक अभिनेता के तौर पर आपको जितना बड़ा घड़ा मिलेगा आप उतना ही भर सकते हैं। अगर आपको छोटा बर्तन दिया जाएगा तो आप उतना ही पानी भर सकते हैं। अगर आपको बड़ा दिया जाएगा तो आप और भर सकते हैं। इसलिए मैं बहुत लंबे समय से उस बड़े बर्तन की तलाश में थी।

स्टारकिड्स को लेकर कही यह बात

उन्होंने आगे आगे कहा, मैं निराश हो रही थी, क्योंकि मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं। मुझे पता था मैं और अच्छा काम कर सकती हूं, लेकिन तब मेरे पास ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था। उस समय कुछ नए चेहरे भी आए थे, जिनमें से कुछ फिल्मी पृष्ठभूमि से थे। उन्हें कुछ भी न करने के बाद भी मौके मिल रहे थे। इसको लेकर मैं सोचती थी कि यह कैसे हो सकता है। कृति ने आगे कहा, तब वह एक ऐसा दौर था जब मुझे कुछ और चाहिए था। फिर मेरे पास मिमी आई। मेरा मानना है कि हर चीज के सही समय पर होने के लिए कोई न कोई वजह होती है। मुझे लगता है कि शायद मिमी मेरे पास तब आई जब मैं वास्तव में उस भूमिका के साथ न्याय करने के लिए तैयार थी। शायद इसी कारण से पहले ऐसे कोई फिल्म मेरे पास नहीं आई।

अभिनेत्री नहीं, पत्रकार बनना चाहती थीं नित्या मेनन

नित्या मेनन आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री का जन्म आठ अप्रैल 1988 में हुआ था। नित्या साउथ और बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। नित्या ने मणिपाल अकैडमी ऑफ हायर एजुकेशन से पत्रकारिता की पढ़ाई की नित्या पत्रकार बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें अभिनय की दुनिया में ले आई। नित्या ने साल 2006 में कन्नड़ फिल्म से करियर की शुरुआत की, फिल्म में वे सपोर्टिंग रोल में नजर आईं अपने करियर के दौरान नित्या ने केरल कैफे, वायोलिन जैसी फिल्मों में काम किया है।

वर्कआउट को सजा नहीं मानतीं एक्ट्रेस सैयामी खेर

फिटनेस के प्रति अपने जुनून के बारे में बात करते हुए मशहूर एक्ट्रेस सैयामी खेर ने बताया कि वह व्यायाम को सजा के तौर पर नहीं बल्कि एक ऐसी गतिविधि के रूप में देखती हैं जिसका वह वास्तव में आनंद लेती हैं। सैयामी ने बात करते हुए कहा, हर दिन जब आप उठते हैं तो उसमें से सबसे कठिन काम मुझे अपने जूते पहनना और जूते के फीते बांधना लगता है, आप कसरत करना भूल जाते हैं, हमेशा आलसी रहते हैं। लेकिन एक बार जब आप जूते पहनते हैं और बाहर निकलते हैं तो पहला किलोमीटर कठिन होता है और फिर सब कुछ बहुत अच्छा लगता है। बैडमिंटन के प्रति अपने प्यार का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस ने बताया, बैडमिंटन खेलने से मुझे बहुत खुशी मिलती है इसलिए मैं वर्कआउट को सजा नहीं मानती क्योंकि मुझे वास्तव में ऐसा करना पसंद है। सैयामी ने कहा कि वर्कआउट का हर रूप उनके लिए आदर्श है। घूमर एक्ट्रेस बर्लिन में आयरनमैन रेस के लिए तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, फिलहाल मैं एक अलग तरह की ट्रेनिंग पर हूं क्योंकि मैं सितंबर में बर्लिन में आयरनमैन रेस कर रही हूं। यह बहुत कठिन है, इसमें साइकिल चलाना, तैराकी, दौड़ना और शक्ति प्रशिक्षण शामिल है।

अब तेलुगू में दमखम दिखाएंगे खिलाड़ी कुमार

अक्षय कुमार की कई फिल्में लाइन में लगी हुई हैं। कुछ रिलीज होने के लिए तो कईयों पर काम चल रहा है। इस बीच ये खबर सामने आई है कि वो अब तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री यानी टॉलीवुड में भी अपना दमखम दिखाने वाले हैं। वो भी प्रभास और मोहनलाल जैसे सितारों के साथ। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां और छोटे मियां को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। ये फिल्म 10 अप्रैल 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अक्षय का तेलुगू डेब्यू। वो भी प्रभास और मोहनलाल जैसे साउथ के धुरंधरों के साथ। साउथ की एंट्री को लेकर ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने ट्वीट किया है। उन्होंने ट्विटर (अब एक्स) पर लिखा कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार पैन-इंडिया बिग बजट मूवी की कास्ट को ज्वॉइन करेंगे।

अपारशक्ति ने अपने किरदारों को लेकर की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना कई हिंदी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय का जलवा बिखेर चुके हैं। उनका कहना है कि ऐसी फिल्में करना महत्वपूर्ण है जो एक अभिनेता को टाइपकास्ट होने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही उन्हें विश्वास है कि उनकी अगली रिलीज बर्लिन ऐसी ही एक फिल्म है।

स्त्री, पति पत्नी और वो और लुका-छुपी जैसी कई हिट कॉमेडी फिल्मों के बाद उन्होंने बिनोद दास की जबर्दस्त भूमिका निभाई। फिल्म बर्लिन का प्रीमियर शुक्रवार को मुंबई में रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में हुआ। अपारशक्ति खुराना ने कहा, एक अभिनेता के रूप में ऐसी फिल्में करना महत्वपूर्ण है जो आपकी धारणा से अलग हों। मेरे करियर में पहली आठ-नौ फिल्में बैक-टू-बैक कॉमेडी थीं। लोगों के मन में मेरे लिए एक अजीब सी धारणा थी। मैं उस स्थिति को तोड़ने के लिए या किसी बात को साबित करने के लिए बहुत ज्यादा प्रयास नहीं कर रहा था। अपने किरदारों पर बात करते हुए आगे अपारशक्ति ने कहा, मैं एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित नहीं होना चाहता हूं, जो केवल कॉमेडी करता है या सिर्फ सीरीयस रोल ही करता है। इसलिए बर्लिन इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने बर्लिन में पुश्किन नाम के एक सांकेतिक भाषा स्पेशलिस्ट की भूमिका निभाई है। खुराना ने कहा कि भाषा सीखने के लिए उन्हें कड़ी कोचिंग से गुजरना पड़ा। अभिनेता ने कहा, यह एक बहुत ही अलग दुनिया थी, लेकिन यह बहुत सुंदर थी। आंखों के माध्यम से और सांकेतिक भाषा में बहुत कुछ कहा जा सकता है। इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इस भाषा की खूबसूरती यह है कि इसमें जीवन के प्रति अधिक जीने का नजारिया है। इसके साथ ही अपारशक्ति ने बताया कि ये किरदार करना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, मेरे लिए सचमुच यह कठिन था। सांकेतिक भाषा की बोलने वाली भाषा से बहुत अलग होती है। इसलिए यह एक बड़ी चुनौती थी। मैं संकेतों के साथ इतना अच्छा होना चाहता था कि जब मैं इस फिल्म की शूटिंग कर रहा हूं, तो मैं स्वाभाविक रूप से सांकेतिक भाषा को अपनाऊं।

फैंस के दिलों तक पहुंचने में समय लगा

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज द फैमिली स्टार के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वक्त तो लगा लेकिन आखिरकार मैंने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। मृणाल को दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। वह अपनी नवीनतम फिल्म द फैमिली स्टार को लेकर भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी को धन्यवाद कहना चाहती हूं। मुझे दर्शकों के दिलों तक पहुंचने में काफी समय लगा लेकिन अब जब मैंने लोगों के दिलों में जगह बना ली है तो मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मैं कड़ी मेहनत करती रहूंगी और ज्यादा से ज्यादा फिल्में लेकर आऊंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस फिल्म को ऐसा रिस्पॉन्स मिलेगा। मैंने पहले कभी कोई रॉम-कॉम (रोमान्स कॉमेडी) नहीं किया है। यह मेरा पहला अनुभव है, और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। मुझे कॉमेडी करने में बहुत मजा आया। मेरी पिछली सभी भूमिकाएं गंभीर थीं। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए वाकई हवा के झोंके जैसा था। जल्द ही फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी और हिंदी दर्शक भी इसका लुत्फ उठा सकेंगे। द फैमिली स्टार एक तेलुगु भाषा की रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है, जो परशुराम द्वारा लिखित और निर्देशित है और यह श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत दिल राजू और सिरीश द्वारा निर्मित है। फिल्म में विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं और यह 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

रियल एस्टेट सेक्टर ने 10 सालों में खोला 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का पिटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में मिलने वाला कुल रोजगार पिछले कैलेंडर वर्ष में बढ़कर 7.1 करोड़ हो गया, जबकि 2013 में यह आंकड़ा चार करोड़ था। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक और उद्योग निकाय नारेडको ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट में कहा कि इस तरह पिछले 10 साल में उद्योग ने तीन करोड़ से अधिक नई नौकरियां दीं। रिपोर्ट के अनुसार, नरेन्द्र मोदी सरकार के कई नीतिगत सुधारों से समर्थन पाकर आवास क्षेत्र ने स्वस्थ वृद्धि दर्ज की, जिसके चलते रोगजार के मौके भी तेजी से बढ़े। एनारॉक-नारेडको की सोमवार को जारी रिपोर्ट 'रियल एस्टेट अनबॉक्स्ड- द मोदी इफेक्ट में कहा गया कि भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार को मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के कई सुधारों से काफी फायदा हुआ है। इन सुधारों से उद्योग को मजबूत होकर उभरने और नयी ऊंचाइयां छूने में मदद मिली। देश के कुल कार्यबल में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से अधिक है। भारत के शीर्ष सात प्राथमिक आवास बाजारों में 2014 और 2023 के बीच कुल 29.32 लाख इकाइयां तैयार हुईं और 28.27 लाख इकाइयों की बिक्री हुई। नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा कि रियल एस्टेट विनियमन और विकास अधिनियम (रेरा), माल तथा सेवा कर (जीएसटी), और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) जैसी विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार ने पिछले 10 वर्षों में रियल एस्टेट क्षेत्र को मजबूती दी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि शीर्ष सात बाजारों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में घरों की मांग और कीमतों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

कंपनी कर रही स्टॉक स्प्लिट का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी के बोर्ड ने स्टॉक स्प्लिट योजना पर विचार करने का ऐलान किया तो प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के शेयरों को खरीदने के लिए निवेशक टूट पड़े। शेयर 16 फीसद से अधिक उछलकर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1996.80 रुपये पर पहुंच गया। प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स का शेयर मूल्य 9 अप्रैल को 1770 रुपये पर खुलकर 1996.80 रुपये पर पहुंच गए। दोपहर दो बजे के करीब 16 फीसद ऊपर 1960 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे थे। कंपनी के इक्विटी शेयरों के फेस वैल्यू में स्प्लिट के प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक शुक्रवार, 19 अप्रैल को होने वाली है।

कारों की बिक्री ने बनाया रिकॉर्ड, 2023-24 में बिकीं 39.5 लाख गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने सोमवार को पिछले महीने के वाहन बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। इसके अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 39.48 लाख गाड़ियों की बिक्री दर्ज करते हुए सालाना आधार पर 8.45 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 36.40 लाख कारें बिकी थीं। पिछले महीने 3.22 लाख कारों की बिक्री हासिल हुई है, जो 2023 मार्च की 3.43 लाख की तुलना में 6.17 प्रतिशत कम हैं।

12 महीने में बिके 1.75 करोड़ दोपहिया वाहन : पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री 1.75 करोड़ रही है, जो वित्त वर्ष 2023 की 1.6 करोड़ की तुलना में 9.30 प्रतिशत बढ़ी है। वित्त वर्ष 2024 में ऑटो रिटेल में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें दोपहिया, तिपहिया, कार, ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहन में क्रमशः 9 प्रतिशत, 49 प्रतिशत, 8.45 प्रतिशत, 8 प्रतिशत और 5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई। स्व्रष्ठ ने कहा है कि इस दौरान तिपहिया, कार और ट्रैक्टर बिक्री ने रिकॉर्ड ऊंचाई तय की है।

बिक्री पर पड़ा लोकसभा चुनाव का असर : पिछले महीने सभी वाहनों बिक्री में सालाना आधार पर 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्व्रष्ठ के अनुसार, लोकसभा चुनाव के कारण कार, कमर्शियल वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि तिपहिया वाहन बिक्री में 17 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई और पहली बार सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 9.12 प्रतिशत हो गई

मारुति सुजुकी ने बढ़ाई अपने मानेसर प्लांट की क्षमता, हर साल कर रही है 9 लाख गाड़ियों का प्रोडक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी मानेसर प्लांट की उत्पादन क्षमता में एक लाख इकाई प्रति वर्ष का विस्तार किया है। मोटर वाहन प्रमुख ने हरियाणा के मानेसर में कार्यरत तीन विनिर्माण संयंत्रों में से मौजूदा प्लांट-ए में एक वाहन 'असेंबली लाइन' जोड़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने एक बयान में कहा, ''नई वाहन 'असेंबली लाइन' में प्रति वर्ष एक लाख इकाई बनाने की क्षमता है।'' बयान के अनुसार, अतिरिक्त 'असेंबली लाइन' के साथ मानेसर की कुल विनिर्माण क्षमता नौ लाख वाहन प्रति वर्ष हो गई है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिसाशी तेकुची ने कहा, ''हमारा लक्ष्य अगले सात-आठ वर्षों में अपनी क्षमता को करीब दोगुना करके 40 लाख वाहन प्रति वर्ष करना है। प्रति वर्ष एक लाख वाहनों की यह क्षमता वृद्धि इस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है।''

तेज गर्मी और पानी की कमी से दूध की बढ़ेगी किल्लत, पनीर की मांग बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर गर्मियों में दूध के उत्पादन में कमी दर्ज की जाती है, लेकिन इस बार इसके बुरी तरह प्रभावित होने की खबरें सामने आ रही हैं। मौसम विभाग ने इन गर्मियों में भयानक लू चलने की आशंका जताई है। जानकारों का कहना है कि लू चलने और जलाशयों के सूखने से डेयरी पशुओं के लिए चारे और पानी की किल्लत हो सकती है। इससे आने वाले दिनों में दूध का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐसा होने पर दूध की कीमत में भी बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। इसी महीने चार अप्रैल के आंकड़ों के मुताबिक देश के 150 बड़े जलाशयों में पानी का स्तर 35 फीसदी रह गया है जो एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी कम है और पिछले 10 साल के औसत से दो फीसदी कम है। इस वक्त ये यह आंकड़े चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। आगे गर्मियों के मौसम के चरम पर पहुंचने पर इस तस्वीर के और भयानक होने का अंदेशा लगाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पॉट ट्रेडर्स ने कहा कि 6.5 प्रतिशत फैट वाले दूध की कीमत 47-48 रुपये प्रति लीटर है जो पिछले साल 57-58 रुपये थी। लेकिन उपभोक्ता मामलों के विभाग आंकड़ों के मुताबिक अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 57.6 रुपये प्रति लीटर है जो एक साल पहले 56 रुपये थी।

अनुमान के मुताबिक 2023-24 में देश में दूध का उत्पादन 24 से 25 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 4.5 फीसदी अधिक है। भारत दूध उत्पादन के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है लेकिन प्रति व्यक्ति खपत के मामले में देश काफी पीछे है। देश में दूध की प्रति व्यक्ति सालाना खपत मात्र 84 किलो है जबकि फिनलैंड में यह 430 किलो है।

मानसून की चाल पर नजर

जानकारों का कहना है कि इन गर्मियों में तापमान के औसत से ज्यादा रहने का अनुमान है। खासकर महाराष्ट्र, ओडिशा और दक्षिण के राज्यों में ऐसा हो सकता है। जलाशयों में जल स्तर में कमी के चलते आने वाले दिनों में देश में पानी की कमी हो सकती है। इससे जानवरों को पर्याप्त पानी नहीं मिलेगा और इससे खासकर पहली तिमाही में दूध का उत्पादन प्रभावित हो सकता है, लेकिन मॉनसून के सामान्य रहने की स्थिति में इसकी भरपाई हो सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि इस बार पूरे देश में तापमान के सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है लेकिन मध्य और पश्चिमी इलाकों के सबसे ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। लेकिन मॉनसून के सामान्य रहने की उम्मीद है।

पनीर, आइसक्रीम की मांग बढ़ेगी

इंडियन डेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष, आर.एस सोढ़ी इस बात से सहमत हैं कि इस साल संगठित क्षेत्र को गर्मियों के कारण कम मात्रा में दूध उपलब्ध होगा। पनीर, दही, छाछ और आइसक्रीम की मांग इस वर्ष पहले की मांग से ज्यादा रहेगी। हालांकि उनका मानना है कि इससे इन उत्पादों के दामों में ज्यादा इजाफा नहीं होगा। बेशक कच्चे दूध के दाम बढ़ेंगे लेकिन उससे तैयार होने वाले उत्पादों के दाम पहले ही कच्चे दूध के मुकाबले काफी तेज हैं। फैट के दामों में तेजी की पूरी संभावना है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फैट का भाव भारत के मुकाबले पहले ही 150 रुपये ज्यादा है।

सितंबर तक 100 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल, कई देशों के बीच तनाव बढ़ने बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के और महंगा होने की आशंका है। जेपी मॉर्गन एंड चेज का अनुमान है कि अगस्त-सितंबर तक कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने को लेकर चिंता उत्पन्न हो गई है। जेपी मॉर्गन एंड चेज के मुताबिक, कई देशों के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने और आपूर्ति में कमी से क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। हाल में क्रूड छह महीने के उच्च स्तर 90 डॉलर के पार पहुंच गया था। विश्लेषकों के मुताबिक, क्रूड में तेजी महंगाई को लेकर भी चिंता बढ़ा रही है। इससे केंद्रीय बैंकों की दर में कटौती की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। वैश्विक आधार पर मांग ठीक है, लेकिन आपूर्ति कम है। मेक्सिको से तेल निर्यात पिछले महीने 35 फीसदी गिरकर 2019 के बाद से निचले स्तर पर आ गया। मार्च में मेक्सिको, अमेरिका, कतर और इराक ने अपने संयुक्त तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती की।

आवेदन के सात दिन के भीतर खुल जाएगा ई-बीमा खाता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण ने 1 अप्रैल से बीमा पॉलिसी को इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में रखना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए बीमाधारकों को ई-इंश्योरेंस खाता खुलवाना होगा, जहां सभी तरह की बीमा पॉलिसी को डिजिटल रूप में सहेज कर रखा जा सकेगा। इसके बाद कागजी पॉलिसी की जरूरत खत्म हो जाएगी। आइए जानते हैं कि ई-इंश्योरेंस खाता खोलने की प्रक्रिया क्या है-

इरडा ने चार बीमा रिपॉजिटरी को अधिकृत किया है, जो देश में ई-इंश्योरेंस खाता खोलने की सुविधा प्रदान करते हैं। इन रिपॉजिटरी के पास पॉलिसी डिजिटल रूप में संग्रहित होंगी। ये रिपॉजिटरी हैं - सीएएमएस इंश्योरेंस रिपॉजिटरी, कार्वी, एनएसडीएल डेटाबेस मैनेजमेंट और सेंट्रल इंश्योरेंस रिपॉजिटरी ऑफ इंडिया। ई-इंश्योरेंस खाता खोलने के लिए सबसे पहले इन चार रिपॉजिटरी में से किसी एक का चयन करना होगा। इसके बाद इनकी वेबसाइट पर जाकर फॉर्म डाउनलोड करें। अब केवाईसी दस्तावेजों को अपनी इंश्योरेंस कंपनी के ब्रांच ऑफिस जाकर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा कुरियर भी कर सकते हैं। आवेदन स्वीकार होने और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ई-इंश्योरेंस खाता सात दिनों में खुल जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है।

ई-बीमा खाता एनक्रिप्टेड होगा यानी केवल बीमाधारक ही इसका इस्तेमाल कर पाएगा। किसी तीसरे पक्ष की पहुंच इस तक नहीं होगी। ग्राहक को अपनी सभी बीमा पॉलिसी इस ई-खाते से जोड़नी होंगी। लिंक करने के बाद पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी विवरण और नवीनीकरण की तिथि को आसानी से ट्रैक कर सकेंगे। ई-बीमा खाता खुलवाने के बाद इसमें नॉमिनी जोड़ना भी अनिवार्य है। बीमाधारक का निधन होने की स्थिति में नॉमिनी इस खाते तक पहुंच पाएगा। सबसे पहले कन्वर्जन फॉर्म भरना होगा। इसमें पॉलिसीधारक का नाम, पॉलिसी संख्या, ई-इंश्योरेंस खाता संख्या और बीमा कंपनी का नाम दर्ज करना होगा। इसे ई-इंश्योरेंस फॉर्म के साथ कंपनी की ब्रांच में जमा कराना होगा। जैसे ही ये परिवर्तित हो जाएगी, पॉलिसीधारक को एसएमएस और ई-मेल से इसकी सूचना मिल जाएगी।

आईआईटी मद्रास ने पूरी दुनिया में अपनी शैक्षिक प्रभुता बढ़ाने के लिए रिसर्च फाउंडेशन लॉन्च किया

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने आईआईटी मद्रास रिसर्च फाउंडेशन लॉन्च किया है।संस्थान का लक्ष्य पूरी दुनिया में अपनी शैक्षिक प्रभुता बढ़ाना है ।संस्थान के अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम से शुरुआत करने वाले स्टार्ट-अप को इस फाउंडेशन के माध्यम से विश्वबाजार में पहुंच, पूंजी, अनुसंधान और नवाचार के लिए वित्तीय सहयोग मिलेगा।विभिन्न विश्वविद्यालयों से सहयोग और उद्योग जगत से भागीदारी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान के मास्टर और डॉक्टरेट प्रोग्रामों को बढ़ावा मिलेगा।

संस्थान ने इस दूरदृष्टि को साकार करने के लिए आईआईटीएम रिसर्च फाउंडेशन का पहला सीईओ श्री थिरुमलाई माधवनारायण को नियुक्त किया है जो व्यवसाय प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के काफी सीनियर प्रोफेशनल हैं। 'आईआईटी मद्रास रिसर्च फाउंडेशन'का लक्ष्य पूरी दुनिया में आईआईटी मद्रास की पहुंच बढ़ाना, नवाचार और उद्यमिता बढ़ाने पर जोर देना और साथ ही, उद्योग जगत तथा अनुसंधान एवं विकास के लिए साझेदारियां बढ़ाना है। आईआईटी मद्रास रिसर्च फाउंडेशन का सपना सामने रखते हुए आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि ने कहा, ''भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है और हमारा देश दुनिया में स्टार्टअप का गढ़ बनने वाला है । आईआईटीएमआरएफ देश का यह सपना सच करने के लक्ष्य से अपना काम करेगा।हमें खुशी है कि फाउंडेश के सीईओ श्री नारायण स्वयं उद्योग जगत के दिग्गज रहे हैं।'' आईआईटीएमआरएफ से अपेक्षित लाभों के बारे में प्रोफेसर महेश पंचाग्नुला, डीन (पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध), आईआईटी मद्रास ने बताया, ''हमें विश्वास है कि आईआईटीएमआरएफ न केवल आईआईटी मद्रास के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक गेमचेंजर होगा क्योंकि यह शैक्षणिक संस्थानों को उनका नवाचार दुनिया तक ले जाने का एक सफल मॉडल होगा।''

85 रुपये का शेयर पहले ही दिन पहुंचा 180 रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के शेयरों ने पहले ही दिन बाजार में धमाल मचा दिया है। कंपनी के शेयरों की बाजार में तगड़ी लिस्टिंग हुई है। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के शेयर 105 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे के साथ 175 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के शेयर 85 रुपये में निवेशकों को मिले थे। कंपनी के शेयरों ने पहले ही दिन निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इनवेस्टर्स का पैसा लिस्टिंग वाले दिन ही दोगुना हो गया है। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस का आईपीओ 28 मार्च को खुला था और यह 4 अप्रैल 2024 तक ओपन रहा।

जबरदस्त लिस्टिंग के ठीक बाद क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 183.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के शेयरों ने 174 रुपये के निचले लेवल को भी छुआ है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्स्ब्ध प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 54.40 करोड़ रुपये तक का था। क्रिएटिव ग्राफिक्स सॉल्यूशंस के आईपीओ पर टोटल 201.86 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 144.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कोटे में 472.85 गुना दांव लगा था। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 98.79 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर हैं।

6 महीने में 1766 प्रतिशत रिटर्न, 2.70 से 50.40 पर पहुंचा शेयर

महज छह महीने में ही एक लाख रुपये को 18.66 लाख रुपये बनाने वाले शेयर ने अपने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दे रहा है। पिछले कई दिनों से यह अपर सर्किट पर सवार है। इस स्टॉक का नाम है वायसराय होटल्स लिमिटेड। आज यह स्टॉक 5 पर्सेंट अपर सर्किट के साथ अपने 52 हफ़्ते के हाई 50.40 रुपये पर पहुंच गया है। इसका 52 हफ्ते का लो 1.75 रुपये है।

318.32 करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटल वाली इस कंपनी को पहले पैलेस हाइट्स होटल्स के नाम से जाना जाता था। इसको 1965 में वायसराय में शामिल किया गया था। पी प्रभाकर रेड्डी कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। 2007 में यह स्टॉक 128 रुपये के करीब था। 2019 तक आते-आते इसकी कीमत 1.35 रुपये रह गई। 2020 की शुरुआत में तो इसकी कीमत एक रुपया से भी कम रह गई।

19 अक्टूबर 2023 को यह 3.60 रुपये तक पहुंचा। इसके बाद इसने उड़ान भरनी शुरू की और 3 अप्रैल 2024 को 41.55 रुपये पर पहुंच गया। इस महीने लगातार लग रहे अपर सर्किट की वजह से वायसराय होटल्स के शेयरों की कीमत 50.40 रुपये तक पहुंच गई। पिछले एक साल में इसने 2244 फीसद से अधिक की उड़ान भरी है।

अगर शेयर होल्डिंग पैटर्न की बात करें तो वायसराय होटल्स के शेयरों में न तो विदेशी संस्थागत निवेशक और न ही घरेलू संस्थागत निवेशकों का कोई इंट्रेस्ट है। इसमें दोनों की हिस्सेदारी शून्य है। इस स्टॉक में 95 फीसद हिस्सेदारी प्रमोटर्स की है। केवल 5 फीसद हिस्सेदारी अन्य के पास है।

वायसराय होटल्स लिमिटेड, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में 1965 में निगमित एक स्मॉल कैप कंपनी है। वायसराय होटल्स लिमिटेड के प्रमुख उत्पादों/राजस्व खंडों में 31-मार्च-2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कमरे, रेस्तरां और अन्य सेवाओं से आय और अन्य परिचालन राजस्व शामिल हैं।

दिसंबर तिमाही के लिए कंपनी ने 43.93 करोड़ रुपये की कंसॉलिडेटेड प्रॉफिट दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की कुल आय 29.43 करोड़ रुपये से 49.28 प्रतिशत अधिक है और पिछले वर्ष की इसी तिमाही की कुल आय 30.39 करोड़ रुपये से 44.58 प्रतिशत अधिक है।

लेक्ट्रिक्स ईवी ने असीमित बैटरी वारंटी वाला सबसे किफायती हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर केवल 49,999रु. में लॉन्च किया

भोपाल। दिग्गज कंपनी एसएआर ग्रुप की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी शाखा, लेक्ट्रिक्स ईवी ने केवल 49,999 रुपये में एक अभूतपूर्व ई2डबल्यू लॉन्च किया है। लेक्ट्रिक्स ईवी वाहन से बैटरी को अलग करने और इसे ग्राहकों को सेवा के रूप में प्रदान करने वाला, विशेष रूप से भारत का पहला ओईएम है। कीमत के प्रति सजग ग्राहकों की सहज सवारी के लिए उपयुक्त, इस ऑल-इन-वन ई2डबल्यू ने ईवी का मालिक बनना आसान बना दिया है। ग्राहक लगभग 40त्न कम भुगतान करते हैं और 100त्न ईवी के फायदे प्राप्त करते हैं। ब्रांड ने ग्राहकों को अलग से बैटरी की सदस्यता लेने का विकल्प प्रदान करके पारंपरिक स्वामित्व मॉडल को नई परिभाषा दी है, जिससे अधिक लचीलापन और लागत-प्रभावशीलता मिली है। 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन के सरकारी दृष्टिकोण के अनुरूप, लेक्ट्रिक्स ईवी भारत में ईवी अपनाने में तेजी लाने के लिए नवीन तरीकों पर काम कर रहा है। यह उत्पाद केवल एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर की श्रेणी में सर्वोत्तम रेंज, लगभग 50 किमी प्रति घंटे की गति और उम्र भर की बैटरी वारंटी के साथ आता है, जिससे बैटरी से संबंधित किसी भी चिंता को कम किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की हैट्रिक से बचना चाहेगी भारतीय हॉकी टीम

पर्थ । पछले दो मैच गंवा चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में बुधवार को जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य हार की हैट्रिक से बचने का होगा। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण इस श्रृंखला में भारत को पहले मैच में 1 -5 और दूसरे में 2 -4 से पराजय का सामना करना पड़ा। इस दौरे से भारतीय टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चलेगा। पहले दोनों मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के डिफेंस को दबाव में रखा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय डिफेंडरों ने पहले दो मैचों में कई आसान गोल और पेनल्टी कॉर्नर गंवाए। वहीं फॉरवर्ड पंक्ति विरोधी खेमे में हमले नहीं बोल सकी। मनदीप सिंह, अभिषेक, ललित उपाध्याय, गुरजंत सिंह और सुखजीत को मौकों को भुनाना होगा। मिडफील्ड में प्रदर्शन अभी तक अच्छा रहा है और मिडफील्डरों ने काफी मौके बनाए हैं। भारतीय कोच क्रेग फुल्टोन ने पहले दो मैचों में अलग रणनीति आजमाने की कोशिश की। शॉर्ट और तेज रफ्तार पास की बजाय भारतीयों ने डीप से लंबे पास का आदान प्रदान किया लेकिन आस्ट्रेलियाई डिफेंस को नहीं तोड़ सके। चौथा मैच 12 अप्रैल को और पांचवां 13 अप्रैल को खेला जाएगा।

तीन टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी इंग्लैंड टीम

लंदन । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को ऐलान किया कि उनकी टीम 28 नवंबर से तीन टेस्ट के दौरे पर न्यूजीलैंड जाएगी। श्रृंखला का पहला मैच क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच छह दिसंबर से वेलिंगटन और तीसरा 14 दिसंबर से हैमिल्टन में होगा। दोनों टीमों की टेस्ट श्रृंखला में टक्कर पिछले साल फरवरी मार्च में हुई थी और दो मैचों की श्रृंखला ड्रॉ रही थी। न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट एक रन से और इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 267 रन से जीता था। ये तीनों टेस्ट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे जिसमें न्यूजीलैंड ने पहले सत्र में आस्ट्रेलिया को हराया था। भारत इस बार नौ में से छह टेस्ट जीतकर डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे और न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड नौवे स्थान पर है। शीर्ष दो टीमें 2025 में लॉर्डस पर फाइनल खेलेंगी।

हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन अहम बात उन पर अमल करना था, हार पर बोले वरूण चक्रवर्ती

चेन्नई । कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पिच को सही ढंग से पढ नहीं पाने का खामियाजा उनकी टीम को भुगतना पड़ा। पिछले दो मैचों की तुलना में इस मैच की पिच अलग थी। केकेआर 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी जिसे चेन्नई ने 14 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा, 'मैने जब विकेट को देखा तो यह सपाट लगा लेकिन यह पूरी तरह से अलग था। उन्होंने कहा, 'हम पिच को बेहतर भांप सकते थे क्योंकि शुरूआत में यह धीमी थी। गेंद से संपर्क करना कठिन था लेकिन मुझे लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहता। इसके अलावा ओस भी थी। शिवम दुबे को जो मैने आखिरी ओवर डाला , उससे काफी फर्क पड़ा क्योंकि मैं गेंद पर पकड़ नहीं बना पा रहा था। उन्होंने कहा, 'हमने हर बल्लेबाज के लिए योजना बनाई थी लेकिन अहम बात उन पर अमल करना था। हर टीम में कुछ बल्लेबाजों का दबदबा रहता है जिन पर रोक लगानी होती है।

जब से मैं चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुआ हूं तब से यही हो रहा है, जीत के बाद बोले गायकवाड़

चेन्नई । सीएसके द्वारा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर सात विकेट से जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा कि वह सिर्फ इसलिए कुछ भी बदलना नहीं चाहते हैं क्योंकि अभी वह प्रभारी हैं। रुतुराज गायकवाड़ ने 58 गेंदों में नाबाद 67 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की क्योंकि गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी तीसरी घरेलू जीत दर्ज की। गायकवाड़ ने कहा, मैं एक खास तरह का किरदार नहीं बनना चाहता। बस चीजों को वैसे ही बहना पसंद है जैसे वे बह रही हैं। सीएसके की संस्कृति को मूल रूप से जारी रखें। यही है जो मुझे महसूस होता है। हमें जो सफलता मिली है, जो चीजें हम कर रहे हैं, मैं उसमें रत्ती भर भी बदलाव नहीं करना चाहता। मैं बस वहां आना चाहता हूं, अपने फैसले खुद लेना चाहता हूं और जितनी संभव हो उतनी आजादी देना चाहता हूं क्योंकि जब से मैं सीएसके में शामिल हुआ हूं तब से यही हो रहा है। वास्तव में कुछ भी नहीं बदलता है और मैं इसका आनंद ले रहा हूं।

रुतुराज ने यह भी उल्लेख किया कि धोनी ने उन्हें आईपीएल 2022 में सीएसके का नेतृत्व करने के बारे में बताया था और 2023 में प्रत्येक मैच के बाद, वह कोच स्टीफन फ्लेमिंग के साथ बैठे और चर्चा की कि अगर वह कप्तान होते तो क्या करते। गायकवाड़ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, वास्तव में कोई गहरी बातचीत नहीं है, मुझे लगता है...यह बहुत ठंडी स्थिति में था। मैं सिर्फ एक बात कहूंगा। बस हम अभ्यास कर रहे थे और उन्होंने आकर मुझे ये सारी बातें बताईं। जाहिर तौर पर हर किसी के लिए, बाहर के अन्य लोगों के लिए, वे सोचते होंगे कि उन्हें बड़ी जरूरतें पूरी करनी होंगी लेकिन मुझे लगता है कि मैं हमेशा मैं ही रहूंगा और जो संस्कृति चली आ रही है उसे मैं जारी रखना चाहूंगा। गायकवाड़ ने कहा, मुझे याद है 2022 में जब उन्होंने मुझसे कहा था, शायद अगले साल नहीं, लेकिन उसके बाद तुम्हें नेतृत्व करने का मौका मिल सकता है, इसलिए इसके लिए तैयार रहो। तो जाहिर तौर पर उसके बाद मैं इसके लिए हमेशा तैयार था। मेरे लिए यह कोई नई बात नहीं थी या आश्चर्य या

झटका नहीं था। मुझे पता है कि खेल को कैसे नियंत्रित करना है। मैं जानता हूं कि खेल कैसे आगे बढ़ता है, क्या बदलाव करना है, कब क्या करना है, जैसा कि मैं पिछले साल भी कर रहा था, फ्लेमिंग और मैं हर खेल के बाद कप्तानी पर चर्चा करते थे, मैं कैसा महसूस करता हूं, क्या बदलाव आता है, गेंदबाजी में बदलाव आता है, मुझे लगता है कि हमें क्या करने की जरूरत है, हर खेल में हम एक-पर-एक बातचीत करते थे जिससे वास्तव में मदद मिली।

गायकवाड़ ने पांच पारियों में 117.42 की स्ट्राइक रेट से 155 रन बनाए हैं। उन्हें इस साल एक नए ओपनिंग पार्टनर, रचिन रवींद्र के साथ काम करना पड़ा है। गायकवाड़ ने कहा, कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनके बारे में बाहर के लोगों को वास्तव में पता नहीं चलता। पिछले साल, हमने जो तीन, चार मैच शुरू किए थे, वे अहमदाबाद, चेन्नई और मुंबई और फिर चेन्नई में थे। वे सभी खेल सपाट विकेटों पर थे। इसलिए मुझे लगता है कि पिच वास्तव में बहुत मायने रखती है। उन्होंने कहा, पहला गेम (इस सीजन में) मैंने सोचा था कि मुझे अच्छी शुरुआत मिलेगी, एक अच्छी गेंद मिली (15 रन पर आउट)। दूसरा गेम भी वैसा ही है, मुझे लगता है, मुझे अच्छी शुरुआत मिली है, थोड़ी तेजी लानी होगी, आपको वहां गलती करने की प्रवृत्ति होती है [46 रन पर आउट] और तीसरे मैच में मुझे फिर से लगा कि मैं अच्छी स्थिति में हूं, दूसरी गेंद [1 रन पर आउट] पर वास्तव में कुछ नहीं कर पाया।

सीएसके के कप्तान ने कहा, कभी-कभी ऐसे चरण होते हैं जहां आपको अच्छी गेंदें मिलती हैं। कभी-कभी ऐसे चरण होते हैं जहां आप थोड़े दुर्भाग्यशाली होते हैं। कभी-कभी ऐसे चरण होते हैं जहां चीजें वास्तव में सही नहीं होती हैं। (ए) अच्छा शॉट, फील्डर के हाथों में जा रहा है। इसलिए आप ऐसा नहीं करते। गायकवाड़ ने अंत में कहा, वास्तव में इस पर सोचने की जरूरत नहीं है। मुझे हमेशा लगता था कि मैं अच्छी स्थिति में हूं, वास्तव में अच्छी शुरुआत कर रहा हूं, अच्छा हेडस्पेस है, इसलिए मैं वास्तव में चिंतित नहीं था। और बल्लेबाजी करते समय कप्तानी करना एक बिल्कुल अलग दृष्टिकोण है। यहां तक कि जब मैं अपना पहला मैच खेल रहा था, या सीएसके के लिए पहला अर्धशतक बनाया था, मुझे लगता है कि (वह) इसी तरह की स्थिति थी, हम 140 का पीछा कर रहे थे और मैं हमेशा मैं अंत तक टिकना चाहता था और यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मैं पारी को लगभग उसी तरह खत्म करूं। भले ही मैं कप्तान हूं या नहीं, वास्तव में कुछ भी नहीं बदलता है।

चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक सुपर किंग्स कहा जाना चाहिए

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के प्रदर्शन की सराहना की और आईपीएल 2024 में घरेलू मैदान पर जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए उन्हें किंग्स ऑफ चेपॉक बताया। रवींद्र जड़ेजा ने 3-18 के स्पैल के साथ शानदार प्रदर्शन किया, उसके बाद तुषार देशपांडे और मुस्तफिजुर रहमान ने क्रमशः 3-33 और 2-22 के असाधारण स्पैल से केकेआर को 137/9 पर रोक दिया। इसके बाद गायकवाड़ ने घरेलू दर्शकों के सामने कमाल करते हुए अपने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को 14 गेंद शेष रहते जीत दिलाने में मदद की।

अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए एक वीडियो में चोपड़ा ने कहा, चेन्नई सुपर किंग्स चेपॉक सुपर किंग्स हैं। वे चैंपियन सुपर किंग्स हैं। वे एक ऐसी टीम हैं जो घर पर नहीं हारती हैं। कोई भी उन्हें घर पर हरा नहीं पाया है। कोई भी उनके गढ़ को तोड़ने में सक्षम नहीं है। उनका किला बेहद मजबूत है लेकिन उनके लिए कुछ भी काम नहीं आया - न तो बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी। उन्होंने कहा, दीपक चाहर वहां नहीं थे और मैं आश्चर्यचकित था। पथिराना वहां नहीं थे और मैंने कहा कि गेंदबाजी अचानक बहुत कमजोर हो गई थी। आपने निश्चित रूप से लॉर्ड (शार्दुल) ठाकुर को खेला, लेकिन विरोधी टीम बाजीगर थी। इसलिए मैं थोड़ा चिंतित था। चाहर को चोट लगने के कारण सोमवार के खेल से बाहर कर दिया गया।

आकाश चोपड़ा ने मैच जिताने वाले गेंदबाजी स्पैल और मैदान में काफी सक्रिय रहने के लिए रवींद्र जड़ेजा की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, चेन्नई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की और फिल साल्ट पहली गेंद पर ही आउट हो गए। बिना नमक के आप अच्छा खाना कैसे बनाएंगे? तुषार देशपांडे को विकेट मिला और कैच जड्डू के हाथ में गया। जब कैच जड्डू के हाथ में गया तो हम पता चला कि यह जड्डू का दिन होने वाला है। चलो निष्पक्ष रहें, कोलकाता ने पावरप्ले जीता। हालांकि इसके बाद जब विकेट गिरने लगे तो वे इससे बाहर नहीं आ सके। जड़ेजा ने तीन विकेट लिए। उन्होंने अपने चार ओवरों में ज्यादा रन भी नहीं दिए और दो कैच भी लिए। चोपड़ा ने मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे को भी महत्वपूर्ण विकेट लेने और केकेआर को एक मामूली स्कोर तक बनाए रखने में सीएसके की मदद करने का श्रेय दिया, जिसे आसानी से हासिल कर लिया गया। चोपड़ा ने कहा, जो कोई भी मारने की कोशिश कर रहा था वह फंस रहा था, चाहे वह श्रेयस अय्यर हो या रिंकू सिंह। आंद्रे रसेल ने भी जोर से बल्ला घुमाया लेकिन कुछ नहीं हुआ। तुषार देशपांडे ने शुरुआत में एक विकेट लिया और अंत में वापसी करके विकेट लिए। फिज को तीन विकेट मिल सकते थे लेकिन एमएस धोनी ने एक कैच छोड़ दिया। हालांकि रन बिल्कुल भी ज्यादा नहीं थे।

धोनी के लिए दर्शकों का शोर सुन

आंद्रे रसेल ने बंद कर लिए कान

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जब कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को जीत के लिए महज तीन रह चाहिए थे तो 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले धोनी अचानक क्रीज पर आ गए। धोनी को देखकर चेन्नई की जनता क्रेजी हो गई तो चेपॉक स्टेडियम के चारों ओर शोर मच गया। यह शोर इतना था कि इससे कोलकाता के आंद्रे रसेल भी परेशान हो गए। रसेल धोनी की एंट्री के वक्त बाऊंड्री रोप के पास फील्डिंग कर रहे थे। दर्शकों ने जब शोर मचाया तो यह इतना था कि रसेल ने अपने दोनों कान हाथों से ढंक लिए। रसेल के ऐसा करते की एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। देखें यही नहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी इस को नोटिस किया। उन्होंने हार के कारणों पर चर्चा करने से पहले धोनी के लिए होता चीयर्स देखकर कहा कि यहां की आवाज तो बहरा कर देने वाली है, लेकिन मैं अपनी बात रखने की कोशिश करूंगा। कोलकाता के खिलाफ जीत के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स अभी आईपीएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर ही बरकरार है। उसके पांच मैचों में तीन जीत के साथ छठ प्वाइंट हैं। जबकि पहले स्थान पर अभी भी राजस्थान रॉयल्स बनी हुई है जोकि 4 में से 4 जीत हासिल कर चुकी है। इसी तरह कोलकाता सीजन में अपनी पहली हार के बावजूद अंक तालिका

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने कामिंदु मेंडिस और मैया बाउचर

दुबई, एजेंसी । आईसीसी ने मार्च 2024 के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम के कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। महिला वर्ग में इंग्लैंड की मैया बाउचर को ये पुरस्कार मिला है। मेंडिस ने प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार का दावा करने के लिए टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया है। मेंडिस ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में 102 रन और दूसरी पारी में 164 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मैट हेनरी और आयरलैंड क्रिकेट टीम के मार्क अडायर को इस दौर में पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया। मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ, कामिंदु मेंडिस ने कहा, मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेहद खुश हूं, जिसे मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए प्रेरणा मानता हूं। इस तरह की मान्यता हमें एक खिलाड़ी के रूप में टीम, देश और प्रशंसकों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अधिक से अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। बाउचर ने न्यूजीलैंड में शानदार श्रृंखला की बदौलत मार्च 2024 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। बीते महीने बाउचर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 223 रन बनाए थे। उन्होंने मार्च में 4-1 टी20 श्रृंखला जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। बाउचर ने ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता। मार्च के लिए आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ, बाउचर ने कहा, सबसे पहले उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने मुझे वोट दिया। मैं बहुत खुश हूं। मैं उन सब की आभारी हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया है।

मयंक यादव की चोट गंभीर नहीं : क्रूणाल पांड्या

लखनऊ, एजेंसी । आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद फेंकने वाले एलएसजी के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव रविवार को गुजरात के खिलाफ चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। गुजरात के खिलाफ मयंक ने मात्र एक ओवर डाला और उसमें 13 रन दिए। मैच के बाद बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर क्रूणाल पांड्या ने मयंक की चोट पर अपडेट दिया। क्रूणाल पांड्या ने कहा, युवा तेज गेंदबाज मयंक मैदान से बाहर आने के बाद ठीक लग रहे थे। मैंने उनसे बातचीत की और वह पहले से बेहतर थे, जो हमारे लिए राहत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मयंक पसली में खिंचाव और चोट के कारण बाहर चले गए। तेज गेंदबाज यश ठाकुर के पंजे के अलावा, क्रूणाल ने खुद एलएसजी की आईपीएल 2024 की तीसरी जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं कप्तान केएल राहुल इस बात से भी खुश थे कि कैसे मयंक की अनुपस्थिति के बावजूद उनके गेंदबाजों ने अपने घरेलू मैदान पर एक और स्कोर का बचाव करने के लिए एकजुट होकर शानदार गेंदबाजी की। एलएसजी अब चार मैचों में से तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और शुक्रवार शाम को दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगा।

ब्रायन लारा का दावा- अभिषेक शर्मा लगाएगा अपने करियर का पहला शतक

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद ने पैट कमिंस की कप्तानी में सीजन के दौरान कुछ आकर्षक मुकाबले दर्शकों को दिए हैं। हैदराबाद ने इसी सीजन में एक पारी में सबसे ज्यादा 277 रन बनाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (263/5) का पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। हैदराबाद के लिए ओपिनंग, मध्यक्रम बल्लेबाज आतिशी पारियां खेल रहे हैं तो वहीं, गेंदबाजी धारधार नजर आ रहे हैं। इसी बीच फ्रैंचाइज़ी के पूर्व मुख्य कोच ब्रायन लारा ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह हैदराबाद के ओपनिंग बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ी पारियां खेलते देखना चाहते हैं और मौजूदा सीज़न का पहला शतक भी बनाते देखना चाहते हैं।

अभिषेक को पंजाब की 2023/24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खिताब जीतने में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने 10 पारियों में 48.50 की औसत और 192.46 की स्ट्राइक-रेट से 485 रन बनाए जिसमें 35 चौके और 39 छक्के भी शामिल थे। वह दो शतक और तीन

अर्द्धशतक लगाने में सफल रहे थे। आईपीएल 2024 में अब तक अभिषेक ने हैदराबाद के लिए 4 पारियों में 40.25 के औसत और 217.56 के स्ट्राइक-रेट से 161 रन बनाए हैं, जिसमें 12 चौके और 15 छक्के शामिल हैं। अभिषेक ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 16 गेंदों में तूफानी अर्धशतक और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 12 गेंदों में 37 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था।

लारा ने कहा कि मैं उसे इस सीजन का पहला आईपीएल शतक बनाते हुए देखना पसंद करूंगा और उसके पास ऐसा करने का अवसर था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका। दो वर्षों में मैंने उन्हें स्क्रा में (2022 और 2023 में) प्रशिक्षित किया, मैंने उनके मानसिक पक्ष पर अधिक काम किया, और मुझे लगता है कि उनकी मानसिक शक्ति को थोड़ा बेहतर करने की आवश्यकता है। मुझे उस क्षेत्र में थोड़ी सफलता दिख रही है। लेकिन फिर भी उन्हें शतक बनाने की जरूरत है. लोग आपको तभी पहचानते हैं और याद करते हैं जब आप बड़े रन बनाते हैं और मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही ऐसा कर सकेंगे।

मुंबई इंडियंस के सीजन में प्रदर्शन पर लारा ने कहा कि वेस्ट इंडीज के रोमारियो शेफर्ड को अच्छा प्रदर्शन करते देखना बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उनकी टाइमिंग बहुत अच्छी थी। आरसीबी को संरचनात्मक समस्या का अधिक सामना करना पड़ रहा है, उनका फॉर्म ठीक है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि बीच में उनके पास सही टीम है। मुझे नहीं लगता कि उनके पास सही बल्लेबाजी क्रम है। एमआई को अपना बल्लेबाजी क्रम पता है। सूर्यकुमार थोड़ा खराब फॉर्म में खेला; उन्होंने कोई रन नहीं बनाया है। मुझे लगता है कि वे वास्तव में इस प्रतिद्वंद्विता को अपने पक्ष में करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले पाकिस्तान को मिला नया सहायक कोच

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला अजहर महमूद को सभी प्रारूपों में टीम का सहायक कोच बनाया जा सकता है। महमूद को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 अप्रैल से शुरू हो रही घरेलू श्रृंखला के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया। बोर्ड ने अभी तक विदेशी कोचों ऑस्ट्रेलिया के जैसन गिलेस्पी और दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन के साथ दीर्घकालिन अनुबंध का ऐलान नहीं किया है। गिलेस्पी टेस्ट क्रिकेट में मुख्य कोच होंगे जबकि कर्स्टन सफेद गेंद के प्रारूप में यह जिम्मा संभालेंगे। तीनों प्रारूपों में महमूद को सहायक कोच बनाया जा सकता है। पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच रहे महमूद ब्रिटेन में बसे हैं और इंग्लैंड तथा वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मान्यता प्राप्त कोच हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में मोहम्मद युसूफ बल्लेबाजी कोच और सईद अजमल स्पिन गेंदबाजी कोच होंगे।

संक्षिप्त समाचार

अतीक के परिवार पर बड़ी चोट की तैयारी, ईद के बाद करोड़ों के आलीशान घर पर चलेगा बुलडोजर

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज में वक्फ बोर्ड की 70 करोड़ की प्रॉपर्टी हड़पने में माफिया अशरफ ने अपने ससुरालवालों की मदद से सारा खेल किया था। उसकी मौत के बाद पत्नी जैनब और साले जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वक्फ बोर्ड के पूर्व मुतवल्ली की मदद से करोड़ों की इमारत खड़ी करने वालों पर अब पुलिस कार्रवाई करेगी। इमारत को गिराने के लिए पुलिस ने पीडीए के साथ तैयारी कर ली है। पीडीए सल्लाहपुर स्थित वक्फ बोर्ड की जमीन हड़प कर बने मकान और दुकानों को जल्द ही जमींदोज करने वाली है। सल्लाहपुर में स्थित सुन्नी वक्फ बोर्ड की 50 करोड़ की प्रॉपर्टी हड़पने के मामले में केयर टेकर माबूद ने पूर्व मुतवल्ली मो. असियम, उसकी पत्नी जिन्नत, अशरफ की पत्नी जैनब, उसका साला सद्दाम व जैद, सिवली प्रधान और तारिक के खिलाफ पूरामुफ्ती थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। सद्दाम जेल में बंद और बाकी आरोपी फरार हैं। इस केस की जांच में पता चला कि इसी गैंग ने शाहगंज से लेकर कौशाम्बी बॉर्डर तक वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी हड़पी है। कई जगहों पर बोर्ड की प्रॉपर्टी को लीज पर रेलवे के ठेकेदारों को दे दिया और सालाना किराया वसूल रहे हैं। इस केस की पैरवी करने पर नए मुतवल्ली को धमकी मिली। पूरामुफ्ती के अलावा शाहगंज में दो मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस ने जांच कर यह भी बताया कि वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी पर कब्जा करके ही अशरफ ने आलीशान मकान बनवाया था। इसी मकान में अशरफ और जैनब रहते थे। इसी के साथ वहां बने अन्य अवैध निर्माण पर भी बुलडोजर चलाने की तैयारी है।

भाजपा में घमासान, मेयर पर भड़के संतोष गंगवार समर्थक

बरेली, एजेंसी। भाजपा ने बरेली से आठ बार के सांसद रहे संतोष गंगवार का टिकट इस बार काट दिया। उनकी जगह छत्रपाल गंगवार को मैदान में उतारा गया है। इस पर संतोष गंगवार समर्थक पहले से नाखुश थे। अब टिकट की कलह खुलकर सामने आ गई। सोमवार को संतोष गंगवार के समर्थकों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के समाने हंगामा खड़ा कर दिया। उन्होंने भारत सेवा ट्रस्ट पर पहुंचे भूपेंद्र चौधरी की गाड़ी रोक ली। समर्थकों ने मेयर उमेश गौतम पर संतोष गंगवार के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। हालांकि भाजपा के बड़े नेताओं की दखल के बाद किसी तरह कार्यकर्ता शांत हुए। इसके बाद भूपेंद्र चौधरी अपनी गाड़ी से पीलीभीत के लिए रवाना हो सके। उनके जाने के बाद भी हंगामा चलता रहा। सांसद समर्थक भारत सेवा ट्रस्ट पर देर रात तक धरने पर बैठे रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी संतोष गंगवार के आवास भारत सेवा ट्रस्ट पर चुनाव को लेकर मीटिंग करने गए थे। उस समय भाजपा संगठन के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। इसी बीच बड़ी संख्या में संतोष गंगवार के समर्थक भारत सेवा ट्रस्ट पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने भारत सेवा ट्रस्ट पर मेयर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि एक दिन पहले अर्थात रविवार को ब्राह्मण सभा की मीटिंग में मेयर उमेश गौतम ने संतोष गंगवार पर अशोभनीय टिप्पणी की थी। इसकी जानकारी मिलते ही सोमवार सुबह से संतोष के समर्थकों का विरोध शुरू हो गया था। भोजीपुरा की मीटिंग में भी डीसीबी अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने मंच से पूरा घटनाक्रम कार्यकर्ताओं को बताया था। मेयर पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद सुबह से शाम होते-होते विरोध खुलकर सामने आ गया। शाम को भूपेंद्र चौधरी गिले-शिकवे दूर कराने के लिए संतोष गंगवार के आवास पहुंचे थे। उसी दौरान संतोष के समर्थकों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मेयर के इस्तीफे की मांग करने लगे। आनन-फानन में भारत सेवा ट्रस्ट का गेट बंद करके कार्यकर्ताओं को बाहर रोक दिया गया। ऐसे में कार्यकर्ता गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए। संतोष के घर के अंदर और बाहर हंगामा होता रहा। कुछ कार्यकर्ता भूपेंद्र चौधरी की गाड़ी के आगे बैठ गए। भाजपा नेताओं ने किसी तरह भूपेंद्र चौधरी को गाड़ी में बैठाकर रवाना किया। संतोष समर्थकों ने भूपेंद्र चौधरी के सामने शक्ति प्रदर्शन भी किया। संतोष गंगवार जिंदाबाद के नारे भी लगाए।

एकजुट होगा चौटाला परिवार, भाजपा से गठबंधन टूटने के बाद बदले सुर

अजय चौटाला बोले- पापाजी कहेंगे तो...

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में भाजपा के साथ साढ़े चार साल पुराना गठबंधन टूटने के बाद जननायक जनता पार्टी (जजपा) संकट में घिर गई है। अब उसके लिए अपना वजूद बचाना बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में जजपा नेताओं के सुर बदलने लगे हैं। लिहाजा, हरियाणा के चौटाला परिवार के एक होने की बातें शुरू हो गई हैं। जजपा सुप्रीमो अजय चौटाला ने एक बयान में कहा है कि अगर ओम प्रकाश चौटाला (पिताजी) कहेंगे तो हम एक हो सकते हैं लेकिन पहल ओम प्रकाश चौटाला को ही करनी होगी, अगर वह कल ही बुला लें तो हम कल ही तैयार हैं। हालांकि इनैलो के राष्ट्रीय महासचिव और अजय सिंह चौटाला के भाई अभय सिंह चौटाला ने कई बार यह टीस जाहिर की है कि अगर हम एक होते और बिखराव नहीं होता तो प्रदेश में हमारी सत्ता होती।

इनेलो ने कुरूक्षेत्र और हिसार को छोड़कर अभी अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। वहीं, जजपा ने एक भी सीट पर अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग छिड़ी नजर आती है। अब सवाल उठता है कि क्या यह परिवार एक हो सकता है। राजनीति में कुछ भी संभव है। किसी समय परिवार को एक करने के लिए बादल परिवार की तरफ से भी प्रयास हुए लेकिन बात नहीं बनी थी। इनेलो और जजपा पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल की नीतियों को लेकर ही आगे बढ़ने का दावा करती आई है, जिस तरह दुष्यंत और दि?ग्विजय की अपने चाचा अभय चौटाला के साथ जुबानी जंग चलती आ रही है, तो क्या ऐसे हालात में यह परिवार एक हो सकता है। वैसे जिस तरह जजपा को जगह-जगह विरोध का सामना करना पड़ रहा है, उस हालात में अजय सिंह चौटाला समझ गए हैं कि अकेले चलने की राह अब आसान नहीं रहेगी। इंडियन नेशनल लोकदल से बिखराब के बाद बनी जननायक जनता पार्टी को लोकसभा चुनाव से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। जजपा ने अभी लोकसभा प्रत्याशियों की घोषणा तक नहीं कीलेकिन जजपा प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह ने पार्टी को अलविदा कह दिया। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो अजय सिंह चौटाला को फोन करके मौखिक रूप से अपना इस्तीफा दे दिया। निशान सिंह के कांग्रेस में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

दिसंबर 2018 में जजपा बनने के साथ ही उन्हें प्रदेशाध्यक्ष की कमान सौंपी गई थी। 2021 और 2023 में जजपा के पूरे संगठन में फेरबदल हुआ, लेकिन निशान सिंह को हर बार प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। जजपा के भी करीब पांच वर्षों तक प्रदेशाध्यक्ष बने रहे। पार्टी से अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए उन्होंने बताया कि भविष्य को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है। हलके के लोगों और पुराने साथियों के साथ विचार-विमर्श करके जल्द ही राजनीतिक फैसला लिया जाएगा। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। निशान सिंह ने कहा, प्यार, दोस्ती और राजनीतिक पार्टियों में कई बार रिश्तों में दरारें आ जाती हैं। मैंने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ पार्टी के साथ काम किया। कभी कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। कई बार हालात ऐसे होते हैं और हालात की वजह से ही ऐसे कदम भी उठाने पड़ते हैं। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं दूंगा। इस मामले में विस्तृत बातचीत अपना राजनीतिक फैसला करने के बाद ही करूंगा।

सीमा के चेहरे पर जख्म के निशान, 11 महीने में ही खत्म हुआ सचिन का प्यार

नईदिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तान से चार बच्चों को लेकर नेपाल के रास्ते भारत आने के बाद सुर्खियों में आई सीमा हैदर एक बार फिर से चर्चाओं में है। अब सीमा का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह चोटिल दिखाई दे रही है। वीडियो को देखने के बाद दावा किया जा रहा है कि सचिन ने सीमा के साथ मारपीट की है। वीडियो में हैदर अपने चेहरे और हाथ में चोट के निशान दिखा रही है। वीडियो को सचिन और सीमा के बीच मारपीट के नाम से वायरल किया जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने वायरल वीडियो को फेक (फर्जी) बताया है।

सोमवार को सीमा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सीमा का मुंह सूजा हुआ है। आंख के नीचे और चेहरे के कई हिस्सों में चोट के निशान भी दिख रहे हैं। सीमा के वकील एपी सिंह का कहना है कि यह वीडियो पाकिस्तान के एक यूट्यूबर ने एडिट करके फर्जी बनाया है। अधिवक्ता एपी सिंह ने पाकिस्तानी यूट्यूबर पर आरोप लगाते हुए कहा कि सीमा का फेक वीडियो बना कर वायरल किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान में एआई के जरिये सीमा हैदर का वीडियो बना कर वायरल किया गया है।

सीमा के वकील और उनके मुंह बोले भाई ने कहा कि सीमा हैदर और सचिन आराम से रह रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद पुलिस हरकत में आ गई और सीमा हैदर के घर पहुंची। जहां सीमा ने बताया कि उसकी कोई चोट नहीं लगी है। पुलिस का दावा है कि सीमा से बातचीत में स्पष्ट हुआ है कि उसके साथ कोई मारपीट नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो फेक है। दरअसल, 13 मई 2023 को सीमा हैदर नेपाल बॉर्डर के रास्ते से रबूपुरा पहुंची थी। करीब डेढ़ महीने वहां सचिन मीणा के साथ रहने के बाद 1 जुलाई 2023 की सुबह सीमा और सचिन रबूपुरा से भागकर मथुरा पहुंचे थे, जहां पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर जेल भेजा था। हालांकि, बाद में उनको जमानत पर छोड़ दिया गया था। तभी से वह सचिन के साथ उसके घर रबूपुरा कस्बे में रह रही है। सीमा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

रात के अंधेरे में दिल्ली मेट्रो ट्रेनों पर रहस्यमय चित्रकारी, 2 एफआईआर हुई दर्ज; दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल करेगी जांच

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली मेट्रो के यमुना बैंक और शाहदरा मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी ट्रेन के डिब्बों पर कथित रहस्यमय चित्रकारी करने के संबंध में दिल्ली पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की हैं। दोनों घटनाएं रात समय की हैं, जहां आरोपी चोरी छुपे स्टेशन में दाखिल हुए थे। अधिकारियों ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी। जॉइंट पुलिस कमिश्नर (ट्रांसपोर्ट) विजय सिंह ने बताया कि दिल्ली पुलिस घटनाओं की जांच कर रही है। दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा की देखभाल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और दिल्ली पुलिस द्वारा की जाती है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले केरल और गुजरात से भी इसी तरह के मामले सामने आ चुके हैं। वहां विदेशी नागरिकों सहित भित्तिचित्र कलाकारों का एक ग्रुप मौज-मस्ती के लिए इस तरह की हरकतें करने में शामिल पाया गया था। पहला मामला यमुना बैंक मेट्रो यार्ड में सामने आया था, जहां देर रात कोई दीवार फांदकर अंदर घुस गया। इसके बाद उस व्यक्ति ने यार्ड में खड़े कोचों में से एक के एक हिस्से को पेंट कर दिया। कर्मचारियों को 31 मार्च को इसके बारे में पता चला। एक पुलिस

अधिकारी ने कहा, ''एक डिब्बे को कई रंगों के स्प्रे से रंगा गया था और कोच पर 'डेमो' और 'एएए' जैसे शब्द लिखे पाए गए। मामले की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई और मामला दर्ज किया गया।'' दूसरी घटना शाहदरा मेट्रो स्टेशन के पास 4 अप्रैल की रात की है। अधिकारी ने कहा कि अपराधी स्टेशन के पास खड़ी ट्रेन तक पहुंचने के लिए एक पेड़ पर चढ़कर अंदर दाखिल हुए। उन्होंने बताया कि बोगी पर 'नो प्रॉब्लम' लिखा मिला। पुलिस ने कहा कि घटनाओं के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 451 और डीएमआरसी की धारा 78 और संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस मेट्रो ट्रेन के डिब्बों पर लिखे संदेश को समझने की कोशिश कर रही है और अपराधियों की पहचान करने के लिए मेट्रो स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को स्कैन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को भी घटनाओं के बारे में सूचित कर दिया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, इससे पहले गुजरात और केरल में भी इस तरह के मामले सामने आए थे। मई 2022 में कुछ अज्ञात व्यक्ति कोच्चि में मेट्रो यार्ड में कांटेदार बाड़ तोड़कर घुस गए।

चीन और अमेरिका में फिर तनातनी, ड्रैगन ने चीनी छात्रों को जबरन बाहर निकालने का लगाया आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अमेरिका पर उसके छात्रों को जबरन देश से बाहर निकालने का आरोप लगाया है। बीजिंग की ओर से सोमवार को कहा गया कि यूएस बिना किसी वैध सबूत के चीनी छात्रों को जबरन निर्वासित कर रहा है। इसके साथ ही चीन ने अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए अहम कदम उठाने की चेतावनी दी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने राजधानी बीजिंग में संवाददाता सम्मेलन में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। साथ ही बिना वैध सबूत के मनमाने ढंग से चीनी छात्रों के वीजा रद्द कर दिए। अमेरिका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया और जबरन निर्वासित कर दिया। माओ जिंग से पूछा गया कि खबरें सामने आई थीं कि वाशिंगटन डलेस हवाई अड्डे और डलास एयरपोर्ट पर अमेरिकी सीमा में प्रवेश करने पर चीन के छात्रों से पूछताछ की गई और उन्हें जबरन निर्वासित कर दिया था। इस पर माओ ने कहा कि अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी मेल-जोल को भारी नुकसान पहुंचा है। माओ ने कहा, 'हाल के मामलों से पता चलता है कि अमेरिक के कानून प्रवर्तन के कर्मचारी चीनी नागरिकों को निर्वासित करने के लिए बेवजह के तर्क दे रहे हैं। साफ तौर पर यह भेदभावपूर्ण और राजनीति से प्रेरित कदम है।' चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीन अपने नागरिकों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए अहम कदम उठाएगा। अमेरिका को तुरंत इस तरह का उत्पीड़न बंद करना चाहिए। वहीं, अमेरिका में चीन के राजदूत शी फेंग का भी इस मामले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से स आने वाले चीनियों को अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे छात्रों के पास वैध वीजा था।

इजरायल की जीत का रास्ता राफा से निकलेगा, नेतन्याहू ने तय कर दी हमले की तारीख

येरूशलम, एजेंसी। दक्षिण गाजा शहर से अपनी सेना को वापस बुलाने और ईद पर कुछ दिन के अमन-चैन की खबरों के बीच इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया को फिर चौंका दिया है। नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा कि इजरायल की जीत के लिए गाजा ही नहीं राफा पर भी हमला जरूरी है। गाजा शहर को मरघट बना चुके नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ अगले चरण की जंग का ऐलान करते हुए हमले की तारीख की घोषणा कर दी है। नेतन्याहू की घोषणा के बाद अमेरिका भी चौंक गया है। उसने साफ इनकार किया कि इजरायल ने उससे इस संबंध में कोई सलाह मशवरा लिया है। अमेरिका ने राफा पर हमलो को लेकर किसी भी तरह की जानकारी से इनकार किया है।

एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि राफा शहर पर हमले की तारीख तय कर दी गई है। इजरायल का कहना है कि यह गाजा में हमास के आखिरी गढ़ों में से एक है। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि आक्रमण कब होगा? वीडियो संदेश में दोहराया कि हमास पर जीत के लिए राफा में भी आतंकवादी बटालियनों का सफाया आवश्यक है। यह होगा

और इसकी तारीख तय कर दी गई है।

प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास बटालियनों को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए राफा में आईडीएफ ऑपरेशन की तारीख तय की है। हालांकि दूसरी तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस तरह के कदम पर अपना विरोध दोहराया है। उसने आशंका जताई कि इससे मानवीय आपदा पैदा होगी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा कि हमने लगातार स्पष्ट किया है कि हम राफा में किसी बड़े जमीनी ऑपरेशन का समर्थन नहीं करते हैं। किर्बी ने कहा, मैं यह भी जोड़ना चाहूंगा कि हमें ऐसा कोई संकेत नहीं दिखा कि इजरायल इतने बड़े जमीनी ऑपरेशन की प्लानिंग कर रहा था।

किर्बी ने कहा, इजरायलियों ने हमें आश्वासन दिया है कि राफा में और उसके आसपास तब तक कोई ऑपरेशन नहीं होगा जब तक हमें लोगों के लिए वैकल्पिक स्थान नहीं मिल जाता या फिर हम उन्हें वहां से विस्थापित नहीं कर देते। संयुक्त राज्य अमेरिका को चिंता है कि राफ़ा ऑपरेशन इजरायल के लिए ठीक नहीं है।

क्योंकि 1.3 मिलियन से अधिक फ़िलिस्तीनी गाजा शहर से भागकर राफा में शरण लिए हुए है।

अमेरिकी अदालत से पूर्व राष्ट्रपति को बड़ा झटका, मुकदमे की सुनवाई की जगह बदलने की अपील खारिज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में इस साल आम चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को ट्रंप को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। दरअसल, अदालत ने ट्रंप की एक याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि गुप्त धन मामले की सुनवाई की जगह बदली जाए। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के वकीलों ने सोमवार (अमेरिकी समयानुसार) को अदालत से मुकदमे को स्थगित करने का आग्रह किया था, लेकिन जस्टिस लिजबेथ गोंजालेज ने उनकी अपील खारिज कर दी। ट्रंप के वकीलों का कहना था कि वह इस बात पर विचार करना चाहते हैं कि मुकदमे की सुनवाई दूसरी जगह कराई जाए या नहीं। उन्होंने तर्क दिया कि ट्रंप को न्यूयॉर्क में निष्पक्ष जूरी नहीं मिल सकती है। एसोसिएट जस्टिस लिजबेथ गोंजालेज ने सोमवार को ट्रंप की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मुकदमे की सुनवाई रोकने का कोई कारण नहीं है। जस्टिस लिजबेथ ने अपील खारिज कर कहा कि सुनवाई की जगह को बदलने के प्रस्ताव और तर्क में दम नहीं है।

हमास के हमले में बचे इस्राइली शख्स ने जताया भारत का आभार

कहा- दोनों देश सच्चे दोस्त

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल के बीच कई माह से युद्ध जारी है। इसे रुकवाने के लिए हर कोई कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच, सात अक्तूबर के हमले में जिंदा बचे मोरान नाम के शख्स ने भारत और उसके लोगों की तारीफ की है। दरअसल, उसने चुनौतीपूर्ण समय में भारत द्वारा समर्थन दिए जाने के लिए सराहना की है।

भारत इस्राइल का सच्चा दोस्त

मोरन ने कहा, सात अक्तूबर से पहले और उसके बाद भी मैं भारतीय समर्थन को लगातार देख रहा हूं। इस समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूरे मीडिया को धन्यवाद। हम जानते हैं कि भारत इस्राइल का सच्चा दोस्त है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह सिर्फ भारत सरकार नहीं है। भारत के लोगों का भी धन्यवाद, जो हमेशा से हमारे अच्छे दोस्त रहे हैं और बने रहेंगे।

हमारी आवाज हर जगह नहीं हो सकती

इस्राइल का वैश्विक स्तर पर पक्ष रखने में भारत की मुख्य भूमिका को स्वीकारते हुए मोरान ने कहा कि हमारी आवाज हर जगह नहीं हो सकती। हम जानते हैं कि भारतीय लोग हमारी जरूरत की हर चीज का ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने भारत के अटूट समर्थन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार के साथ लोगों का भी बहुत-बहुत धन्यवाद।

आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रहा भारत

भारत में इस्राइल के राजदूत नाओर गिलोन का कहना है कि भारत काफी पहले से ही आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रहा है। उन्होंने कहा कि सात अक्तूबर को हमास द्वारा हमला किए जाने के बाद से इस्राइल भारत सरकार के समर्थन की सराहना करता रहा है। इससे कुछ महीने पहले भी गिलोन ने कहा था कि हमास से संघर्ष के बीच इस्राइल को भारतीय लोगों से अविश्वसनीय समर्थन मिला है।

सात अक्तूबर को हमास ने किया था हमला

बता दें, इस्राइल और हमास के बीच युद्ध लगातार जारी है। हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। सात अक्तूबर से लेकर अब तक 30 हजार से अधिक लोगों की इस संघर्ष में मौत हो चुकी है। वहीं, हमास के बाद इस्राइली सेना भी कार्रवाई करते हुए बिना रुके हमले कर रही है। इस्राइल ने गाजा में जमीन, हवाई, समुद्र समेत

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129